हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 17 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 अंक : 47 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

New Delhi Stampede: खचाखच भीड़...भगदड़...फिर मौत का मंजर,

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड में 18 की मौत

महाकुंभ में स्नान के लिए बीती रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ थी, जिसने बाद में भगदड़ का रूप ले लिया और 18 लोगों की जान चली गई। आपको 12 तस्वीरों के जरिए इस घटना को सिलसिलेवार रूप से बताते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अपनी शुरूआती जांच में पाया है कि यात्री 'प्रयागराज एक्सप्रेस और प्रयागराज स्पेशल' के बीच भ्रमित हो गए थे। ट्रेन छूटने के डर से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके चलते 18 लोगों की मौत हो गई।पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, यात्री दोनों ट्रेन के बीच इसलिए भ्रमित हो गए क्योंकि दोनों के प्रारंभिक नाम प्रयागराज से घोषणा हुई थी। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर घोषणा हुई किप्रयागराज स्पेशल प्लेटफार्म 16 पर आने वाली है, इसलिए ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई क्योंकि प्रयागराज एक्सप्रेस पहले ही प्लेटफार्म 14 पर आ चुकी थी।
सूत्रों ने बताया कि प्लेटफार्म 14 पर पहुंचने वाले लोगों को लगा कि उनकी ट्रेन प्लेटफार्म 16 पर आ रही है, इसलिए वे उस ओर दौड़ पड़े जिससे भगदड़ मच गई। पुलिस सूत्र ने बताया कि इसके अलावा, वहां प्रयागराज जाने वाली चार ट्रेन भी पहले से ही मौजूद थीं, जिनमें से तीन देरी से चल रही थीं और इस कारण वहां अप्रत्याशित भीड़ एकत्र हो गई।नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ ने लोगों को झगझोड़ कर रख दिया है। बीती रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की लाखों की भीड़ थी, जो प्रयागराज तक के लिए चलाई जाने वाली स्पेशल ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। लेकिन तभी एक अनाउंसमेंट ने सारा किस्सा ही पलट दिया और स्टेशन परिसर में भगदड़ मच गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा करीब 10 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। चलिए आपको 12 तस्वीरों के जरिए सिलसिलेवार ढंग से भगदड़ की पूरी कहानी बताते हैं।1. ये तस्वीर शनिवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बाहर की है। स्टेशन के बाहर हजारों की तादाद में भीड़ देख सकते हैं, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्टेशन परिसर का क्या हाल हो रहा होगा।2. ये तस्वीर ट्रेन आने से पहले प्लेटफॉर्म पर की है। लोगों की भीड़ का अंदाजा आप इस तस्वीर से लगा सकते हैं। अभी तक भगदड़ नहीं मची थी। लोग दिल्ली से प्रयागराज को जाने वाली स्पेशन ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।3. प्रयागराज को जाने वाली ट्रेन पर चढ़ने के लिए सिर्फ प्लेटफॉर्म पर भीड़ नहीं थी, बल्कि प्लेटफॉर्म के उल्टे साइड पटरियों पर भी सैकड़ों की तादाद में लोग खड़े हो गए थे,

ब्रीफ न्यूज

महाकुंभ में अव्यवस्था के कारण हो रहे सड़क हादसे: अखिलेश यादव

एजेंसी

नई दिल्ली:समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर प्रहार करते हुए महाकुंभ में कुप्रबंधन का आरोप लगाया और वहां की यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुआवजे की मांग की है।

यादव ने ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, ह्नमहाकुंभ के श्रद्धालुओं से भरी बसों व अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें प्रतिदिन बढ़ रही हैं। जो बेहद दुखद है।ह्न सपा प्रमुख ने हादसों की वजह गिनाते हुए कहा, ह्नइसके पीछे मुख्य कारण ये है कि भारी जाम व अव्यवस्था के कारण चालकों की हालत बहुत खराब है। न उनकी थकान उतर रही है न नींद पूरी हो रही है। ऐसे में वो अर्द्ध निद्रा की अवस्था में वाहन चला रहे हैं जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं।यादव ने सुझाव देते हुए कहा, ह्नसाथ ही सड़कों पर पैदल चलनेवालों को बचाने की भी चुनौती है। इसलिए ध्यान भटकते ही मौतें हो रही हैं।

नीतीश कुमार न भगदड़ में मारे गए बिहार के लोगों के परिजन के लिए की अनुग्रह राशि की घोषणा

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात हुई भगदड़ में लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने भगदड़ में मारे गए बिहार के लोगों के परिजन को दो-दो लाख रुपये एवं घायलों को 50 हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ह्यह्य मुख्यमंत्री ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया है। वह इस घटना में बिहार के लोगों की मौत से बहुत दुखी हैं और उन्होंने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।
बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी घटना पर शोक जताया है। चौधरी ने कहा, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई घटना दिल दहला देने वाली है। इस घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस बीच, राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने इस घटना को लेकर केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना की और रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से कहा, ह्यह्य भगदड़ की घटना बहुत परेशान करने वाली है...इसने केंद्र सरकार द्वारा किए गए अपर्याप्त इंतजामों को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद रेल मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए।नीतीश कुमार ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात हुई भगदड़ में लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने भगदड़ में मारे गए बिहार के लोगों के परिजन को दो-दो लाख रुपये एवं घायलों को 50 हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

एजेंसी

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है।
पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है।

एकता में ही विविधता समाहित है, बंगाल में आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: बर्धमान (पश्चिम बंगाल)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि हिंदू समाज का मानना ??है कि एकता में ही विविधता समाहित है।बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता की जरूरत है और अच्छे समय में भी चुनौतियां बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है। समस्याओं की प्रकृति क्या है इसके बजाए यह महत्व रखता है कि हम उनका सामना करने के लिए कितने तैयार हैं।'पश्चिम बंगाल पुलिस ने पहले रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कलकत्ता उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद रैली आयोजित की जा रही है। भागवत ने कहा कि देश का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था। उन्होंने कहा कि भारत एकजुट नहीं है, यह भावना अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी।
बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू समाज में एकता की जरूरत है और अच्छे समय में भी चुनौतियां बनी रहेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें हिंदू समाज को एकजुट और संगठित करने की जरूरत है।'

दिल्ली में लगे भूकंप के जोरदार झटके, घर से बाहर भागे लोग, जानें कितनी रही तीव्रता

एजेंसी

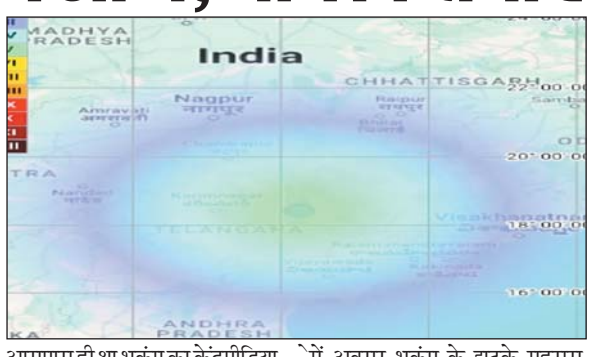

नई दिल्ली: दिल्ली एनसीआर में सुबह-सुबह भूकंप का जोरदार झटका लगा है। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। सुबह के समय जब अधिकांश लोग सो रहे थे, तभी बिल्डिंग जोरों से हिले लगे। लोग आधी नींद में जगे और बाहर की ओर भागे। यह झटके सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर महसूस किए गए हैं। धरती इतनी जोर से हिली की दरवाजे, खिड़की से लेकर बेड तक सब कुछ हिलने लगा। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है। दिल्ली के आसपास ही था भूकंप का केंद्रमीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वैसे तो दिल्ली में अक्सर भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस बार के झटके काफी जोरदार थे। इसका कारण यह भी था कि इस बार भूकंप का केंद्र भी दिल्ली के ही आसपास 5 किलोमीटर गहराई में दर्ज किया गया है। यही कारण है कि पूरी बिल्डिंग हिल गई। धरती कुछ समय तक हिलती रही, जिससे लोगों की नींद खुल गई और दहशत जैसा माहौल हो गया। बताते चलें कि दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र क्ट में आता है, यहां हमेशा मध्यम से तीव्र कैटेगरी के भूकंप आने का खतरा रहता है। अक्सर यहां भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं।

दिल्ली भगदड़ पर गुस्साया विपक्ष, जमकर की मोदी सरकार और रेलवे की आलोचना

एजेंसी

नई दिल्ली:नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मच गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेन के प्लैटफॉर्म में बदलाव की गलत घोषणा से भ्रम की स्थिति पैदा हुई, जिसके कारण भगदड़ मची। अब इस घटना को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर हमला बोला है।राहुल गांधी ने की सरकार और रेलवे की आलोचना विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत पर सरकार और रेलवे की आलोचना की है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कई लोगों की मृत्यु और कईयों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। यह घटना एक बार फिर रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर इंतजाम किए जाने चाहिए थे।

अपना ख्याल रखें, सीखने के नए तरीके तलाशें,

विक्रांत मैसी और भूमि पेडनेकर ने छात्रों को दिया संदेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं बल्कि जीवन में सफल होने के लिए पढ़ाई करें और चुनौतीपूर्ण समय में अपनी ताकत को पहचानें। अभिनेता विक्रांत मैसी और भूमि पेडनेकर ने ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्न कार्यक्रम के दौरान छात्रों को यह संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वार्षिक कार्यक्रम ह्यपरीक्षा पे चर्चाह्न के विशेष सत्र में शामिल होकर दोनों अभिनेताओं ने अपनी स्कूल की यादें साझा कीं और परीक्षा के तनाव, माता-पिता की अपेक्षाओं और आत्मनिर्भरता के महत्व पर चर्चा की।विक्रांत मैसी ने कहा, 'हम सभी अवचेतन मन से कल्पना करना जानते हैं। आप दिन में 10 मिनट निकालकर अपनी भावनाओं और लक्ष्यों को एक डायरी में लिख सकते हैं।'भूमि पेडनेकर ने अपने बचपन का एक कठिन दौर साझा करते हुए कहा कि उन्होंने छोटी उम्र में ही अपनी ताकत को पहचानना सीख लिया था। उन्होंने कहा, 'चुनौतीपूर्ण समय में अपनी क्षमताओं को पहचानें और सीखने के नए तरीके खोजें, जैसे जब भी मुझे कोई सीन दिया जाता है, तो मैं उसे अलग-अलग तरीकों से करने की कोशिश करती हूं।' भूमि ने यह भी बताया कि उन्हें सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेना बहुत पसंद था।भूमि ने कहा, 'मैं बहुत अनुशासित छात्रा थी और आज भी हूं।

रिंग रोड का निर्माण, तरारी के सूर्य मंदिर का विकास; आरा को सीएम नीतीश का 406 करोड़ का मेगा गिफ्ट

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की है कि आरा में रिंग रोड का निर्माण किया जाएगा। इस योजना के तहत दो नई सड़कें बनेंगी और चार सड़कों का चौड़ीकरण किया जाएगा। इसके बन जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री रविवार को भोजपुर में प्रगति यात्रा के दौरान जिले के लिए कई घोषणाएं की। साथ ही उन्होंने भोजपुर को 406 करोड़ 56 लाख की योजनाओं की सौगात दी। इनमें 145 का उद्घाटन और 162 योजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम नीतीश ने आरा-बबुरा-छपरा पथ के चौड़ीकरण का एलान भी किया। साथ ही संदेश से अखगांव होते हुए कोईलवर तक नहर के बांध पर पथ का निर्माण किया जाएगा। इससे संदेश सहार, अगिआंव प्रखंड के साथ-साथ पीरो प्रखंड के पूर्वी भाग का जेपी गंगा पथ से सीधा संपर्क हो जाएगा। आरा निगम क्षेत्र में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के तहत आउटफॉल नाला तथा संप हाउस का निर्माण किया जाएगा। बिहियां-जगदीशपुर-पीरो-सिकरहटा पथ में ओझवलिया पुल से बचरी पुल तक बाईपास का निर्माण किया जाएगा। इससे पीरो के लोगों को जाम से निजात मिलेगी। वहीं, चंदवा से गांगी होते हुए धरहरा तक नहर बांध पर सड़क बनेगी।मुख्यमंत्री रविवार को भोजपुर में प्रगति यात्रा के दौरान जिले के लिए कई घोषणाएं की। साथ ही उन्होंने भोजपुर को 406 करोड़ 56 लाख की योजनाओं की सौगात दी। इनमें 145 का उद्घाटन और 162 योजनाओं का शिलान्यास किया।

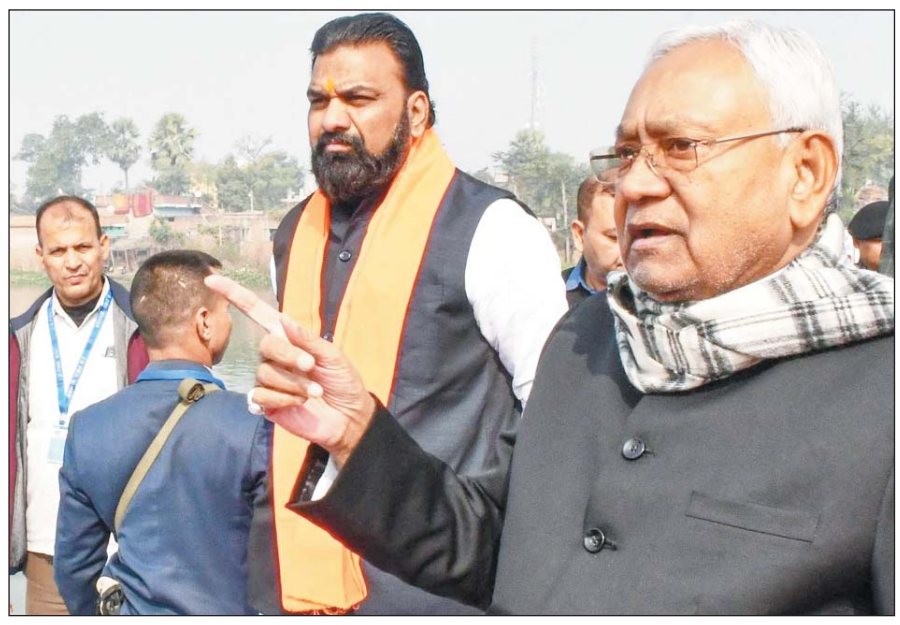

ईकरा पब्लिक स्कूल सूरापुर का मनाया गया 31 ऐनुअल डे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) जिले के मशहूर ईकरा पब्लिक स्कूल सूरापुर का रविवार को 31 वां एनुअल डे बड़े धुमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्नातक एम एल सी अफाक अहमद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। एम एल सी को सेक्रेट्री ई. ऐनुल हक द्वारा अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। वहीं एम एल सी ने मंच पर ऐनुअल परीक्षा में औवल मार्क्स प्राप्त करने वाले स्कूल के दर्जनों छात्र व छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। स्कूल के छोटे बड़े सभी छात्र और छात्राओं ने अपना परफॉरमेंस दिखा कर जलवा बिखेर दिए. उन्होंने डांस, कौवाली, ड्रामा, भाषण, चुटकुले सहित कई कार्यक्रम पेश कर सभी उपस्थित अभिभावकों सहित उसमें अध्ययन करने वाले छात्र व छात्राओं की मन मोह लिए। सभी उनके परफॉरमेंस देखकर झूम उठे। मुख्य अतिथि एम एल सी ने सभी अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों को अधिक से अधिक पढ़ाने के लिए प्रेरित करें ताकि भविष्य में एक अच्छे पदाधिकारी बन कर देश का नाम रौशन करें। वहीं सभी प्रतिभागियों को सेक्रेटरी ई. ऐनुल हक व प्रिंसिपल सगीर आलम सहित अन्य ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर न्यू ईकरा पब्लिक स्कूल हरिहांस के डायरेक्टर नईम साहब ने मंच का संचालन किया।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने काशी विश्वनाथ मंदिर में महादेव के दिव्य दर्शन कर पूजा-अर्चना की

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आज अपने परिवार के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में महादेव के दिव्य दर्शन कर पूजा-अर्चना की और समस्त देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। साथ मे जमुई सांसद अरुण भारती भी मौजूद थे इस आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

भाजपा नेता राम सुमिरन सिंह ने पत्रकारों को किया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शनिवार को काशीपुर स्थित भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राम सुमिरन सिंह ने अपने निवास स्थान पर पत्रकारों को गमछा, बैग आदि देकर सम्मानित किया। इस दौरान सभी पत्रकार भगवा रंग में दिखे गये। पत्रकारों को सम्मानित करने के उपरांत जिले के सैकड़ों पत्रकारों को भोजन भी कराया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राम सुमिरन सिंह के अलावा एमएलसी डॉक्टर तरुण कुमार चौधरी, पूर्व मुखिया राजा सिंह, पत्रकारों में सीनियर पत्रकार शिवचंद्र झा, कृष्ण कुमार संजय, दिलीप कुमार कुंदन, यशवंत कुमार, चुन्नू कुमार, एम नईमुद्दीन आजाद, राज कुमार राय, रमेश शंकर राय, मो चांद बाबू, पलटन सहनी, कुमार रितेश, नितेश कुमार, मो जमशेद, दीपक कुमार, चंदन कुमार, अफरोज आलम, मनीष निराला, राम बालक आदि मौजूद थे।

भारतीय जन जागरण पार्टी यूनाइटेड ने चलाया सदस्यता अभियान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड क्षेत्र के नवादा पंचायत के विभिन्न गांवों में भारतीय जन जागरण पार्टी यूनाइटेड ने सदस्यता अभियान चलाया। सदस्यता अभियान में राष्ट्रीय अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह ने विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान सेवानिवृत्त जज व पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शत्रुघ्न शर्मा, राष्ट्रीय सचिव सत्येंद्र द्ववेदी, गुड्डू कुमार, जिला अध्यक्ष मुरारी शरण मिश्रा मौजूद रहें। जिला अध्यक्ष मुरारी शरण मिश्रा ने कहा कि भारतीय जन जागरण पार्टी यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण अभियान में सदस्यता अभियान चलाने और बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने के साथ पार्टी विधानसभा चुनाव के लिए भी तैयारी कर रही है ।लोग मिस कॉल के माध्यम से भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील भी किया कि आप लोग की सदस्यता ग्रहण करने के लिए कॉल कर के भी भारतीय जन जागरण पार्टी यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

विधायक ने रखा सामुदायिक भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र भवन का आधारशिला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत वारिसनगर प्रखंड के लखनपट्टी पंचायत के मटुआ गांव में सामुदायिक भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र भवन का आधारशिला स्थानीय विधायक अशोक कुमार मुन्ना के कर कमलों से रखा गया। मौके पर विधायक ने कहा की हमारी सरकार पंचायती राज व्यवस्था में अभूतपूर्व कार्य कर रही है। पंचायतों के विकास के लिए सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि अभी यहां पर जो भवन का निर्माण हो रहा है उससे ग्रामीण लोगों एवं केन्द्र में पढ़ने वाले बच्चों को सभी सुविधाएं मिलेंगी। विधानसभा क्षेत्र में जहां भी कोई काम लंबित है उसे जल्द से जल्द पुरा करने के लिए पदाधिकारियों को निर्देशित किया। मौके पर स्थानीय मुखिया नूतन सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष ठाकुर राजीव सिंह, मुखिया पति सोना सिंह, वशिष्ठ महतो, डॉ नन्द किशोर सिंह, गिरीश महतो, सुरज महतो, विनोद महतो, रामविलास राम, रविन्द्र महतो, अशोक कुमार सिंह, अब्दुस समद खान, रौशन कुमार, मनोज महतो, प्रभात कुमार पंकज, विवेक सिंह, सुरज यादव, मो तौहीद अंसारी उर्फ नन्हें, तहसीन समीम, शंभू चौधरी, भोला महतो , सुबोध कुमार सिंह, थाना प्रभारी निरंजन कुमार, इंजिनियर अजीत कुमार दिवाकर, मनरेगा पी ओ रणधीर कुमार एवं अन्य पदाधिकारी सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

बिहार प्रभारी बनने के बाद कृष्णा अल्लवारु 20 फरवरी को तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे बिहार

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

- बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लवारुतीन दिवसीय बिहार दौरे पर 20 को पहुंचेंगे पटना

पटना. रविवार,प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के रूप में नियुक्ति के बाद कृष्णा अल्लवारू पहली बार 20 फरवरी को बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचेंगे।

इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि 20 फरवरी को प्रदेश कांग्रेस प्रभारी बनने के बाद कृष्णा अल्लवारू पहली बार बिहार आयेंगे। वें तीन दिनों तक बिहार में प्रवास करेंगे। इस दौरान वें बिहार में प्रस्तावित विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे। कृष्णा अल्लवारू के प्रदेश प्रभारी बनने के बाद यह उनकी पहली बिहार यात्रा है इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तरीके से उत्साहित हैं और प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में उनके भव्य स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। उनके आगमन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगी। तीन दिनों के अपने प्रवास में वें पार्टी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में समस्तीपुर जिले के एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, रेल प्रशासन द्वारा सुरक्षा में हुई चूक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में समस्तीपुर जिले के एक ही परिवार के तीन लोगों की जान चली गयी। जिसमें पति - पत्नी व 15 वर्षीय नतनी शामिल है। मृतकों की पहचान ताजपुर कोठिया वार्ड संख्या 7 निवासी विजय साह 45 वर्ष, विजय साह की पत्नी कृष्णा देवी 40 वर्ष, व उनकी नतनी 15 वर्षीय सुरूची कुमारी के रूप में की गई है। यह लोग महाकुंभ में स्नान के लिए गये थे। इधर घटना की जानकारी आम होते ही समस्तीपुर जिले के ताजपुर प्रखंड के कोठिया गांव में मातम छा गया। घटना के बाद मृतको के घर पर परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल बना हुआ है। इधर स्थानीय विधायक रणविजय साहू भी मृतक के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। इस घटना को लेकर रेलवे प्रशासन की ओर से इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए गये हैं। इस हादसे को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रेल भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के बाद यह बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में रेल मंत्री को पूरी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस हादसे में बिहार के 9 लोगों की जान चली गई। अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की हुई मृत्यु पर मृतकों के आश्रितों को दो लाख रुपये अनुग्रह अनुदान एवं घायलों को 50 हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की है। भगदड़ को लेकर बिहार में राजनीति शुरू। इस भगदड़ को लेकर अब बिहार में राजनीति शुरू हो गई है, पूर्व रेल मंत्री लालू यादव सहित विपक्ष के नेता जहां इस भगदड़ के लिए सरकार को जिम्मेदार बता रहे हैं, वहीं सत्ता पक्ष इस घटना को लेकर दुःख प्रकट कर रहा है। पूर्व रेल मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने मची भगदड़ को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह हादसा रेलवे की बद इंतजामी की वजह से हुआ है। यह घटना बहुत दुःखद है। इसकी जिम्मेदारी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लेनी चाहिए और उन्हें अपने पद इस्तीफा देना चाहिए। तेजस्वी ने इस घटना पर दुःख जताते हुए रेलवे स्टेशन पर की गई व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठाए हैं।

मशरक में जिला परिषद की जमीनों पर बनेगा भव्य मार्केट काम्प्लेक्स

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक में जिला परिषद की जमीन पर भव्य मार्केट काम्प्लेक्स और मॉल बनाया जाएंगा साथ ही मशरक में अस्पताल चौंक और स्टेशन रोड में जिला परिषद की जमीन पर मार्केट बनाया जाएगा जिसका टेंडर प्रक्रिया शुरू किया गया है वहीं डाक-बंगला की जमीन पर आधुनिक तरीके का भव्य मॉल बनाया जाएगा। इसकी जानकारी जिला परिषद अभियंता दता ने अस्पताल परिसर के सामने जिला परिषद की जमीन पर हो रहें बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और कार्य को गुणवत्तापूर्ण करने का आदेश दिया। मौके पर उन्होंने कहा कि उन्होंने बताया कि जिला परिषद की जमीनों का भी मापी करा अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। वहीं मशरक के स्टेशन रोड में सड़क के दोनों तरफ से भी अतिक्रमण हटाया जाएगा। स्टेशन रोड में भी दुकानें बनानें के लिए टेंडर की प्रकिया फाइनल हो चुकी है। वहीं दुकानों के पीछे नाला का टेंडर किया जा चुका है जिस पर जल्द ही कार्य शुभारंभ होगा और नाला निर्माण होते उस जमीन पर सड़क निर्माण भी कराया जाएगा।

थूककांड के आरोपी ताजपुर बीडीओ पर कारवाई की मांग को लेकर भाकपा माले ने निकाला विरोध मार्च

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाकपा माले ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर समझौतानुसार आरोपी बीडीओ पर कारवाई की मांग की
- बीडीओ को बचाने की कोशिश बंद हो अन्यथा सड़क से सदन तक होगा आंदोलन -सुरेंद्र प्रसाद सिंह

अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने घटना का हवाला देते हुए कहा है कि 17 जनवरी को अपने दादाजी का पारिवारिक सहायता राशि के बारे में प्रखंड कार्यालय से पूछताछ कर निकलते वक्त गला में खरास आने पर प्रखंड परिसर में थूक दिया था। सीसीटीवी में देखकर बीडीओ ने बंगरा निवासी नाबालिग चितरंजन कुशवाहा को को झारू दिलवाकर पहले थूक साफ करवाया फिर पानी दिलवाकर थूक को पानी से धुलवाया

ताजपुर/समस्तीपुर ताजपुर थूककांड के आरोपी बीडीओ गौरव कुमार पर कारवाई की मांग को लेकर भाकपा माले रविवार को जनता मैदान से जुलूस निकालकर बाजार क्षेत्र का नारे लगाकर भ्रमण करने के पश्चात फलमंडी पहुंचकर मार्च सभा में तब्दील हो गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने घटना का हवाला देते हुए कहा है कि 17 जनवरी को अपने दादाजी का पारिवारिक सहायता राशि के बारे में प्रखंड कार्यालय से पूछताछ कर निकलते वक्त गला में खरास आने पर प्रखंड परिसर में थूक दिया था। सीसीटीवी में देखकर बीडीओ ने बंगरा निवासी नाबालिग चितरंजन कुशवाहा को को झारू दिलवाकर पहले थूक साफ करवाया फिर पानी दिलवाकर थूक को पानी से धुलवाया। फिर बीडीओ कक्ष में चल रहा खाद अनुश्रवण समिति की बैठक में सार्वजनिक रूप से जेल भेजने की धमकी देकर माफी मंगवाया। इस दौरान प्रखंड प्रमुख, कांग्रेस, भाकपा माले के नेताओं ने लड़के को छोड़ देने को बीडीओ से कहते रहे लेकिन बीडीओ ने सबकी बातों को अनसुनी कर पीड़ित नाबालिग को पुलिस के हवाले कर दिया। थाना पर लड़के का परिजन एवं जनप्रतिनिधियों के पहुंचने पर थानाध्यक्ष शनि कुमार मौसम ने पीआर बांड पर लड़के को छोड़ दिया।

मानवता को शर्मशार करने वाली इस घटना के खिलाफ भाकपा माले द्वारा जारी आंदोलन के दौरान जिलाधिकारी रौशन कुशवाहा के निर्देश पर अनुमंडलाधिकारी दीलीप कुमार एवं माले नेताओं के बीच 30 जनवरी तक घटना की जांच-कारवाई करने का लिखित आश्वासन देकर आंदोलन को समाप्त कराया गया था लेकिन समय सीमा बीत जाने के बाद भी कोई कारवाई नहीं होने से प्रशासनिक विश्वासनियता पर सवाल खड़ा हो रहा है।

माले नेता ने जिलाधिकारी से मांग किया है कि भारत रत्न जननायक स्व० कपूर्री ठाकुर की धरती को शर्मशार करने वाली घटना थूककांड के आरोपी बीडीओ पर कारवाई कर जनांकांक्षा एवं प्रशासनिक विश्वसनीयता को कायम करें अन्यथा सड़क से सदन तक भाकपा माले संघर्ष करेगी।

मौके पर ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, प्रभात रंजन गुप्ता, मो० क्यूम, राजदेव प्रसाद सिंह, कमलदेव प्रसाद सिंह, बिरजू कुमार, मो० जमाल, मो० आसिफ समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ अमित कुमार मुन्ना के चाचा का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जनता दल यूनाइटेड के जिला महासचिव डॉ अमित कुमार मुन्ना के चाचा वरिष्ठ समाजसेवी तेज नारायण साह का अकास्मिक निधन 75 वर्ष के उम्र में शनिवार को अपराहन लगभग 1 बजे उनके बंगाली टोला नगर निगम समस्तीपुर वार्ड संख्या 25 स्थित उनके आवास पर हो गया है। जिला अध्यक्ष सह बीस सुत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने कहा कि उनके निधन से पूरा जिला जदयू परिवार शोकाकुल है और दुःख की इस घड़ी में मृत आत्मा की शांति के लिए तथा परिवार के सदस्यों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना करते हैं। शोक व्यक्त करने वालो में बिहार सरकार के वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री महेश्वर हजारी, पूर्व सांसद श्रीमती अश्वमेघ देवी, वारिसनगर विधायक अशोक कुमार मुन्ना, पुर्व विधायक राजकुमार राय, विद्यासागर सिंह निषाद, पूर्व उप प्रमुख शिव शंकर महतो, जिला सचिव संतोष कुमार साह, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, अब्दुस समद खां, आलोक कुमार सिंह आदि का नाम शामिल है।

कार की ठोकर से ठेला चालक की मौत, एक घंटे तक सड़क जाम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत चकमहेसी थाना क्षेत्र के राजकीय उतक्रमित विद्यालय सोरमार के समीप शनिवार की देर शाम एक वाहन की ठोकर से ठेला पर रखकर नाश्ते की सामान बेचने वाले की मौत हो गई। मृतक की पहचान सोरमार गांव के 35 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार साह के रूप में हुई है। इधर आक्रोशित लोगों ने श्रीनाथ पारण के अवधेश चौधरी के घर पर जाकर तोड़फोड़ करते हुए श्री चौधरी के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।परिजनों के सहयोग से गंभीर जख्मी को सामुदायिक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल रेफर किया। वही घटनास्थल से पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेजा। पुलिस ने रविवार की सवेरे शव को परिजनों को सौंपा।शव देखते ही आसपास के लोग काफी आक्रोशित हो गये। परणा चौक पर लगभग एक घंटे तक सड़क जाम करते हुए मृतक के परिजन को मुआवजा, तथा ठोकर मारने वाली वाहन के चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। स्थानीय लोगों और पुलिस के समझाने बुझाने के बाद जाम समाप्त हुआ। वहीं दूसरी ओर मृतक के पिता सोरमार गांव निवासी रामविलास साह ने थाने में आवेदन देकर श्रीनाथ पारण गांव के माधव कुमार को आरोपित किया है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि दिए गये आवेदन के आलोक में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

सीएम नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में एनडीए ने दिखाई ताकत, वक्ताओं ने कहा '2025 से 2030, फिर से नीतीश'

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- कार्यकताओं की ताकत एनडीए का असली बल : राजेश वर्मा
- बिहार के लोगों ने तय कर लिया है कि राजद का शासनकाल कभी नहीं चाहिए : राजेश वर्मा
- 243 सीटों पर जीत के लक्ष्य को भेदने के लिए कार्यकर्ता पूरी तरह तैयार हैं : सिद्धार्थ शंभु
- प्राचीन काल से नालंदा की धरती आध्यात्मिक, ज्ञान और धरोहर की धरती के रूप में विख्यात रही : सिद्धार्थ शंभु
- भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु का विश्वास, 'बिहार की जनता फिर 'सुशासन' को चुनेगी'
- आज बिहार को बेटियां ऊंचे ओहदों पर बजा रही कामयाबी का डंका : उमेश सिंह कुशवाहा
- नीतीश ने बिहार को दिखाया विकास का रास्ता : राजू तिवारी
- एनडीए सरकार में युवाओं को मिल रही नौकरी व रोजगार : अनिल सिंह
- नीतीश सरकार ने नालंदा के इतिहास को पुनर्जीवित किया : मदन चौधरी

पटना, 16 फरवरी। एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का कारवां आज चौथे चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिला नालंदा पहुंचा। नालंदा के इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे और एनडीए ने अपनी ताकत का एहसास कराया। इस मौके पर कई घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने कार्यकताओं को एकजुटता का पाठ पढ़ाते हुए प्रदेश की 243 सीटों में से 225 सीटों पर जीत दर्ज कराने का संकल्प दिलाया। इस दौरान हजारों की संख्या में उपस्थित कार्यकताओं को सभी वक्ताओं ने '2025 से 2030, फिर से नीतीश' का उद्घोष किया।

इस एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के महामंत्री राजेश वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु के अलावा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया और सभी ने कार्यकताओं को एकजुटता का पाठ पढ़ाते हुए प्रदेश की 243 सीटों में से 225 सीटों पर जीत दर्ज कराने का संकल्प दिलाया। इस दौरान हजारों की संख्या में उपस्थित कार्यकताओं को सभी वक्ताओं ने कहा कि कार्यकताओं की ताकत ही एनडीए का असली बल है। उन्होंने लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि हमारी एकजुटता बूथस्तर तक बनी रही तो दूसरा ऐसा कोई कारण नहीं कि फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ फिर से एनडीए की सरकार नहीं बने। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विपक्ष अब हतोत्साहित हो चुका है। उन्होंने कहा कि एनडीए का लक्ष्य प्रदेश और देश को विकसित बनाना है।उन्होंने कहा कि जिस तरह एनडीए को समर्थन मिल रहा है उससे स्पष्ट है कि बिहार के लोगों ने तय कर लिया है कि यहां के लोगों को अब राजद का शासनकाल नहीं चाहिए। अब लोग कभी भी उस जंगलराज को नहीं चाहते। आज यहां के लोग लालटेन को भूलकर बिजली का आनंद ले रहे हैं।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु ने कहा कि हम देश की एकता और संस्कृति के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्यकर्ता जिस तरह से उत्साहित और मानसिक तौर पर दृढ़ दिखाई दे रहे हैं, उससे साफ है कि 243 सीटों पर जीत के लक्ष्य को भेदने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु ने कहा कि कल तक हम विकास के नाम पर अपनी संस्कृति और विरासत को भूल रहे थे लेकिन आज हम न केवल अपनी विरासत को संजो रहे हैं बल्कि विकास की दिशा में आगे भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने नालंदा की धरती को नमन करते हुए कहा कि प्राचीन काल से नालंदा की धरती आध्यात्मिक, ज्ञान और धरोहर की धरती के रूप में विख्यात रही है। सबसे बड़ी बात है कि यह धरती कई धर्मों के लिए तीर्थस्थल है। यहां एनडीए सरकार में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है, जिससे स्थानीय लोगों को भी रोजगार मिल रहा है।उन्होंने राजद अध्यक्ष लालू यादव के बिना नाम लिए हुए उनके परिवारवाद को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की बात कर कुछ लोग सत्ता में जरूर आते रहे लेकिन वे आज तक अपने परिवार से बाहर नहीं निकल पाए। अब स्थिति यह है कि वे खुद तो पार्टी में कोई निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं फिर भी बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए बेचैन हैं।उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने कई बार विकास और सुशासन को चुना है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 2025 में एक बार फिर यहां के लोग सुशासन पर मुहर लगाएंगे।सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार के अंदर हुए विकास की चर्चा आज देश में हो रही है।

मो बरकतुल्लाह ने महज 10 घंटे में कलाम पाक का तिसों पारह पढ़कर सुनाया

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो आसिफ अली

ताजपुर (समस्तीपुर)। रविवार को मदरसा इस्लामियाँ शाहपुर बघौनी में महफिले कुरआन का आयोजन किया गया। जिसमें 13 साल के उम्र में मोहम्मद बरकतुल्लाह पिता मो जहांगीर ने पूरे 30 पारह का कुरआन 10 घंटों में सुनाया जो की बहुत बड़ी कामयाबी है। मोहम्मद बरकतुल्लाह की इस कामयाबी पर ताजपुर हल्का में खूब चर्चा हो रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज कैसर ने किया। कार्यक्रम में कारी मोहम्मद अमजद, मौलाना कौसर, मौलाना तौसीफ अहमद कासमी, मौलाना कारी अनवार, मास्टर फसी अहमद, मोहम्मद एजाज, सोहेल अहमद, मुफ्ती मोहम्मद असलम, मोहम्मद फैयाज, एहसान उस्मानी, आकिब जावेद, सोहेब सदरी, हिफजूर रहमान, डॉक्टर कलीम उर्फ मोने, मास्टर मसरूर आलम, मास्टर बेलाल अख्तर आदि मौजूद थे

झोपडी में आग लगने से लाखों का संपत्ति जल कर राख

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज 16 फरवरी रविवार। महाराजगंज थाना क्षेत्र के सुरबीर गांव में एक व्यक्ति के झोपडी में आग लग गई। इस हादसे में झोपडी में रखे लाखों का सामान जल कर राख हो गया। वही पीड़ित रौशन तारा ने बताया की जैसे ही मुझे झोपडी में आग लगने का पता चला तो फौरन महाराजगंज अग्नि समन दमकल विभाग को सूचना दी गई जो दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंच कर और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया। वही झोपडी में रखे लकड़ी, कपड़ा गहना, पैसा और अन्य सामान जल कर राख हो गया। वही संयोग अच्छा था जो किसी जन हानि नहीं हुआ क्यों कि आग की जानकारी होते ही सभी लोग झोपडी से बाहर निकल चुके थे। वही स्थानीय लोगों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

हुसैनगंज प्रखंड के संकुल संसाधन केंद्रों पर हुआ टीएलएम मेला का आयोजन

मेला में पुरस्कार वितरण करते हुए, तथा पुरस्कार प्राप्त करते हुए शिक्षक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान)हुसैनगंज प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इंटर कॉलेज बड़रम के प्रांगण में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में टीएलएम मेला का आयोजन किया गया. इस मेला के संचालक बड़रम उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक बशिष्ट कुमार सिंह तथा समन्वयक उमवि के प्रधानाध्यापक मो हस्मुद्दीन थे. इस मेला में कुल चार स्कूलों के शिक्षकों ने भाग लिया. इस अवसर पर उमवि महुअल बाजार के ? प्रधानाध्यापक बसीर अहमद खान ने बताया कि शिक्षा विभाग के निदेशानुसार संकुल संसाधन केन्द्र बड़रम के अन्तर्गत आने वाले चार स्कूलों के शिक्षकों ने अपने अपने स्कूल से टीएलएम बना कर मेला में प्रदर्शित किये थे. वहाँ पर शिक्षकों की एक चयन कमिटी बनाई गई थी जो मेला में लगे स्टॉल पर सजाये गये व बेहतर ढंग से बनाये गए टीएलएम को चयनित किये. चयनित होने वालों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले उमवि महुअल बाजार की शिक्षिका सुषमा कुमारी, द्वितीय स्थान उमवि कुतुब छपरा के विज्ञान शिक्षक अभिनंदन कुमार व तृतीय स्थान उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इंटर कॉलेज बड़रम के शिक्षक राकेश कुमार श्रीवास्तव को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. समन्वयक मो हस्मुद्दीन ने बताया कि टीएलएम मेला में एक चयन कमिटी का गठन किया गया था जिसमें मुख्य रूप से बशिष्ट कुमार सिंह, मो हस्मुद्दीन, बसीर अहमद खान,शत्रुघ्न जी, कंचन कुमारी, मीरा कुमारी सहित अन्य शिक्षकगण थे.

लालू यादव के रेल मंत्री रहते रेल दुर्घटनाओं में 1159 लोगों की मौत हुई थी, लालू यादव ने कितनी बार इस्तीफा दिया? - मनोज शर्मा

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 16 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के रेलवे पर दिए गए बयान पर उनको घेरा है। कहा कि लालू यादव जब रेल मंत्री थे तो उनके कार्यकाल में 1034 रेल दुर्घटनाएं हुई थी। लालू यादव जी ने कितनी बार इस्तीफा दिया था? उनके रेलवे मंत्री रहते हुए रेल हादसों में 1159 लोगों की जान गई थी, उन्होंने कितनी बार इस्तीफा दिया था? लालू यादव जब रेलमंत्री थे 550 बार रेल डिरेल हुई थी लालू जी कितनी बार इस्तीफा दिये थे? 51 तो बड़ी रेल दुर्घटना हुई थी तब लालू जी ने इस्तीफा तो नही दिया था? लालू यादव को तब रेलवे का मिसमैनेजमेंट नही दिख रहा था? उनके कार्यकाल में जब दुर्घटनाएं होती थी तो घायलों के इलाज की व्यवस्था भी नही होती थी। लोगों के लिए सुविधा नही होती थी? उनको अपना मीठा-मीठा लगता है, दूसरे का तीखा-तीखा लगता है। बीजेपी प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि लालू जी यादाश्त कमजोर है तो उन्हें याद दिला दें कि 2004 में लालू यादव रेल मंत्री बने ही थे कि 16 जून 2004 को महाराष्ट्र के अंबावाड़ी में एक पुल के पास एक चट्टान से टकराने के बाद मत्स्यगंधा एक्सप्रेस के पटरी से उतर जाने से चौदह लोगों की मौत हो गई थी। 14 दिसंबर 2004 को पंजाब के होशियारपुर के पास सिग्नलिंग समस्याओं के कारण अहमदाबाद-जम्मू तवी एक्सप्रेस की एक स्थानीय यात्री ट्रेन से टक्कर होने से 37 लोग मारे गए और 50 से अधिक घायल हुए थे। 28 जुलाई 2005 को उत्तर प्रदेश में जौनपुर के पास श्रमजीवी एक्सप्रेस पर हुए बम विस्फोट में 13 लोग मारे गए थे।श्री शर्मा ने कहा कि 3 अक्टूबर 2005 को मध्य प्रदेश में दतिया के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस के एक तीखे मोड़ पर पटरी से उतर जाने से 16 लोगों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे।29 अक्टूबर 2005 को आंध्र प्रदेश में वलिगोंडा के पास डेल्टा फास्ट पैसेंजर ट्रेन के पटरी से उतर जाने से 114 लोग मारे गए और 200 से अधिक घायल हुए थे। 11 जुलाई 2006 मुंबई में कम्यूटर ट्रेनों पर आतंकवादियों द्वारा बम हमलों से बाद 209 से अधिक लोग मारे गए और 700 से अधिक घायल हुए थे। 20 नवंबर 2006 को पश्चिम बंगाल में बेलाकोबा के पास एक यात्री ट्रेन में बम विस्फोट के बाद सात लोग मारे गए और 53 घायल हो गए थे। 1 दिसंबर 2006 को बिहार में एक पुराने पुल के ध्वस्त होने के कारण हावड़ा-जमालपुर एक्सप्रेस ट्रेन पर गिरने से 35 लोगों की मौत हो गई और 17 से अधिक घायल हो गए थे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 18 फरवरी 2007 को समझौता एक्सप्रेस बम विस्फोट में 68 लोग मारे गए थे। 1 अगस्त 2008 को आंध्र प्रदेश में केसमुद्रम रेलवे स्टेशन पार करते समय गौतमी एक्सप्रेस में आग लगने से लगभग 40 लोग मारे गए थे। 13 फरवरी 2009 को उड़ीसा के जाजपुर रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस की कई बोगियों में आग लगने से 15 लोगों की मौत हो गई थी। लालू यादव के 2004 से 2009 तक के कार्यकाल में रेल दुर्घटनाओं में 1159 लोगों की मौत हुई थी।

चंदन सहनी ने विधायक रण विजय साहू को किया दीवाल घड़ी देकर सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। पूर्व जिला अध्यक्ष सह राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव चंदन सहनी ने मोरवा के विधायक सह राजद के प्रधान महासचिव रण विजय साहू को दीवाल घड़ी देकर सम्मानित किया। सम्मानित करने के बाद चंदन सहनी ने कहा कि 2025 में बिहार में महागठबंधन की सरकार बनना तय है। तेजस्वी यादव की सरकार बनते ही बिहार में माई बहिन मान योजना 2500 प्रति माह मिलेगा, वही सभी बिहार वासियों को प्रति माह बिजली 200 यूनिट फ्री दी जाएगी। इतना ही नहीं वृद्धा पेंशन योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को 400 से बढ़ाकर 1500 किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव का कहना है कि लाखों युवाओं को नौकरियां दी जाएगी और पलायन रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव का कोई असर बिहार में पड़ने वाला नहीं है। मौके पर जितेंद्र सहनी, सुजीत पासवान, रितेश चौधरी, अरविंद कुमार महतो, रघुनाथ, विकास कुमार पाठक, राजू झा आदि मौजूद थे।

मैट्रिक परीक्षा की तैयारी पूरी शांतीपूर्ण विधि व्यवस्था में होगा परीक्षा का संचालन: एसडीपीओ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज अनुमंडल 16 फरवरी रविवार। महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में मैट्रिक की परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई है। वही महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में संचालित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा की विधि व्यवस्था की कमान स्थानीय अनुमंडल पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार रंजन कर रहे है। जिनके द्वारा प्रत्येक परीक्षा केंद्र में एक एसआई के साथ अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। वही महाराजगंज अनुमंडल पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार रंजन ने बताया की अगर किसी भी परीक्षा केंद्र से विधि व्यवस्था खराब की शिकायत मिलती है तो संबंधित परीक्षा केंद्र पर तैनात पुलिस बल पर करवाई की जाएगी। और महाराजगंज शहर के सभी प्रवेश वाले रास्ते पर पुलिस बल के द्वारा चेक पोस्ट के अनुमति पर ही शहर में बड़े चारपहिये वाहन की अनुमति के बाद ही शहर में इंट्री कराया जाएगा।

महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में संचालित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा की विधि व्यवस्था की कमान स्थानीय अनुमंडल पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार रंजन कर रहे है।

छपरा में धूमधाम से मनाई गई संत शिरोमणि नरहरि जी महाराज की जयंती

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा। शहर के कटहरी बाग स्थित नूतन निकेतन कौशल्या कॉलोनी में सराफा स्वर्णकार संघ, छपरा के तत्वावधान में संत शिरोमणि नरहरि जी महाराज की जयंती रविवार को श्रद्धा व उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पटना से आए स्वर्णकार संघ के वरीय प्रतिनिधि सतीश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त रूप से सतीश प्रसाद गुप्ता, अनिरुद्ध प्रसाद गुप्ता, परशुराम प्रसाद, मोहन प्रसाद साह, रंगकर्मी महेश स्वर्णकार, शिवनाथ प्रसाद आर्य, जयप्रकाश गुप्ता, कृष्ण मोहन प्रसाद, सीए अमित कुमार, कृष्ण कुमार वैष्णवी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं अभिनेत्री सुश्री वैष्णवी ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षा व समाज सुधार पर जोर:अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अनिरुद्ध प्रसाद ने स्वर्णकार समाज की युवा पीढ़ी के उत्थान के लिए शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि स्वर्णकार समाज को रूढ़िवादी विचारों से ऊपर उठकर सामाजिक सुधार के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।संत शिरोमणि नरहरि शिक्षा, कला एवं सांस्कृतिक चेतना मंच के संस्थापक कृष्ण मोहन प्रसाद ने ह्यस्वर्णिम विहान' जैसी एक शैक्षिक योजना के माध्यम से स्वर्णकार समाज के बच्चों को शिक्षित करने की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की।कार्यक्रम के आयोजक कृष्ण कुमार वैष्णवी ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।समाज के कई गणमान्य हुए शामिलःइस जयंती समारोह में अमित कुमार गुप्ता, सुरेश प्रसाद वर्मा, विजय कुमार, शिवनाथ प्रसाद आर्य, डॉ. राजन कुमार, धर्मनाथ पिंटू, आजाद भारती, नवीन कुमार, मुकेश कुमार, आनंद बाबूलाल बबली, दीपक स्वर्ण, अमित गोल्ड, आनंद वर्मा, के के सिंह सेंगर, वेद प्रकाश, डॉ. विश्वजीत, किशोर कुमार, वीरेंद्र साह मुखिया, संतोष कुमार, शिवानंद प्रसाद, राजेश कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।सभी ने संत शिरोमणि नरहरि दास जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में चकमहेसी पंचायत के आवास सहायक सह सर्वेयर की सेवा समाप्त, आवास सहायको के छूटने लगे पसीने

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के चकमहेसी पंचायत के आवास सहायक सह सर्वेयर को उप विकास आयुक्त संदीप शेखर प्रियदर्शी के द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सेवा समाप्त कर दी गई है। उक्त आशय की जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने देते हुए बताया कि आवास सहायक प्रमोद प्रताप यादव अपने कर्तव्य में काफी उदासीनता बरत रहे थे। पदाधिकारी के द्वारा पंचायत में जांच के क्रम में काफी शिकायत मिली थी। उप विकास आयुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी के शिकायत पत्र के आलोक में सख्त कदम उठाते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। पदाधिकारी के द्वारा कारण पृच्छा पूछे जाने पर भी लापरवाही बरती गई। आवास सहायक के जवाब में बताया गया कि आवास के लाभार्थियों के नाम जोड़े ही न जाएंगे। इन्हीं आरोपों को लेकर उनकी सेवा उप विकास आयुक्त ने समाप्त कर दी। इसको लेकर पूरे प्रखंड क्षेत्र के आवास सहायकों में हड़कंप मचा हुआ था।

मधुबनी जिला अतिथि गृह,परिषदन के सभागार में जनता दल यू0 किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ की विस्तारित बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला अतिथि गृह (परिषदन)के सभागार में जनता दल यू0 किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ की विस्तारित बैठक प्रकोष्ठके जिला अध्यक्ष विश्वजीत कुमार सिंह "मुन्ना" के अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम नवगठित कमिटी के साथियों के बीच मनोनयन पत्र का वितरण एवं सम्मान समारोह किसान एवं सहकारिता के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय मनोज कुमार एवं प्रदेश से आए हुए आगंतुक अतिथियों के हाथों वितरण किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि बिहार में किसानों के हित में जितना कार्य माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में हुआ उतना आजादी के बाद कभी नहीं हुआ। साथियों मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2005 में जब नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री बने उससे पहले सरकार के स्तर पर कोई भी विकासात्मक कार्य पैमाने पर नहीं किया गया था। बिहार में प्रथम बार मुख्यमंत्री जी ने कृषि रोड मैप का निर्माण करवाया जिसका उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के द्वारा करवाया गया।बिहार में सभी जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड में कृषि भवन का निर्माण करवा कर किसान के हित में कृषि कार्यालय स्थापित करवाएं। बिहार में कृषि मित्रों को बहाल कर किसानों को प्रशिक्षित करवाया गया। खेती करने के लिए उनके सहयोग के लिए कृषि को आधुनिकीकरण करवाया गया। किसान के हित के लिए यंत्रीकरण की सुविधा एवं अनुदान दिया गया। किसान के अन्य भंडारण के लिए गोदाम का निर्माण करवाया गया। खेत के सिंचाई के लिए नलकूप की व्यवस्था, पश्चिमी कोसी नहर का सुदृढ़ीकरण, हर खेत तक बिजली की सुविधा देकर मोटर युक्त नलकूपों का निर्माण करवाया गया। इन सभी कार्यों से बिहार के किसान सुख एवं समृद्धि की तरफ आगे बढ़े।फसल के उत्पादन क्षमता में वृद्धि किया गया। इसलिए मैं सभी साथियों एवं किसानों से अपील करता हूं कि आने वाले 2025 के चुनाव में माननीय मुख्यमंत्री जी को वोट देकर उनके हाथों को मजबूत करेंगे ताकि बिहार विकास की ओर और आगे बढ़ सके।

इस अवसर पर किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विश्वजीत कुमार सिंह "मुन्ना" ने कहा कि आज बिहार में सभी पंचायत में पैक्स के माध्यम से उच्च मूल्य पर सरकार के द्वारा किसानों का धान एवं गेहूं अधिप्राप्ति कर, दलहन की अधिप्राप्ति कर उनका आर्थिक संवर्धन किया जा रहा है संवर्धन किया जा रहा है। फैक्स के माध्यम से पंचायत में कृषि यंत्रीकरण, बैंक की स्थापना किया जा रहा है जिसमें खेती से संबंधित आधुनिक से आधुनिक मशीन करोड़ों रुपए के लागत से खरीद की जा रही है जिससे किसान भाई लाभान्वित हो रहे हैं। किसान को सरकारी दर पर सभी तरह के यंत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। मैं अपने प्रदेश अध्यक्ष को वचन देता हूं कि मैं किसान भी हूं एवं सहकारिता जगत से जुड़ा हुआ हूं। मैं अपने पूरे जिला में सरकार के द्वारा किसानों के हित में चलाए जा रहे योजना से किसानों को अवगत कराऊंगा एवं उनके बीच सदैव उपलब्ध रहूंगा। साथ ही मैं पूरे जिला में जनता दल यू किसान एवं सहकारिता का सशक्त संगठन बनाऊंगा और आने वाले दिनों में किसान का एक विशाल सम्मेलन मधुबनी जिला में कराऊंगा जिसमें माननीय मुख्यमंत्री जी को भी आमंत्रित करने का काम करूंगा। इस बैठक में उपस्थित अपने सभी साथियों एवं पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का अभिनंदन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। मौके पर कर्मवीर आजाद, कार्यालय प्रभारी सुनील कुमार, ओमप्रकाश सिंह, उमर फारूक, संगीता ठाकुर, सईदा बानो, केदारनाथ भंडारी, सत्यनारायण यादव, सत्येंद्र सिंह, शत्रुघ्न रावत,विक्रमशिला देवी, गुलाब शाह, अविनाश सिंह, सनी सिंह, दलजीत सिंह, महेश्वर सिंह, राजू कुमार पाल, दिलीप चौधरी, धर्मेंद्र कुमार मंडल, रजा अली, अधिवक्ता महताब आलम, रामनरेश चौपाल, संजीव कुमार झा, महानारायण राय, कन्हैया कुमार झा, प्रभात रंजन, भरत चौधरी,प्रभु जी झा, प्रेम शंकर राय, दिलीप चौधरी, शंभू राय,राज किशोर साफी,कृष्ण कुमार सिंह, हरिओम सिंह, विजय सिंह, अरुण यादव, राजकुमार मंडल, काशी चौधरी, भुवनेश्वर सिंह, रोहित शर्मा, शिवकुमार राय, विनोद कुमार यादव ,उदयकांत चौधरी, जिला परिषद सदस्य सह जदयू नेत्री सइदा बानो, अधिवक्ता मोहम्मद महताब आलम, राजकुमार सिंह, राधाकांत चौधरी, विनोद मंडल, राजेंद्र कुशवाहा, ओमप्रकाश माझी आदि सैकड़ो लोग उपस्थित थे

हाफि ज-ए-कुरआन की दस्तारबंदी का भव्य जलसा आज नमाज-ए-मगरिब के बाद आयोजित किया जा रहा है

कार्यक्रम इदारा दीनीयात एकैडमी बसीहा शेख के तत्वावधान में मरकजी मस्जिद शिवहर में होगा

शाज बिहारी
विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

इस अवसर पर बिहार के प्रसिद्ध उलेमा-ए-किराम शिरकत करेंगे, जिनमें
मौलाना इजहारुल हक साहब (नाज़िम, मदरसा अशरफुल उलूम, कनहवा)
मौलाना इश्तियाक अहमद अल आजमी (मरकजी कासिमुल उलूम, हसनाह डीह, सीतामढ़ी)
मौलाना नजमुल हसन कासमी,
मौलाना जहीरुल हक कासमी,
मौलाना समउन साहब (शिवहर),
मौलाना इरशाद साहब (सीतामढ़ी),
मुफ्ती जफरुल हुदा साहब,
कारी बशीर अहमद,
कारी एहसान साहब (शिवहर),
इसके अलावा, स्थानीय उलेमा, इमाम और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल होंगे।

दस्तारबंदी के सम्मानित हाफि ज-ए-कुरआनः

1. हाफि ज मोहम्मद अजमतुल्लाह (इब्ने मोहम्मद सैफुल्लाह)
2. हाफि ज निजार (इब्ने अब्दुल कय्यूम)
3. हाफि ज मोहम्मद मुमताज (इब्ने मोहम्मद शमशाद)
4. हाफि जा चांदनी खातून
5. हाफि ज मोहम्मद अयूब (इब्ने अहमद हुसैन, दरभंगा)
6. हाफि ज मोहम्मद अरबाबुर्रहमान (इब्ने मोहम्मद रईस)
7. हाफि ज नदीम (इब्ने मोहम्मद इस्लाम)

आयोजन की तैयारियाँ जोरों पर मरकजी मस्जिद शिवहर के इमाम व खतीब मौलाना मोहम्मद शरफे आलम नदवी ने बताया कि इस कार्यक्रम की तैयारियाँ जोरों पर हैं। आयोजन समिति के ज़िम्मेदार नियाज अहमद (मोती साहब, मुतवल्ली), खादिम मोहम्मद सैफुल्लाह और इदारा के डायरेक्टर सहित स्थानीय लोग, राजनीतिक प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

यह पहला ऐतिहासिक जलसा होगा सूत्रों के अनुसार, बसीहा शेख और इदारा का यह पहला जलसा है, जिसमें स्थानीय लोग विशेष रूप से आमंत्रित हैं। आयोजकों ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे इस पवित्र अवसर पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और

भूमि संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक धीरज यादव के नेतृत्व में मंगलवार को एक पैदल मार्च यात्रा निकाला गया

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- केवटी प्रखंड के छाछा पचाढी पंचायत निवासी और भूमि संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक धीरज यादव के नेतृत्व में मंगलवार को एक पैदल मार्च यात्रा निकाला गया।मार्च में इलाके के सैकड़ों महिला-पुरुष मौजूद थे।पैदल यात्रा दडिमा चौक से प्रारंभ होकर एनएच 527 बी के रास्ते रनवे चौक होते प्रखंड मुख्यालय पहुंची।मार्च में शामिल अधिकांश लोग हाथों में अपनी मांग सम्बन्धी तख्ती ले रखा था। प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर मार्च में शामिल लोगों ने एक सभा का आयोजन किया।सभा की अध्यक्षता भूमि संघर्ष मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव कर रहे थे।

सभा को संबोधित करते हुए ई धीरज ने प्रखंड प्रशासन पर मनमानी करने का आरोप लगाया।उन्होंने पीएम आवास योजना,शौचालय योजना सहित अन्य योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार की जमकर चर्चा किया।कहा गरीब-असहाय जनता दलाल के चंगुल फंस लुटे जा रहे हैं।नौकरशाह पूरी तरह तानाशाह हो चुका है।उन्होंने रनवे के लालू नगर में वांछित लोगों को पर्चा देने,बिजली बिल में व्यापक गड़बड़ी को दूर करने,किसानों के खाद-बीज और सिंचाई की समस्या को दूर करने का मांग किया।

अलीनगर विधायक मिश्रीलाल यादव ने सभा को संबोधित करते हुए अपने पुराने संघर्ष के दिनों की चर्चा करते हुए कहा कि संघर्ष के बल पर ही में मुखिया बना और लगातार करते-करते एमएलसी और विधायक बना।उन्होंने उपस्थित लोगों को विश्वास दिलाया कि जब-जब गरीब-असहाय,कमजोर वर्ग के लोगों को दबाया जाएगा तब-तब मैं दल से ऊपर उठकर ऐसे लोगों की मदद के लिए तैयार रहूंगा।आज की तिथि को उन्होंने काला दिवस कहा।

उसराही में एक जन संवाद कार्यक्रम का कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सह पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी इम्तियाज नूरानी के द्वारा की गइ

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के प्रखंड क्षेत्र क उसराही स्थित फेबको स्कूल के प्रांगण में एक जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सह कांग्रेस के पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी इम्तियाज नूरानी के द्वारा की गई ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इम्तियाज नूरानी ने कहा आज हमारा बिस्फी सबसे पिछड़ा विधानसभा में शुमार हो गया है । यहां न तो गरीबों की शिक्षा की व्यवस्था है ,नही सरकारी स्वास्थ्य की व्यवस्था है और नहीं अच्छी सड़के एवं युवाओं को रोजगार का कोई जरिया है। वर्षो से बिस्फी के युवा पीढ़ी एक स्टेडियम की मांग करते आ रहे हैं मगर यहां एक से एक नेता आए और जनता से झूठा वादा करके सदन पहुंच जाते हैं ।मगर नहीं वह नेता जनता की बात सदन में रख पाते हैं और नहीं उन्हें अपना वादा याद रहता । सबसे बड़ी बात है जब बिहार सरकार के द्वारा कोई शिक्षा की योजना पास किया जाते हैं तब भी बिस्फी के जनप्रतिनिधि धार्मिक माहौल बनाकर वैसी योजना को बनने नहीं देते ।उन्होंने कहा कि मैं बिस्फी की जनता से अपील करता हूं कि इस बार आप अपने बिस्फी के विधायक ऐसे लोगों को चुने जो आपकी बात मजबूती से सड़क से लेकर सदन तक रखेंगे ।युवाओं के लिए एक स्टेडियम बनवा दूंगा ।उन्होंने बिस्फी वासियों के समक्ष एक घोषणा करते हुए कहा कि इस साल 01 अप्रैल से बिस्फी के छात्र-छात्राओं को मुफ्त शिक्षा देने जा रहा हूं ।यह शिक्षा ऑनलाइन एप्प के माध्यम से कोचिंग दिया जाएगा ।जिसमें 26 मुल्कों के पीएचडी स्कॉलर शिक्षक मौजूद होंगे ।उन्होंने कहा कि अगर बिस्फी का कोई विकास कर सकता है तो वह कांग्रेस पार्टी के नेता ही कर सकते ।इस बार विधानसभा का चुनाव बिस्फी में कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है। इस अवसर पर मोहम्मद रेहान,जन संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे

केवटी प्रखंड के असराहा में संचालित कनीज फातमा बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं का प्रयास कारगर साबित हुआ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- केवटी प्रखंड के असराहा में संचालित कनीज फातमा बिहार राज्य अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं का प्रयास कारगर साबित हुआ। बच्चों द्वारा गत दिनों किए गए भोजन-नाश्ता बहिष्कार और दिनभर के आंदोलन तथा शिक्षकों की मांग पर सरकार की सस्ती टूटी। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बिहार पटना और जिलाधिकारी दरभंगा के जारी पत्र के आलोक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह डीपीओ नवीन ठाकुर ने अपने पत्रांक 106 दिनांक 10 फरवरी 2025 के माध्यम से प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों की कुल 10 योग्य शिक्षकों को तुरंत अल्पसंख्यक विद्यालय में योगदान करने का निर्देश जारी कर दिया है ताकि विद्यालय में पढ़ाई की गतिविधि सुचारू हो सके। जारी पत्र की सूची में उत्क्रमित

माध्यमिक विद्यालय दिघियर से संजय कुमार,प्लस टू आरजे उच्च विद्यालय केवटी बनवारी से राजीव सरकार,प्लस टू गेनालाल जयलाल साहू उच्च विद्यालय खिरमा से नसीम अहमद,उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय लालगंज से राजीव रंजन,उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय नयागांव पश्चिम से साधना कुमारी ल,प्लस टू रामरिख सुंदरी उच्च विद्यालय केवटी बनवारी से मनोरंजन कुमार, इसी विद्यालय से मुकेश कुमार दास, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय पैगंबरपुर से आकाश ठाकुर,प्लस टू रैयाम चीनी मिल उच्च विद्यालय से नजीर हयात,उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय बरही से नीलांबर ठाकुर का नाम शामिल किया गया है।यह सभी शिक्षक अलग-अलग विषयों के हैं। इसमें गणित,फिजिक्स,केमेस्ट्री,अंग्रेजी,भूगोल,हिंदी,उर्दू के शिक्षक शामिल हैं। इन्हें निर्धारित अवधि के लिए प्रतिनियोजित किया गया है।

प्राचार्य चन्द्रमोहन सिन्हा ने इन 10 प्रतिनियोजित शिक्षकों में से कुल 6 शिक्षकों के योगदान की पुष्टि किया है।

बेगूसराय :- नगर निगम एवं नगर परिषद क्षेत्र में कूल 30 योजनाओं की मिली प्रशासनिक स्वीकृति, 20 करोड़ से ज्यादा होंगे खर्च

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय :जिला पदाधिकारी बेगूसराय, श्री तुषार सिंगला द्वारा मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना अंतर्गत बेगूसराय जिला के नगर निगम एवं नगर परिषद क्षेत्र में कूल 30 योजनाओं जिसमें कुल लागत 202935119(बीस करोड़ उनतीस लाख पैंतिस हजार एक सौ उन्नसी) रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।इसके तहत बेगूसराय नगर निगम क्षेत्र में कुल 20 योजनाओं पर 129348276 (बारह करोड़ तेरानवें लाख अड़तालिस हजार दो सौ छियतर) रुपए, नगर परिशद बीहट क्षेत्र में कुल 6 योजनाओं पर 33680343 (तीन करोड़ छत्तीस लाख अस्सी हजार तीन सौ तेंतालिस रुपए) नगर परिशद बखरी में 2 योजनाओं पर 19957384 (एक करोड़ नियानवें लाख संतावन हजार तीन सौ चौड़ासी रुपए), नगर परिशद तेघड़ा में 1 योजना पर 9998550(नियानवें लाख अनठानवें हजार पांच सौ पचास रुपए) एवं नगर परिशद, बरौनी में 1 योजना पर 9950566(नियानवें लाख पचास हजार पांच सौ छियासठ हजार) रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।इसमें से बेगूसराय नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 20 में रतनपुर बिलट नगर, वार्ड नंबर 40 में महंथ कॉलेज के गेट से अशोक कुमार राय के गेट तक, वार्ड नंबर 39 में विष्णुपुर चौक से लेकर नेपाली ठाकुर के घर तक सड़क एवं नाला मरम्मति सहित कुल 30 योजनाएं शामिल है।नगर परिषद बीहट के वार्ड नंबर 02 में मालती पोखर का सौदर्यीकरण एवं वार्ड नंबर 12 हाजीपुर पोखर का सौंदर्यीकरण शामिल हैं।

चोरियाबरियारपुर में अति पिछड़ा वर्ग सम्मेलनः मुकेश साहनी बोले - अब हमें अपने अधिकारों के लिए संगठित होना होगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

चोरियाबरियारपुर(बेगूसराय) अति पिछड़ा वर्ग के अधिकारों, उनके राजनीतिक सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान को लेकर चिड़िया बरियारपुर में एक भव्य सम्मेलन आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मुकेश साहनी ने शिरकत की। उनके साथ विशेष अतिथि इंदु गुप्ता तथा हसनपुर विधानसभा से प्रत्याशी सुरेंद्र गुप्ता भी शामिल रहे।सम्मेलन का उद्देश्यः अति पिछड़ों के हक और अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करना इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अति पिछड़ा वर्ग के अधिकारों, उनकी राजनीतिक भागीदारी, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि अति पिछड़ा वर्ग आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है और इसके लिए सरकारों को ठोस कदम उठाने होंगे।मुख्य अतिथि मुकेश साहनी ने अपने संबोधन में कहाः"अति पिछड़ा वर्ग को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। हमें राजनीति में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी, ताकि हमारी आवाज सत्ता के गलियारों तक पहुंचे। जब तक हम खुद

अपनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे, तब तक हमें हमारा हक नहीं मिलेगा।" उन्होंने आगे कहा कि उनकी पार्टी वीआईपी हमेशा अति पिछड़ा वर्ग के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। विशेष अतिथि इंदु गुप्ता ने सरकार से की ठोस नीतियों की मांग विशेष अतिथि इंदु गुप्ता ने भी अति पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए सरकार से ठोस नीतियां बनाने की अपील की। उन्होंने शिक्षा और रोजगार के अधिक अवसर सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक समाज शिक्षित और आत्मनिर्भर नहीं बनेगा, तब तक उसे उसका हक नहीं मिलेगा।स्थानीय जनता की भारी भागीदारी, हजारों लोग हुए शामिल इस सम्मेलन में हजारों की संख्या में स्थानीय लोग और अति पिछड़ा समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने अपने अधिकारों के लिए लड़ने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली। सनपुर विधानसभा से प्रत्याशी सुरेंद्र गुप्ता ने जनता को संबोधित करते हुए कहाःअगर जनता हमें मौका देती है, तो हम अति पिछड़ा वर्ग की आवाज को विधानसभा में बुलंद करेंगे और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगे। हमें राजनीति में अपने अधिकारों की भागीदारी बढ़ानी होगी, ताकि हमारी समस्याओं का हल निकाला जा सके।"महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा, आगे की रणनीति तैयार इस सम्मेलन में आरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीति में प्रतिनिधित्व जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। वक्ताओं ने समाज को संगठित होकर अपने अधिकारों की लड़ाई को और मजबूत बनाने की अपील की।इस दौरान कई प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें शामिल हैं शिक्षा में सुधारः अति पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति और सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाने की मांग।रोजगार के अवसरः छोटे व्यवसायों और स्वरोजगार के लिए विशेष योजनाएं लागू करने की अपील। राजनीतिक भागीदारीः पंचायत से लेकर विधानसभा तक अति पिछड़ा वर्ग के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर। सरकारी योजनाओं का लाभः सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सही जानकारी और उन तक पहुंच सुनिश्चित करना। अति पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए एक मजबूत पहल चोरियाबरियारपुर में आयोजित यह सम्मेलन अति पिछड़ा वर्ग के हक और अधिकारों के लिए एक मजबूत पहल साबित हुआ।

समस्तीपुर।बेगूसराय :- बलिया नगर परिषद में सभी हिन्दुओं के घर से धार्मिक झंडा उतरवाने का मामला पाया गया गलत, खबर चलाने वालों पर होगी कार्रवाई

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बलिया / बेगुसरायबेगूसराय जिले की एक खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें सोशल मीडिया पर चलायी जा रही खबर के अनुसार बलिया नगर परिषद के उपरटोला में सभी हिन्दुओं के घर से धार्मिक झंडा उतरवाया गया है। इस संदर्भ में पुलिस के द्वारा जाँच करने पर मामला गलत पाया गया।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आज दिनांक-14.02.25 को सोशल मीडिया पर एक खबर चलायी जा रहा है की बलिया नगर परिषद के उपरटोला में सभी हिन्दुओं के घर से धार्मिक झंडा को उतरवा दिया गया है। प्राप्त खबर की सूचना की जाँच अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बलिया से करायी गयी। जिसमें जाँच / सत्यापन उपरांत पाया गया की कल दिनांक-13.02.25 को दिन में शब-ए-बरात पर्व को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी बलिया के निर्देश पर अंचलाधिकारी बलिया के द्वारा बलिया थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं बल के साथ बलिया नगर परिषद उपर टोला में सड़क किनारे लगे सरकारी संपति (बिजली का खंभा / सोलर स्ट्रीट लाईट / रस्सी एवं तार) इत्यादि पर लगे झंडा / बैनर को हटाया गया है। परन्तु किसी भी व्यक्ति के मकान / मंदिर पर लगे धार्मिक झंडा को नही हटाया गया है। उक्त चलायी जा रही खबर पूर्णतः गलत पायी गयी है। विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

किसी भी न्यूज चैनलों एवं व्यक्तियों के द्वारा किसी भी व्यक्ति के धर्म या समुदाय के धार्मिक भावनाओं को आहत करने/भड़काने से संबंधित कोई भी गलत अफवाह को सोशल मीडिया/न्यूज चैनलों या अन्य किसी भी प्लेटफार्म पर चलाया / प्रसारित किया जाता है तो उसके विरूद्ध विधिसम्मत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आज दिनांक-14.02.25 को सोशल मीडिया पर एक खबर चलायी जा रहा है की बलिया नगर परिषद के उपरटोला में सभी हिन्दुओं के घर से धार्मिक झंडा को उतरवा दिया गया है।

बेगूसराय पुलिस कंट्रोल रूम नं0-9264429701

पुलिस निरीक्षक, जयनगर केद्वारा लदनिया थाना के थानाध्यक्ष एवं अनुसंधानकर्ता के साथ लंबित कांडो के समीक्षा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर अंचल पुलिस निरीक्षक, जयनगर के द्वारा लदनिया थाना के थानाध्यक्ष एवं अनुसंधानकर्ता के साथ लंबित कांडो के समीक्षा कर निष्पादन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। अवसर पर कई पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पुलिस के जवान उपस्थित थे

मदरसा अहमदिया करीमिया मिस्र अवलिया में उलमा की शिरकत

अबरार नौमानी

मोजफर पुरः ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल के उपाध्यक्ष मौलाना अनीसुर रहमान कासमी, उलेमा बोर्ड हिंद के अध्यक्ष मौलाना मुहम्मद सदरे आलम नौमानी, मिल्ली काउंसिल बिहार के महासचिव मुफ्ती नाफी आरिफी कासमी, मौलाना अब्दुल खालिक कासमी, मुफ्ती अंसार कासमी के साथ मदरसा अहमदिया करीमिया मिस्र औलिया मुजफ्फरपुर में शिरकत की, जिस में मौलाना अनीसुर रहमान कासमी ने पुर मगज नसीहत किया । मदरसा अहमदिया करीमिया मिस्रौलिया मुजफ्फरपुर जिले में एक सक्रिय और प्रभावशाली संस्था है, जिसके संरक्षक ताज-उल-आरिफीन साहिब कश्फ बुजुर्ग हजरत मौलाना हाफिज शम्सुल हुदा साहब हैं, और

मदरसे की मुहतमिम हजरत मौलाना मुजफ्फर हुसैन नक्शबंदी हैं। इस संस्था में युवा कुरान के हाफिज बन कर निकल रहे हैं। कम समय में ही संस्था ने उल्लेखनीय शैक्षणिक प्रगति की है। कुरानिक अध्ययन के साथ-साथ यहां अंग्रेजी, गणित और विज्ञान भी पढ़ाया जाता है, ताकि अन्य संस्थानों के छात्रों से कमतर महसूस न करें और राष्ट्र की सेवा के अपने कर्तव्य को पूरी गरिमा के साथ पूरा कर सकें। अल्लाह तआला इस संस्था को दिन दुगुनी और रात चौगुनी तरक्की प्रदान करे।मौलाना तुफैल कासमी, मौलाना बिलाल रहमानी आदि उपस्थित थे।

दरभंगा के कुशेश्वरस्थान में पूजा के साथ शुरू हुई 50 दिवसीय पद यात्रा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मिथिलावादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा : अगर , मिथिला विकास बोर्ड की मांग पूर्ण नहीं होगी तो मिथिलावासी सत्ता उखाड़ फेकेंगी।

माँग : 2 लाख करोड़ का स्पेशल हेतु बजट सेपरेट डेवलपमेंट बोर्ड यानि मिथिला विकास बोर्ड बनाये सरकार।

आज दिनांक : 16 फरवरी 2025 को मिथिलावादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज जी के अध्यक्षता में 50 दिवसीय 'पद यात्रा' का शुभारंभ मिथिला का प्रसिद्ध बाबा नगरी कुशेश्वरस्थान से आरम्भ हुई। कुशेश्वरस्थान में किशन कुमार झा के नेतृत्व में पद यात्री ने बाबा कुशेश्वरनाथ का पूजा अर्चना कर , यात्रा के सफल हेतु बाबा से कामना किया। मंदिर के पूजारी द्वारा अंगवस्त्र देकर आशीर्वाद दिया गया।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज ने कहा कि : कुशेश्वरस्थान की धरती अत्यंत गौरवशाली धरती हैं। देवाधिदेव महादेव की धरती को इस सरकार ने अपने मिथिला विरोधी एजेंडा के कारण इसे अभिशापित कर दिया हैं। यहाँ के लोग 06 - 08 महीने तक बाढ़ के कारण दाने - दाने को तरसती रहती हैं। साल भर के अथक परिश्रम एवं कमाई की पूंजी बाढ़ के कारण काल के गाल में समा जाती हैं। पक्षी अभयारण्य की स्थिति बदहाल हो चुकी हैं , रेल नेटवर्क एवं सड़क की बुनियादी सुविधा नही हैं। बिहार के पिछड़े क्षेत्रो में से हैं। उच्चतर शिक्षा की व्यवस्था नहीं हैं , उद्योग की कोई संभावना हैं। यह सरकार की मिथिला विरोधी नीति के कारण के इस प्रकार की अव्यवस्था पसरी हुई हैं। इसीलिए सरकार से मिथिला क्षेत्र के लिए 'मिथिला विकास बोर्ड' की मांग कर रहे हैं ताकि 02 लाख करोड़ के सेपरेट एवं स्पेशल फंड से मिथिला का कायाकल्प हो सकें।

कुशेश्वरस्थान में अपराध चरम सीमा पर हैं। प्रशासन सत्ता के चरण वंदन में मस्त हैं। हत्या एवं बलात्कार बढ़ गई हैं। प्रशासन से आग्रह हैं कि दोषियों के प्रति कड़ी कारवाई करें। 06 वर्षीय बच्ची के साथ नृशंस बालात्कार की घटना अत्यंत दुखद हैं।

राष्ट्रीय महासचिव श्री वीरेंद्र कुमार ने आक्रमकता के साथ सरकार के खिलाफ हल्ला बोला और कहा कि : सदैव यह क्षेत्र ठऊअ को सम्पूर्ण बहुमत देते आई हैं परंतु , मगध में बैठे शासक ने इस क्षेत्र को सस्ता मजदूर का क्षेत्र का बना दिया हैं। यहाँ के लोगो के सुविधा , शिक्षा , उद्योग , स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे रही हैं। यहाँ के लोगो को पिछड़ेपन की जिंदगी जीने पर मजबूर कर रही हैं। मिथिलावासी को सचेत एवं जागरूक करेंगे इस यात्रा के माध्यम से निक्कमी मिथिला विरोधी सरकार को बदलने हेतु एक प्रखर स्वर का आगाज करेंगे ।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सागर नवदिया एवं जिलाध्यक्ष अमित कुमार ठाकुर ने कहा कि : मिथिला डेवलपमेंट बोर्ड (टऊइ)क्षेत्र के 20 पिछड़े जिलों की जरूरत और वाजिब हक है। देश के सबसे पिछड़े जिलों की लिस्ट में अररिया, कटिहार, पूर्णिया, बांका, जमुई, बेगुसराय, शिवहर, खगरिया, सुपौल, किशनगंज आदि का नाम सबसे ऊपर आता है। एक आम मैथिल सलाना अन्य जगह के एक औसत भारतीय का एक तिहाई कमाता है, पर कैपिटा इनकम की दृष्टि से एक मैथिल किसी औसत मराठी का चौथाई, गुजराती का पांचवां, दिल्ली का दशवां, केरला का छठवाँ हिस्सा कमाता है। मिथिला क्षेत्र के जिलों का जीडीपी पर कैपिटा नोर्थईस्ट राज्यों के औसत से भी लगभग आधा है।

इस पदयात्रा में रणधीर कुमार, मनीष कुमार,चंदन कुमार, नंदलाल झा,कौशल झा, संतोष साहू,नीरज क्रांतिकारी, नवीन सहनी,शिवम प्रणव,गौतम चौधरी, सुमित माउबेहटिया, किसन कुमार, रुद्र मोहन चौधरी,सोनु मंडल,सुंदर कुमार, नितिश मंडल एवं सैकड़ो साथी उपस्थित थे।

सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती किसानों को कराया कृषि मेले का भ्रमण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर,48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), जयनगर द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती किसानों को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर में आयोजित तीन दिवसीय किसान मेला झ 2025 का भ्रमण करवाया गया।इस कार्यक्रम में कुल 28 किसानों ने भाग लिया, जिन्हें उन्नत फसल प्रजातियों, आधुनिक कृषि उपकरणों, उन्नत किस्म के बीजों, फल-फूल की खेती के तरीके और कृषि म्यूजियम में रखे नवीनतम उपकरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों से अवगत कराना और उनकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाना था।इस अवसर पर श्री गोविन्द सिंह भंडारी, कमांडेंट, 48वीं वाहिनी एसएसबी ने कहा कि एसएसबी द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयास सीमावर्ती किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे। यह पहल कृषि क्षेत्र में नवीनतम शोध और तकनीकों से किसानों को जोड़ने एवं उनकी आय वृद्धि में सहायक होगा ।

तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्राली में मारी टक्कर, 8 घायल

बक्सर। जिले में देर रात नया बस स्टैंड के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्राली में सवार मंगला भवानी मंदिर से लौट रहे 8 श्रद्धालु घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्राली में बैठे लोग उछलकर सड़क पर गिर पड़े। घायल सभी लोग इटाढ़ी प्रखंड के कुकुढा गांव के रहने वाले हैं। हादसे में एक व्यक्ति का पैर टूट गया, जबकि अन्य लोगों को भी गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को भगाने की कोशिश में था, लेकिन संतुलन बिगड़ने से ट्रक सड़क किनारे लुढ़क गया। नगर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि ट्रक चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गए हैं। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश है। उनका कहना है कि आबादी वाले इलाके में भारी वाहन अक्सर तेज गति से चलते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है। पुलिस ने बताया कि ट्रक को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई की जा रही है, क्योंकि मिट्टी धंसने से उसके पलटने का खतरा है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शॉर्टसर्किट से लगी आग 5 लाख की संपत्ति जलकर खाकट्यूशन सेंटर, बाइक और टेंट का सामान जला

फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू

सुपौल। शहर के वार्ड 13 स्थित ब्रह्मस्थान के पास बीती रात शॉर्टसर्किट से भीषण आग लग गई, जिसमें एक ट्यूशन सेंटर सहित लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाया, लेकिन दमकल की लापरवाही ने लोगों का गुस्सा भड़का दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ट्यूशन सेंटर के अलावा पास के अन्य सामान भी आग की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया और काफी मशक्कत के बाद लपटों को काबू में किया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाने की पुलिस और डायल 112 की पुलिस टीम भी वहां पहुंच गई। लेकिन एक घंटे बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन उसमें पानी नहीं था। जब दमकल कर्मियों ने पानी न होने की बात कही, तो गुस्साए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने दमकल विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति बिगड़ती देख दमकल टीम बिना कोई कार्रवाई किए लौट गई। पीड़ित अरविंद कुमार साह ने बताया कि ट्यूशन सेंटर में रखी एक नई अपाचे बाइक, टेंट के लिए रखे एल्युमिनियम के बर्तन पूरी तरह जल गए। उन्होंने बताया कि 21 जनवरी को नई बाइक खरीदी ही थी। लेकिन शॉर्टसर्किट के कारण वह भी बरबाद हो गई। प्राथमिक आकलन के अनुसार इस आगजनी में लगभग 5 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अग्निशमन विभाग की इस लापरवाही की जांच की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए दमकल सेवा को अधिक मुस्तैद किया जाए।

पूर्णिया में अनियंत्रित कार थाने के बाउंड्री से टकराई महिला और बच्चा घायल, भागकर पुलिस वालों ने बचाई जान

-----कुंभ से लौट रहे थे सभी-----

पूर्णिया। में तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर यातायात थाने के बाउंड्री वॉल से जा टकराई। इसमें कार और थाने की दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बाउंड्री वॉल के पास खड़े यातायात पुलिस के जवानों ने दौड़कर अपनी जान बचाई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हादसे की वजह से कार ड्राइव कर रहे युवक की अचानक आंख लग गई। हादसे के वक्त कार में 4 लोग सवार थे, इसमें 2 लोग घायल हो गए। घायलों में महिला और एक बच्चा शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना सुबह करीब 9 बजे की है। कार की रफ्तार 70 के आसपास थी। कार में 4 लोग सवार थे इनमें दो महिला, एक पुरुष और एक बच्चा शामिल है। सभी प्रयागराज में कुंभ से स्नान कर अपने घर के.नगर लौट रहे थे, तभी अचानक यातायात थाने के पास ड्राइवर की आंख लग गई। इसके बाद कार अनियंत्रित होकर यातायात थाने के बाउंड्री वॉल से जा टकराई। हादसे के वक्त वहां खड़े पुलिसकर्मियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। वहीं हादसे के वक्त कार में 4 लोग सवार थे, जिसमें महिला समेत एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।

टक्कर के फौरन बाद पुलिस और स्थानीय मौके पर जुटे, जिसके बाद घायलों को आनन-फानन में GMCH पूर्णिया में एडमिट कराया गया। वहीं कार को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

मनीष हत्याकांड, परिजनों को पुलिस जांच पर भरोसा नहीं

पटना। पुलिस हलवाई मनीष हत्याकांड में 6 दिन बाद भी हत्यारों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। परिजनों को पुलिस जांच पर भरोसा नहीं है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें वारदात के बाद कुछ लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित परिवार का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में गोली चलाकर भागते हुए अपराधियों की तस्वीर साफ दिख रही है। इसके बाद भी जांच के नाम पर पुलिस सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। एक सप्ताह में अपराधियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया था। इसके बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अज्ञात अपराधियों के खिलाफ केस दर्ज मेहंदीगंज थाना प्रभारी के मुताबिक घटनास्थल से सिर्फ एक खोखा बरामद हुआ है। अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के लिए FSL टीम को भी बुलाया गया था। मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के पश्चिमी कस्बा में 10 फरवरी को श्राद्ध भोज के दौरान जमीन विवाद में दो गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। गोली लगने से हलवाई मनीष कुमार(28) की मौत हो गई थी। मृतक हकीमगंज कुम्हार टोली का रहने वाला था। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क जाम कर दिया था। बीच रोड पर आगजनी कर जमकर विरोध-प्रदर्शन किया था।

संक्षिप्त डायरी

दनियावां में सीएम के पहुंचने से पहले डीएम का निरीक्षण

पटना। DM डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने दनियावां प्रखंड में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आगामी प्रगति यात्रा की तैयारियों का जायजा लिया। फरवरी के अंतिम सप्ताह में होने वाली इस यात्रा के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया। हाई स्कूल में बन रहे खेल सुविधाओं का भी निरीक्षण डीडीसी सौरव सुमन, एडीएम मनोरंजन कुमार और पटना सिटी एसडीओ सत्यम सहाय के साथ डीएम ने खारभैया पंचायत के तोप गांव का दौरा किया। उन्होंने करोड़ों की लागत से निमार्णाधीन दनियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया। तोप हाई स्कूल में बन रहे खेल सुविधाओं, जिसमें बास्केटबॉल, वॉलीबॉल कोर्ट, लॉन्ग जंप, हाई जंप और एथलेटिक्स ट्रैक शामिल हैं, का भी जायजा लिया। जलजीवन हरियाली योजना के तहत निमार्णाधीन तालाब का निरीक्षण भी किया गया। साथ ही एसएच-78 ऐमन बिगहा से तोप गांव अस्पताल तक और तोप गांव से जीवनचक होते हुए एसएच-78 तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत कार्यों की प्रगति देखी गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तोप शिव स्थान से दुर्गा स्थान तक के मार्ग से अतिक्रमण हटाने की मांग रखी। मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर से आगमन को देखते हुए सरथुआ गांव के रेलवे स्टेशन के पास हेलीपैड का निर्माण कार्य चल रहा है। डीएम ने सभी विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान पटना सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, डीसीएलआर अभिलाषा सिंहा, बीडीओ प्रकृति नयनम, सीओ गीता देवी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि दनियावां प्रखंड के तोप गांव में खरभैइया पंचायत में आए हुए हैं। यह सरथुआ बॉर्डर भी है, इसलिए तोप सरथुआ रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण कर रहे हैं। नेवरा-दनियावां नई रेलवे लाइन का भी निरीक्षण कर रहे हैं। अभी मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा चल रही है। इसको लेकर इस पंचायत में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी निरीक्षण किया जा रहा है।

निर्मली प्रखंड कार्यालय परिसर की होगी चहारदीवारी

सुपौल। के निर्मली प्रखंड कार्यालय परिसर की चारदीवारी बनाई जाएगी और सड़क किनारे दुकानें स्थापित की जाएंगी, जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। फिलहाल, सरकारी जमीन पर कुछ ही दुकानें संचालित हैं, लेकिन बार-बार अतिक्रमण हटाने का डर बना रहता है। प्रखंड प्रमुख रामप्रवेश कुमार यादव ने इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की पहल की है। निर्मली थाना चौक के पास प्रखंड कार्यालय परिसर की खाली पड़ी जमीन को अधिग्रहित कर चारदीवारी बनाने की योजना है। सड़क से लगभग 12 फीट की जगह पार्किंग के लिए छोड़ी जाएगी, जिससे यातायात भी सुगम रहेगा। जल्द ही खोली जाएंगी दुकानें प्रखंड प्रमुख रामप्रवेश यादव ने बताया कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी के तहत निर्मली में भी रोजगार सृजन की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि निर्मली शहर के पब्लिक गेस्ट हाउस के पास जिला परिषद की जमीन पर भी जल्द ही दुकानें खोली जाएंगी। इस पहल से थाना चौक पर अस्थायी दुकानदारों में खुशी की लहर है। अब तक ये दुकानदार अतिक्रमण हटाने की आशंका से परेशान रहते थे, लेकिन सरकारी जमीन पर व्यवस्थित दुकानों के निर्माण से उन्हें स्थायी व्यवसाय करने का मौका मिलेगा। मिट्टी भराई का चलेगा काम इसके अतिरिक्त प्रखंड कार्यलय परिसर स्थित जर्जर भवनों को दुरुस्त करवाया जा रहा है, अति जीर्ण-शीर्ण भवनों को ध्वस्त करने का भी प्रस्ताव लिया गया है, ताकि किसी प्रकार की कोई अनहोनी से लोगों को बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रखंड कार्यालय परिसर की जमीन में जलभराव वाली जगहों पर नगर पंचायत निर्मली से सहयोग लेकर जल्द ही नाली निर्माण और मिट्टी भराई का काम करवाया जाएगा। इस योजना से न केवल जलभराव से मुक्ति और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि शहर में व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

महिला के प्रेमी ने शराब पिलाकर की पति की हत्या

रोहतास। के दिनारा थाना में दर्ज अपहरण कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ कुमार संजय ने मामले का खुलासा करते हुए कहा कि अवैध संबंध के कारण हत्या की गई। मामले में पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसडीपीओं ने बताया कि 11 फरवरी की रात दिनारा थाना में अभिषेक उर्फ नन्हक राय के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसमें 9 फरवरी से लापता होने की बात कही गई थी। प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए अभिषेक का भाई, उसकी पत्नी और संजय गुप्ता नामक व्यक्ति पहुंचे थे और सभी का आवेदन पर हस्ताक्षर था। कहा गया था कि संजय गुप्ता के साथ अभिषेक 9 फरवरी को गया फिर नहीं लौटा। संजय ने प्रारंभिक पूछताछ में कहा कि अभिषेक उसके साथ था, फिर कहीं चला गया था। पूछताछ करने पर खुला राज दो दिन तक पता नहीं चलने पर फिर से संजय गुप्ता को बुलाकर कड़ाई से पूछताछ की गइ तो उसने अपराध स्वीकार कर लिया। संजय गुप्ता ने बताया कि वो और अभिषेक एक ही मकान में अगल-बगल दिनारा में रहते थे। उसका अभिषेक की पत्नी सीमा से अवैध संबंध हो गया। पहले दोनों ने भागकर शादी करने का फैसला किया। लेकिन फिर संपत्ति से वंचित होने के डर से पत्नी ने फैसला बदला। इसके बाद अभिषेक को रास्तें से हटाने का प्लान बनाया। इसके बाद अभिषेक को 9 फरवरी को वह अपने साथ लेकर गया। एक सुनसान स्थान पर उसके साथ शराब पी, जब अभिषेक को पूरा नशा हो गया।

शिशु को सुलाते समय ये छोटी-छोटी गलतियां पड़ सकती हैं भारी

माता-पिता बनना किसी भी कपल के लिए बहुत खुशी का पल होता है, लेकिन पेरेंट्स के तौर पर उनकी जिम्मेदारियां काफी बढ़ जाती है। पेरेंटिंग काफी मुश्किल चीज है, जिसमें एक कपल अपने सोने-जागने, उठने-बैठने और सुकून के सारे पल अपने बच्चे के नाम कर देते हैं। पेरेंट्स बनने के बाद माता-पिता के मन में अपने बच्चे की सुरक्षा और सेहत को बेहतर रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। खासकर, जब बात बच्चे को सुलाने की आती है तो पेरेंट्स की चिंता और बढ़ जाती है। बच्चे को सुलाने के दौरान सडन इंफेंट डेथ सिंड्रोम और नींद से जुड़े अन्य जोखिमों को कम करने के लिए पेरेंट्स हर संभाव कोशिश करते हैं। ऐसे में आइए दिल्ली के शाहदरा में स्थित एस.डी.एन. अस्पताल के पीडीअट्रिशन डॉ. ललित हरि प्रसाद सिंह से जानते हैं कि माता-पिता को बच्चे को सुलाते समय किन गलतियों को करने से बचने की कोशिश करनी चाहिए?

नरम बिस्तर से बचें

शिशुओं को सुलाने के लिए ज्यादा नरम गद्दे और बिस्तर को चुनने से बचें, क्योंकि इस तरह के बिस्तर शिशुओं में सडन इंफेंट डेथ सिंड्रोम और दम घुटने के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इस तरह के गद्दे पर सोने के दौरान करवट लेते समय आपके बच्चे का मुंह गद्दे में फंस सकता है, जिससे दम घुटने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए, आप बच्चे को सुलाने के लिए एक मदबूत और टाइट गद्दे और बिस्तर को चुनें।

कम्फर्टर्स, तकिए और कुशन को बच्चे से दूर रखें

कम्फर्टर्स, तकिए और कुशन भी बच्चों का दम घुटने के जोखिम को बढ़ा सकते हैं और स्ढ्ढष्ठस् का कारण बन सकते हैं। इन चीजों में शिशु फंस सकते हैं या उलझ सकते हैं और ये बच्चे के चेहरे को ढक सकती हैं, जिससे दम घुटने की संभावना बढ़ जाती है। शिशुओं में इस जोखिम को कम करने के लिए आप इस तरह की चीजों को शिशु की पहुंच से दूर रखें। और ठंडा मौसम होने पर उन्हें अच्छे से ऊनी कपड़े पहनाएं और अपनी निगरानी में उन्हें कंफर्ट ओढ़ाए।

ढीली चादरें और कंबल बिल्कुल न ओढ़ाएं

ढीली चादरें और कंबल शिशु के चेहरे और गर्दन में उलझ सकते हैं और दम घुटने के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इसलिए, आप शिशु के पास ढीले चादरें और कंबल रखने या उपयोग करने से बचें। इसके स्थान पर आप अपने बेड पर ऐसी चादरों को बिछाए तो टाइट-फिटिंग हो। यह दम घुटने और स्ढ्ढष्ठस् के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। आप चाहे तो चादर और कंबल को गद्दे के चारों ओर कसकर बांध सकतते हैं, ताकि वे ढीले न रहे।

सॉफ्ट टॉय का इस्तेमाल करने से बचें

सॉफ्ट टॉय के कारण भी शिशुओं में सांस से जुड़ी समस्याएं और SIDS का जोखिम बढ़ सकता है। दरअसल, इस तरह के खिलौने शिशुओं के दम घुटने का कारण बन सकते हैं और उनका चेहरा उनमें फंस सकता है। इसलिए, इन जोखिमों को कम करने के लिए इस तरह के खिलौने और वस्तुओं को शिशु के पास रखने से बचें।

पोजिशनर्स और बंपर के इस्तेमाल से बचें

पोजिशनर्स और बंपर के कारण भी घुटन का जोखिम बढ़ सकता है और SIDS कर सकते हैं और स्ढ्ढष्ठस् के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। ये चीजें शिशु में उलझ सकती हैं और आपके बच्चे के चेहरे को ढक सकती हैं, जिससे दम घुटने की संभावना बढ़ सकती है।

बच्चों को रिश्तेदारों से मिलने वाले नोट और सिक्के भी पहुंचाते हैं सेहत को नुकसान

घर में आने वाले रिश्तेदार, दोस्त और पड़ोसी अक्सर जाते वक्त छोटे बच्चों को सिक्के और नोट देकर जाते हैं। दोस्तों और रिश्तेदारों का अक्सर मानना होता है कि जाते वक्त बच्चों को शगुन के तौर पर कुछ देना चाहिए और इसके लिए नोट व सिक्के बेस्ट हैं। खास बात तो यह है कि रिश्तेदारों से मिलने वाले सिक्के और नोट बच्चे भी झट से ले लेते हैं और हाथों की मुट्ठी को बंद कर लेते हैं। अगर रिश्तेदार भी बच्चों को करंसी देते हैं, तो उन्हें तुरंत रोकिए। क्योंकि ये नोट और सिक्के बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। फूड सेफ्टी ऐंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) की ओर से जारी की गई एडवाइजरी में कहा गया है कि करंसी नोट्स और सिक्के इस्तेमाल रोजाना सामान खरीदने, लेन-देन करने, किराये के लिए किया जाता है।

नोट और सिक्के एक से दूसरे शख्स के हाथों में जाते हैं, जो गंदे और संक्रमित होते हैं। इसके साथ ही नोटों को थूक लगाकर गिना भी जाता है। ऐसे में अगर ये नोट बच्चे छूते हैं, तो उन्हें कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं। नोट और सिक्के छूने से बच्चों को कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं,

बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण

डॉ. सुरिंदर कुमार का कहना है कि रोजाना लेने-देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नोट और सिक्के कई हाथों, पर्स और धूल-मिट्टी वाली जगह से गुजरते हैं। जिसके कारण नोट और सिक्कों पर बैक्टीरिया चिपक जाते हैं। बच्चे अपनी प्रवृत्ति के कारण इन नोट और सिक्कों को छूने के बाद बिना हाथ धोए खाना खाते हैं या अपने मुंह पर हाथ लगाते हैं, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। नोट और सिक्के छूने से बच्चों को उल्टी, दस्त और पेट संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।

विकास में रूकावट

कुछ पुराने सिक्के या नोट लीड युक्त होते हैं। जब बच्चे इसे छूते या मुंह में डालते हैं, तो इसकी वजह से लीड एलर्जी हो सकती है। लीड एलर्जी के कारण छोटे बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर प्रभाव पड़ सकता है। इतना ही नहीं लीड एलर्जी बच्चों के विकास में रुकावट भी पैदा करती है।

स्किन एलर्जी

डॉ. सुरिंदर कुमार बताते हैं कि कई हाथों और सतहों से गुजरने के कारण नोटों पर आंतरिक तौर से फंगस पनप सकता है। जब बच्चे फंगस वाले नोटों को छूते हैं, तो इसकी वजह से त्वचा पर खुजली, लालिमा और जलन की समस्या होती है।

पेट संबंधी बीमारियां

छोटे बच्चे अक्सर रिश्तेदारों द्वारा दिए गए नोट और सिक्कों को मुंह में ले लेते हैं। नोट और सिक्कों पर मौजूद बैक्टीरिया जब बच्चों के मुंह से शरीर में जाते हैं, तो उनके पाचन तंत्र में रुकावट पैदा कर सकता है। नोट और सिक्के बार-बार छूने से बच्चों को पेट में दर्द, उल्टी और अपच की समस्या भी देखी जाती है।

नोट और सिक्कों से होने वाली बीमारियों से बचाव के तरीके

हमारे साथ खास बातचीत में डॉ. सुरिंदर कुमार ने यह भी बताया कि बच्चों को नोट और सिक्कों से होने वाली बीमारियों से कैसे बचाया जा सकता है।

- रिश्तेदार द्वारा दिए गए नोट और सिक्कों को छूने के बाद बच्चों के हाथों को साबुन और पानी से अच्छे से साफ करें।
- बचाव के लिए रिश्तेदारों से अनुरोध करें कि वह नकदी की बजाय खिलौने, किताबें या अन्य गिफ्ट्स बच्चों को दें।

नोट और सिक्के हमारी लाइफस्टाइल का बड़ा हिस्सा है। लेकिन नोट और सिक्कों पर मौजूद बैक्टीरिया और इंफेक्शन वाले कीटाणु बच्चों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे बचाव के लिए पेरेंट्स को रोजाना की लाइफ में छोटे-छोटे स्टेप उठाने जरूरी हैं।

बच्चों की परवरिश के ये 5 तरीके माने जाते हैं बहुत गलत

जानें कैसे पहुंचाते हैं बच्चों को नुकसान

बच्चों के समुचित विकास के लिए उनकी अच्छी परवरिश होनी जरूरी है। ज्यादातर माता - पिता यह मानते हैं कि बच्चों की अच्छी परवरिश का मतलब उनकी जरूरतों को पूरा करना और उनके खानपान और शिक्षा का ध्यान रखना होता है। जबकि ऐसा बिलकुल भी नहीं है। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए उनके साथ माता-पिता का व्यवहार भी सबसे ज्यादा मायने रखता है। जब बच्चे खुद को अपने माता-पिता की नजरों से देखते हैं, तो बच्चे स्वयं के प्रति अपनी समझ विकसित करना शुरू कर देते हैं। पेरेंट्स के रूप में हर माता-पिता को बच्चों की परवरिश के दौरान कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर एक माता-पिता अपने बच्चों के प्रति अलग तरीके का व्यवहार अपनाते हैं। ऐसे में से बहुत से पेरेंट्स यानी माता-पिता खुद के अनुभवों से या दूसरों से मिली जानकारी के आधार पर अपने व्यवहार को तय करते हैं। हम आज आपको बताने जा रहे हैं कि बच्चों के प्रति माता-पिता का कुछ व्यवहार नुकसानदायक हो सकता है। कुछ पेरेंटिंग स्टाइल बच्चों के लिए अच्छी नहीं मानी जाती हैं। आइये जानते हैं इनके बारे में।

बच्चों का पालन पोषण कहने में जितना आसान है असल में उतना आसान नहीं होता। एक माता-पिता के रूप में पेरेंट्स को बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए बहुत सी चीजों का ध्यान रखना होता है। बच्चों के उचित पोषण के साथ-साथ माता-पिता के रिश्तों को भी पोषण की जरूरत होती है। अगर आप चाहते हैं की आप एक सफल पेरेंट्स के रूप में अपने बच्चों की परवरिश करें तो इसके लिए जरूरी है की आप पेरेंटिंग के इन तरीकों से दूर रहें।

1. गुड कॉप – बैड कॉप पेरेंटिंग

गुड कॉप - बैड कॉप पेरेंटिंग यानी बच्चों के प्रति माता-पिता में से एक का नर्म रवैया अपनाना और दूसरे का सख्त रवैया अपनाना होता है। पेरेंटिंग के इस तरीके में माता-पिता में से एक अच्छे पुलिस कॉप की भूमिका में रहते हैं और दूसरा सख्त रवैया अपनाने वाला बैड कॉप के रूप में जाना जाता है। यह पेरेंटिंग का तरीका बहुत ही प्रभावी और बच्चों में संतुलन बनाने वाला माना जाता है। हालांकि इस पेरेंटिंग के तरीके में ऐसा नहीं होता है कि जैसा व्यवहार माता-पिता बच्चे के साथ करते हैं असल जीवन में भी उनका व्यवहार वैसा ही है। बैड-कॉप माता-पिता बच्चे को होमवर्क करने, अनुशासन बनाए रखने और ठीक से व्यवहार करने से जुड़े गुण सिखाते हैं और उनमें इन चीजों के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। इस पेरेंटिंग स्टाइल को बच्चों के लिए ठीक नहीं माना जाता है।

2. हेलिकॉप्टर पेरेंटिंग

हेलिकॉप्टर पेरेंटिंग एक तरह की पेरेंटिंग शैली है जिसमें माता-पिता अपने बच्चों पर बहुत अधिक ध्यान देते हैं। ऐसे माता-पिता बच्चों की हर एक गतिविधि की गहराई से निगरानी करते हैं। इस दौरान बच्चों की सफलता या असफलता के लिए भी पेरेंट्स सबसे ज्यादा क्रेडिट लेते हैं हेलिकॉप्टर पेरेंटिंग करने वाले पेरेंट्स यह समझते हैं कि उनके ऐसा करने से उनके बच्चे सही दिशा में काम करेंगे और उनका मानसिक और शारीरिक विकास सही ढंग से होगा लेकिन हर समय ऐसा नहीं होता है। कई बार इसका नकारात्मक असर भी बच्चों पर पड़ता है।

3. गैर उत्तरदायी और अलगाववादी पेरेंटिंग

जब पेरेंट्स अपने बच्चों की जरूरतों और उनकी चीजों को लेकर आंखें मूंद लेते हैं या अनदेखा करते हैं तो इसे गैर उत्तरदायी या अलगाववादी पेरेंटिंग कहा जाता है। ऐसे माता-पिता अपने बच्चों की एक भी बात पर ध्यान नहीं देते हैं और ना ही उनसे किसी भी प्रकार की अपेक्षा करते हैं।

4. रेस्क्यू पेरेंटिंग

हेलिकॉप्टर पेरेंटिंग की तरह ही रेस्क्यू पेरेंटिंग भी बच्चों के लिए नुकसानदायक मानी जाती है। इस तरह की पेरेंटिंग स्टाइल का बच्चों पर गलत असर पड़ सकता है। यह सुनिश्चित करने के अलावा कि उनके बच्चे कोई गलती न करें, इस पेरेंटिंग से जुड़े पेरेंट्स बच्चों को जिम्मेदारी और प्रेशर से एकदम दूर रखते हैं। ऐसे पेरेंट्स बच्चों के हर काम में इन्वोल्व रहने की कोशिश करते हैं।

5. पनिशमेंट पेरेंटिंग

ऐसे पेरेंट्स जो बच्चों की हर गलतियों पर उन्हें पनिश करने या सजा देने के तरीकों को अपनाते हैं उनके बच्चों पर इसका बहुत बुरा असर होता है। इस तरह की आदत की वजह से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं।

पैकेट आइटम्स नहीं, बच्चों को दें ये होममेड स्नैक्स

बच्चे के स्नैकिंग टाइम को अगर आप बेहद ही टेस्टी बनाना चाहती हैं तो ऐसे में मिनी इडली को एक नए अंदाज में सर्व करें। उन्हें चेरी टमाटर, खीरे और पनीर के छोटे टुकड़ों के साथ बारी-बारी से स्क्यूअर्स पर पिरोएं। अतिरिक्त स्वाद के लिए थोड़ी चटनी या केचप डालें।

बच्चों को स्नैकिंग करना काफी अच्छा लगता है। लेकिन जब बात कुछ हल्का फुल्का खाने की हो तो अक्सर बच्चे जंक फूड व पैकेज्ड फूड का सेवन करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन जंक फूड खाना बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। जंक फूड में ना केवल शुगर अधिक होती है, बल्कि इनमें किसी तरह का पोषण नहीं होता है और इसलिए इन्हें बच्चों से दूर रखने में ही भलाई है।

जहां मार्केट से मिलने वाले स्नैक देखने में आकर्षक और टेस्टी होते हैं और इसलिए बच्चे इन्हें बेहद चाव से खाते हैं। लेकिन अगर आप बच्चों के टेस्ट के साथ-साथ उनकी सेहत का भी ख्याल रखना चाहते हैं तो ऐसे में खुद घर पर ही उनके लिए कुछ स्नैकिंग आइटम्स बनाएं। ये होममेड विकल्प ना केवल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, बल्कि बच्चों को भी काफी पसंद आएंगे। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ होममेड स्नैक्स के बारे में-

फल और दही पॉप्सिकल्स

चीनी से भरी आइसक्रीम को छोड़कर आप बच्चों को कलरफुल व हेल्दी पॉप्सिकल्स बनाकर दें। आप आम, स्ट्रॉबेरी या केले जैसे ताजे फलों को दही और थोड़े से शहद के साथ मिलाएँ। पॉप्सिकल मोल्ड में डालें और फ्रीज करें। ये ठंडे, मीठे और स्टिक पर कैंडी की तरह दिखते हैं। साथ ही, इनमें कोई कृत्रिम रंग या अतिरिक्त चीनी नहीं होती।

मिनी इडली स्क्यूअर्स

बच्चे के स्नैकिंग टाइम को अगर आप बेहद ही टेस्टी बनाना चाहती हैं तो ऐसे में मिनी इडली को एक नए अंदाज में सर्व करें। उन्हें चेरी टमाटर, खीरे और पनीर के छोटे टुकड़ों के साथ बारी-बारी से स्क्यूअर्स पर पिरोएं। अतिरिक्त स्वाद के लिए थोड़ी चटनी या केचप डालें। यह देखने में कबाब जैसा लगता है, लेकिन बच्चों को काफी पसंद आता है।

स्वीट पोटैटो फ्राई

बच्चों को अक्सर डीप-फ्राइड पोटैटो चिप्स काफी पसंद आते हैं। आप इन्हें स्वीट पोटैटो फ्राई से बदल सकती हैं। इसके लिए आप शकरकंद को छीलकर स्टिक में काट लें, उन्हें ऑलिव ऑयल, एक चुटकी नमक और पेपरिका के साथ मिलाएं और क्रिस्पी होने तक बेक करें। वे दिखने और स्वाद में फ्राई जैसे होते हैं लेकिन उनमें प्राकृतिक मिठास का अहसास होता है।

टोरंटो में कनाडाई इंटरनेशनल ऑटो शो में 1886 की बेंच पेटेंट मोटर वैगन के प्रतिरुप को देखते हुए लोग। दस दिवसीय इस शॉ में 40 से अधिक ऑटोमाबाइल प्रतियोगियों ने भाग लिया।

नए आयकर बिलः टैक्स सरल बनाने की कवायद

- धारा 80सी के तहत किए गए हैं बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चर्चा का विषय बना दिया है नया आयकर बिल का प्रस्ताव, जिसके अनुसार टैक्स संबंधी नियमों की भाषा सरल बनाई जाएगी। नए बिल में कोई इनकम टैक्स स्लैब या कैपिटल गेन्स टैक्स संशोधन नहीं है, लेकिन धारा 80सी के तहत बड़े बदलाव हैं। यदि आप पुरानी टैक्स व्यवस्था का अनुसरण करते हैं, तो धारा 80सी के बजाय धारा 123 के तहत टैक्स बचाने के विकल्पों से परिचित होंगे। अब इस धारा के अनुसार टैक्सपेयर को प्राप्त राशि के उत्तराधिकारी द्वारा भुगतान किया गया या जमा की गई राशि पर छूट मिलेगी, जो शेड्यूल एक्सवी में उल्लिखित राशियों के कुल के बराबर होगी, परन्तु 1.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी। यह नया आयकर बिल 622 पन्नों का है और 536 धाराएं शामिल हैं, जबकि वर्तमान आयकर अधिनियम में 823 पन्नों में 298 धाराएं हैं।

नए बिल में हर धारा का एक खंड है, सिवाय उन अप्रासंगिक धाराओं के। जबकि बताया गया है कि इस बिल के माध्यम से कर कानूनों को सरल बनाया जाएगा।

ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के प्रस्ताव को ठुकराया

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई के अधिग्रहण का मामला

नई दिल्ली । विश्वविख्यात उद्यमी और एलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला के मालिक एलन मस्क को उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप ओपनएआई की अधिग्रहण की हसरत पूरी होने में मुश्किले आ रही है। ओपनएआई बोर्ड ने एलन मस्क के 97.4 बिलियन के अधिग्रहण प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, कहते हुए कि कंपनी बिक्री के लिए नहीं है। एलन मस्क जो पहले ओपनएआई के सह-संस्थापक थे, अब कंपनी से अलग हो चुके हैं। मस्क के वकील ने बताया कि ओपनएआई अपने लाभकारी उद्यम का निजी स्वामित्व बेचने की योजना बना रही है, जिससे कुछ बोर्ड सदस्य व्यक्तिगत लाभ उठा सकते हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और मस्क के बीच वर्षों से चल रहा टकराव जारी है, जिसमें एलन मस्क ने ओपनएआई को लाभकारी बनाने के पक्ष में नहीं देखा। ओपनएआई ने अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन बनाने की योजना बनाई थी, जिसका उद्देश्य था अधिक पूंजी जुटाना और गैर-लाभकारी प्रतिबंधों को हटाना। ओपनएआई ने मस्क के प्रति कटु रूख अपनाया है, जिससे वार्षिक बोर्ड की चुनौतियों में नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। एलन मस्क के वकीलों ने ओपनएआई के साथ चल रहे संघर्ष को निपटाने के लिए अदालत में कानूनी कदम उठाया है, जिसमें वकीलों ने कहा कि यदि ओपनएआई अपनी लाभकारी इकाई बनाने की योजना छोड़ देता है तो उनकी बोली वापस ली जाएगी। ओपनएआई ने मानवता के लिए एआई के लाभ को पहुंचाने की मिशन में प्रतिबद्धता जताई है, और इस उद्देश्य को मजबूत बनाने के लिए अपने मिशन पर कड़ी नजर रखी है। एलन मस्क और ओपनएआई के बीच टकराव के बीच बढ़ते विवाद में, एक ओर ओपनएआई ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जबकि दूसरी ओर मस्क और उनके वकील उसे निपटाने के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। इस संघर्ष के माध्यम से ओपनएआई की दिशा और उद्देश्य पर प्रकाश डालने के लिए और एलन मस्क की तकनीकी उच्चताओं को रक्षा करने के लिए एक सख्त स्तर पर कानूनी और नैतिक झगड़ा चल रहा है।

कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम

नई दिल्ली ।

वर्तमान में, देश में बिकने वाले कुल यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से भी कम है। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक कारों का बाजार धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है और 2025 में इसकी बिक्री दोगुनी होने की संभावना जताई जा रही है।

नए मॉडल के लॉन्च और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार के चलते यह आंकड़ा तेजी से बढ़ सकता है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के अनुसार, 2023 में भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 82,688 यूनिट थी, जो 2024 में 19.93प्रतिशत बढ़कर 99,165 यूनिट तक पहुंच गई। हालांकि, कुल यात्री वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी केवल 2.4प्रतिशत रही। हुंडई के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग के अनुसार, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और नए मॉडल की बढ़ती संख्या से 2025 में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री दोगुनी हो सकती है।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ वर्षों में इलेक्ट्रिक कारें भारतीय बाजार में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। वर्तमान में, भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार में टाटा मोटर्स का दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी 2024 में 62.01प्रतिशतरही। हालांकि, नए कंपनियों के प्रवेश से यह परिदृश्य बदल सकता है।

2025 में मारुति ई-विटारा, हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक, महिंद्रा बीई6 और किआ कैरेंस ईवी जैसी कई नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च होने वाली हैं।

भारतीय बाजार में 78 लाख करोड़ की गिरावट

- भारत के एमकैप ने 10 अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ पार किया था

नई दिल्ली ।

भारतीय बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) शुक्रवार को नीचे दिखा 400 लाख करोड़ रुपये से नीचे पहुंच गया। हालांकि, बाजार थोड़ा सुधरकर 400.2 लाख करोड़ रुपये पर रुका, जो इस साल का सबसे निचला स्तर है। भारत के एमकैप ने 10 अप्रैल को पहली बार 400 लाख करोड़ रुपये का स्तर पार किया था और 29 सितंबर को यह 477.93 लाख करोड़ रुपये की ऊंचाई पर पहुंचा था। तब से बाजार पूंजीकरण में करीब 78 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। तेज गिरावट की मुख्य वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा बिकवाली की गई निवेशों के पीछे है। एफपीआई ने इस वर्ष कुल 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की है। तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर रह सकते हैं, जिससे बाजार में ताजा बिकवाली का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन, यह खरीदारी के अवसर भी पैदा कर सकता है जिसमें मजबूत वृद्धि या सुधार की राह पर बढ़ रही कंपनियाँ शामिल हो सकती हैं। बाजार का मार्केट कैप डॉलर में 4.6 लाख करोड़ डॉलर है, जो पिछले कुछ महीनों में करीब 1.2 लाख करोड़ डॉलर की कमी दर्ज की गई है। भारतीय बाजार अब मल्टीपल मूल्यांकन पर चुनौती खड़ी कर रहा है, जिससे निवेशकों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

एनपीसीआई ने यूपीआई यूजर्स के लिए बढ़ाई राहत, अब रिफंड होगा जल्द

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए देश के करोड़ों यूपीआई यूजर्स के लिए राहत की खबर आगामी है। अब फेल होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन या अटके हुए पैसों के रिफंड के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एक सर्कुलर के माध्यम से हाल ही में एनपीसीआई ने घोषणा की है कि नए नियमों के बैठक, चार्जबैक अनुरोधों की प्रक्रिया को ऑटोमेटेड कर दिया गया है। इस नई प्रक्रिया के अनुसार, लाभार्थी बैंकों द्वारा दाखिल किए गए ट्रांजेक्शन क्रेडिट कन्फर्मेशन (टीसीसी) या रिटर्न रिक्वेस्ट (आरईटी) के आधार पर चार्जबैक अनुरोध या तो ऑटोमेटेड रूप से स्वीकार या अस्वीकार कर दिए जाएंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि प्राथमिक ट्रांजेक्शन-रिलेटेड मुद्दों को तेजी से समाधान किया जा सके। इस ऑटोमेटेड प्रक्रिया की शुरुआत 15 फरवरी से हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो यूपीआई यूजर्स को फायदा पहुंचाएगा और उन्हें सुविधात्मक रूप से सेवाएं प्रदान करेगा। इस नई प्रक्रिया से चार्जबैक की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और दक्षता आएगी, जिससे सिस्टम में सुधार होगा।

वेलेंटाइन डे के बाद चांदी 1 लाख के पार, सोना भी हुआ महंगा

नई दिल्ली । फरवरी के महीने में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। एक ही दिन में चांदी की कीमत में 2,350 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई, इससे वह 1,00,600 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। वेलेंटाइन डे के बाद सोने और चांदी की कीमतें और भी बढ़ गई हैं जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। भारत में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए प्रति ग्राम तक पहुंच गई है, जबकि 24 कैरेट सोने की दर 8,732 रुपए प्रति ग्राम हो गई है। वहीं चांदी की भी कीमत 100.60 रुपए प्रति ग्राम और 1,00,600 रुपए प्रति किलोग्राम है। यह अचानक बढ़ोतरी ने चांदी को 1 लाख के पार पहुंचा दिया है। विभिन्न शहरों में सोने की कीमतों में इजाफा होने से लोगों के मुताबिक सोने-चांदी की कीमतों में और बढ़ोतरी की संभावना है। नई दिल्ली में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,732 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। लखनऊ में 22 कैरेट सोने की कीमत 8,006 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,732 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। पटना में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,996 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,722 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। मुंबई में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,991 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,717 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। कोलकाता में 22 कैरेट सोने की कीमत 7,991 रुपए, जबकि 24 कैरेट सोने के दाम 8,717 रुपये प्रति ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है।

एलआईसी ने तीसरी तिमाही में कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड मुनाफा 11,008 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते साल की समान तिमाही में 9,468.99 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी का कर के बाद मुनाफा 29,138 करोड़ रुपये रहा है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 26,913 करोड़ रुपये पर था। यह सालाना आधार पर 8.27 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में कंपनी ने 3,40,563 करोड़ रुपये का कुल प्रीमियम जुटाया है। इसमें सालाना आधार पर 5.51 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। कंपनी का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) सालाना आधार पर 10.29 प्रतिशत बढ़कर 54,77,651 करोड़ रुपये हो गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में एलआईसी की नए बिजनेस प्रीमियम आय (व्यक्तिगत) सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत बढ़कर 42,441 करोड़ रुपये रही है। एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा, हमारा ध्यान और रणनीति एक गतिशील वातावरण में अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद और चैनल मिश्रण को बदलने की दिशा में लगातार बना हुआ है। मोहंती ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस (वीएनबी) मार्जिन बेहतर होकर 17.1 प्रतिशत हो गया है, जो कि बीते साल समान अवधि में 16.6 प्रतिशत था। इस दौरान वैल्यू ऑफ न्यू बिजनेस 6,477 करोड़ रुपये रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5,938 करोड़ रुपये थी। मोहंती ने बताया कि अब तक 1.25 लाख से अधिक महिलाओं को बीमा सखी योजना में पंजीकृत किया गया है और 70,000 से अधिक को बीमा सखी के रूप में नियुक्त किया है।

बीते हफ्ते बाजार में रही दो महीने में सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई ।

ट्रंप की टैरिफ नीतियों पर अनिश्चितता, मिश्रित कारपोरेट आय, निरंत एफआईआई बिकवाली और डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट की वजह से बीते सप्ताह भारतीय बाजार में दो सप्ताह की बढ़त का सिलसिला टूट गया और ये दो महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो ताजा टैरिफ चिंताओं और विदेशी फंडों के निरंतर निकासी के बीच सोमवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 343.83 अंक गिरकर 77,516.36 अंक पर खुला और 548.39 अंक गिरकर सप्ताह के निचले स्तर 77,311.80 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 105.55 अंक गिरकर 23,454.40 अंक पर खुला और 178.35 अंक गिरकर 23,381.60 पर बंद हुआ। स्मॉल और मिडकैप शेयरों में बड़ी बिकवाली के कारण मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट दिखी। सेंसेक्स 1,120.72 अंक गिरकर 76,191.08 पर खुला और 1,018.20 अंक गिरकर दो सप्ताह के निचले स्तर 76,293.60 पर बंद हुआ। निफ्टी 345.65 (अंक फिसलकर 23,035.95 के स्तर पर खुला और 309.80 अंक टूटकर 23,071.80 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 274.56 अंक की गिरावट के साथ 76,019.04 अंक पर खुला और 122.52 अंक की गिरावट के साथ 76,171.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 78.45 अंक फिसलकर 22,993.35 अंक पर खुला और एनएसई निफ्टी लगातार छठे दिन गिरावट के साथ 26.55 अंक गिरकर 23,045.25 पर बंद हुआ। लगातार गिरावट की मार झेल रहे निवेशकों के लिए गुरुवार की सुबह राहत भरी खबर लेकर आई। शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। इस दौरान सेंसेक्स 214.08 अंक बढ़कर 76,385.16 अंक पर खुला और 32.11 अंक गिरकर 76,138.97 पर बंद हुआ। निफ्टी 69.8 अंक चढ़कर 23,115.05 अंक पर खुला और 13.85 अंक गिरकर 23,031.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 282.82 अंक या फिर 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,856.15 पर खुला और 199 अंक की गिरावट के साथ 75,939 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 134.20 अंक की गिरावट पर खुला और 102 अंक की गिरावट रही, ये 22,929 के स्तर पर बंद हुआ।

फोर्टिस हेल्थकेयर श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करेगी

मुंबई । फोर्टिस हेल्थकेयर ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फोर्टिस हॉस्पिटल के माध्यम से श्रीमन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। इस सौदे के तहत फोर्टिस हेल्थकेयर ने श्रीमन अस्पताल के पूरे व्यवसाय संचालन, अस्पताल की इमारत और अस्पताल की जमीन का अधिग्रहण करेगी है। कंपनी ने कहा कि यह लेन-देन पूरी तरह से नकद में होगा और कुल खरीद मूल्य लगभग 462 करोड़ रुपये है। इसमें स्टांप ड्यूटी और अन्य नियामक खर्च शामिल नहीं है। एफएचएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए कई अधिग्रहण कर रहे हैं और इस अधिग्रहण को हम एक अच्छा कदम मानते हैं क्योंकि कंपनी की पहले से ही पंजाब में मजबूत उपस्थिति है, जिससे हमें इस अस्पताल के अधिग्रहण से अधिक लाभ मिलेगा।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को शीर्ष उद्योग संगठनों ने बताया ऐतिहासिक, व्यापार और निवेश में होगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

शीर्ष उद्योग संगठनों एसोचैम और फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा को व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने में ऐतिहासिक बताया।

एसोचैम के अध्यक्ष संजय नायर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के निरंतर विश्वास और मजबूती का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से कई ठोस परिणाम सामने आए हैं। इसमें रक्षा, आतंकवाद, जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा, दोनों देशों को कवर करने वाली ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश के अलावा भारत की मानव पूंजी का लाभ उठाने में सहयोग को मजबूत करना शामिल है। एक अन्य प्रमुख परिणाम, वर्ष के अंत तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए यूएस-भारत रोडमैप का विकास है।

वहीं फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार के अनुसार, यह यात्रा गहन आर्थिक सहयोग, व्यापार का विस्तार, निवेश को बढ़ावा देने और दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभर रहा है। ये घटनाक्रम भारतीय निर्यातकों को नए मौके प्रदान करेगा। टेक्नोलॉजी, डिफेंस और ग्रीन एनर्जी पर ध्यान केंद्रित करने से विशेष रूप से भारत के निर्यात क्षेत्रों को लाभ होगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। कुमार ने बढ़ते निवेश फोकस की सराहना की, जो भारत में नए उद्योगों और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, मेक इन इंडिया पहल को गति प्रदान करेगा और भारतीय निर्यात की मांग को बढ़ाएगा।

फोकस क्षेत्रों में टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और वस्त्र शामिल हैं, जिसका महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिशन 500 के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 500 अरब डॉलर तक पहुंचना है। कुमार ने इस साल के अंत तक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए प्रारंभिक समय-सीमा की सराहना की, जिसका उद्देश्य बाजार पहुंच बढ़ाना, व्यापार बाधाओं को कम करना और सप्लाई चेन इंटीग्रेशन में सुधार करना है। फियो प्रमुख कुमार ने कहा, ये निवेश भारतीय निर्यातकों के लिए नए मौके पैदा करेगा और भारत को नवाचार तथा विनिर्माण के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। आईटी, एआई और 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाने पर मुख्य ध्यान दिया गया, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय तकनीकी व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण विकास संभावनाएं खुलेंगी।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशक चिंतित

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार आठवें दिन गिरावट से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। इस गिरावट से निवेशकों के 25.31 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ नीतियों और वैश्विक ट्रेड वॉर की आशंका से बाजार की स्थिति और कमजोर हो गई है। विशेषज्ञों की राय बाजार के भविष्य को लेकर अब भी मिले-जुले संकेत दे रही है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि कमजोर तिमाही नतीजों, रुपए में गिरावट और टैरिफ जैसे बाहरी फैक्टर्स से निकट भविष्य में बाजार धारणा कमजोर रहने का अनुमान है। इस हफ्ते लगातार आठ सत्रों में हुई बिकवाली से निवेशकों में चिंता है। अगले हफ्ते बाजार में तेजी आने पर दांव लगाने की भी संभावना है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 3.24 फीसदी और मिडकैप इंडेक्स में 2.59 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में भी गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सिर्फ आईटी क्षेत्र फायदे में रहा, जबकि बाकी सेक्टर में निकली गिरावट। निवेशकों के लिए आगे का माहौल अनिश्चित है और विशेषज्ञों की मान्यता है कि सावधानी बरतनी चाहिए।

बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष में 262 करोड़ का मुनाफा कमाया

नई दिल्ली । भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इस साल उनके निगम ने 17 साल बाद पहली बार मुनाफा दर्ज किया है। सरकार ने हाल ही में बीएसएनएल की 4जी सर्विस के विस्तार के लिए अत्यधिक 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किया था। इससे कंपनी ने सेवाओं और ग्राहक बेस को बढ़ाने पर फोकस किया। कंपनी ने अपनी लागत और व्यय में कटौती की है जिससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में घाटे में कमी आई है। उनके मोबाइल सेवाओं में आमदनी में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीएसएनएल के इस मुनाफे को एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। उन्होंने यह भी बताया कि बीएसएनएल ने एबीआईटीडीए वित्त वर्ष 23-24 तक दोगुनी हो गई है, जिससे उनका अनुमानित राजस्व लगभग 2,100 करोड़ रुपये हो गया है। इन सभी नतीजों से साफ होता है कि बीएसएनल ने 4जी सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करके एक बड़ा कदम उठाया है और इससे कंपनी के लिए एक उज्जवल भविष्य की संभावना है।

दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा : भगदड़ से शमशान घाट बन गया रेलवे स्टेशन जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा।

भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं जिसका ताजा घटनाक्रम 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सैकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों

महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया। ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो. रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल व रेलवे स्टेशन शमशानघाट बनते रहेगें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का महास्फोट

यह कुंभ कई मायनों में अप्रतिम रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के अनुसार अब तक प्रयागराज के महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शायद ही कोई संत, महंत, साधु, संन्यासी ऐसा हो, जो चाहे किसी अखाड़े या संप्रदाय से क्यों न जुड़ा हुआ हो यहां न आया हो। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर सत्ता पक्ष के लगभग सभी बड़े नेता कुंभ स्नान कर चुके हैं। अंबानी और अडानी सहित देश के शीर्षक उद्योगपति परिवारों के लोग त्रिवेणी के जल में स्नान कर चुके हैं। फिल्म उद्योग तथा अन्य गतिविधियों से जुड़े हुए प्रसिद्ध और चर्चित चेहरे प्रयागराज की माटी चूम चुके हैं। सामान्य श्रद्धालुओं का जो उत्साह प्रारंभ में उमड़ता हुआ दिखाई दिया था उसकी उमड़.किसी भी दिन कम नहीं हुई। मौनी अमावस्या के दिन दुखद दुर्घटना हुई। कुछ श्रद्धालुओं की मृत्यु भी हुई। कई स्तर पर अव्यवस्था भी दिखाई दी। प्रयागराज पहुंचने वाले हर मार्ग पर मीलों लंबे जाम लगे। इन सबके अतिरिक्त विपक्षी दलों के नेताओं। ने चुन चुन कर प्रहार किया कांग्रेस के नेताओं ने कुंभ की मूल भावनाओं पर ही सवाल खड़े किए। इसके बावजूद आस्था के ज्वार में हर उत्सव को ठंडा करने वाला हर तत्व बह गया। शायद दुनिया की यह एकमात्र ऐसी परिघटना है जहां आस्था का इतना विकेट उद्वेलन देखा जा रहा है। अगर राजनीति की बात हो तो सत्ता पक्ष सत्ता पक्ष उत्साहित है, लेकिन विपक्ष को आस्था का यह सैलाब परेशान

कर रहा है और प्रश्न यह है कि यह बाढ़ के नियंत्रित पानी जैसा या सुनामी जैसा आस्था का जो समुद्र उमड़ा है, क्या वह किसी रचनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है जिसे अंततः अनियंत्रित होकर अराजक हो जाना है। क्या हिन्दुत्ववादी शक्तियों के पास सचमुच कोई ऐसी योजना है जिससे आस्था की इस स्फोट से राष्ट्रीय समाज के उत्थान के अनुशासित ऊर्जा का सृजन हो सके। अगर यह आस्था सकारात्मक और रचनात्मक दिशा की ओर नहीं ले जायी जाती है तो इसके परिणाम भारत जैसे बहुलतावादी देश के लिए नकारात्मक भी हो सकते हैं। वस्तुतः आस्था के समुद्र पर ऐसे बांध बनाने की जरूरत है जिनसे राष्ट्र हितवारी ऊर्जा संपन्न हो सके और सामाजिक विवेक का विस्तार हो सके।

सूक्ति

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है
- विंस्टन चर्चिल

हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते है
- मार्टिन लूथर किंग

चिंतन-मनन

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है।

धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए। भगवान महावीर अपने युग के सफल धर्म-प्रवर्तक थे। धर्म को जानने या पाने के लिए उन्हें किसी परंपरा का अनुगमन नहीं करना पड़ा। उन्होंने उस समय धर्म के द्विविध रुप का निरूपण किया। उनकी दृष्टि में धर्म का एक रूप अमृतोपम था तो दूसरा प्राणलेवा जहर जैसा।

दिल्ली का मुख्य मंत्री कौन ?

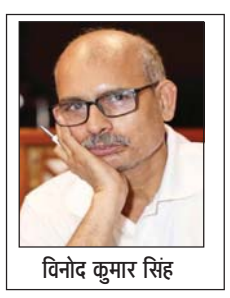

विनोद कुमार सिंह

दिल्ली चुनाव में आप को अंहकार ले डुबी... देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों बंसत की बहती ब्यार के संग सता के सिंघासन पर कौन,दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा,इस पर चर्चा,चिन्तन व चिंताए दिखने लगी है। जैसा कि आप को मालुम है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव सम्पन्न व परिणाम भी हफ्ते बीत गए है। दिल्ली की जनता अपने नए मुख्य मंत्री का स्वागत करने का तत्पर है। लेकिन 48 सीट पर विजयश्री का सेहरा पहनें के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की जनता को उनका मुख्य मंत्री देने में लाचार दिख रही है।8 फरवरी को दिल्ली विधान सभा के नतीजे आए,हालाँकि मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान कभी भी हो जाएगा।नए सीएम के नाम की घोषणा में देरी की वजह प्रधानमंत्री मोदी का देश से बाहर होना था।ये बातें हम सब जानते हैं।सी ०एम० पद के दावेदारों के रूप में कई नाम पर कयास लगाये जा रहे है।रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता दिल्ली के नए मुख्यहो सकते हैं।श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के स्टूडेंट रहे विजेंद्र गुप्ता धीर गंभीर इंसान हैं।दिल्ली के मसलों को खूब जानते हैं।तीन बार नगर निगम पार्षद और चौथी बार विधायक बने हैं।वही जनकपुरी से विधायक आशीष सूद के नाम की भी चर्चा है।डिसू के अध्यक्ष रहे हैं।

कुछ लोगों के अनुसार प्रवेश वर्मा सी एम बनाए जायेंग या उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जा सकते हैं।दिल्ली की कैबिनेट में राजौरी के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा को भी लिया जा सकता है।जंगपुरा से विधायक मारवाह या गांधी नगर वाले लवली के कैबिनेट में जगह बनाने की उम्मीद कम है।इसके पीछे उनका मूलतः कांग्रेसी होना है।जीके से विधायिका शिखा राय को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वो भी पंजाबी हैं।कैलाश गहलोत को नई कैबिनेट में कोई खास विभाग मिलना निश्चित है।वो केजरीवाल सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री थे।समझदार नेता हैं।जाट समाज से आते हैं।अगर मुस्तफाबाद से विधायक बने मोहन सिंह बिष्ट को विधान सभा का स्पीकर बनाया जा सकता है।वो भी लगातार विधायक बन रहे हैं।खैर ! वही राजनीति के पांडितयों के मध्य इन दोनों अरविन्द केजरीवाल व उनकी पार्टी आप की हार पर गहन अध्ययन व विवेचन किया जा रहा है। मै आप को बता दूँ कि भारतीय राजनीति के क्षितिज पर अन्ना हजारे के आन्दोलन का अबलम्बन ले कर जिस तरह आम आदमी के आशा व उम्मींद की नई किरण के साथ अरविन्द केजरीवाल ना केवल आया बल्कि अपने पार्टी का भी आम आदमी पार्टी रखा।जिस पर दिल्ली की भोली जनता ने दिल्ली सरकार के सता ना केवल तीन बारे के शीला दीक्षित को बाहर निकाल फेक कर अरविन्द केजरीवाल की सता पर आसीन किया।केजरीवाल के तीन बार मुख्यमंत्री बने रहें।भाग्य की विडम्बना देखिए जिस भष्ट्राचार , अपराध मुक्त विरोध में बुलन्द आवाज झण्डा चलते है।अंत स्वयं वे व उनकी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता जेल चले गए,बाद में जेल से जमानत पर है।जहाँ तक इस बार दिल्ली विधान सभा का प्रशन है।तो मै स्पष्ट कर दूँ कि कुछ महीने पुर्व से ही केजरीवाल व उनकी पार्टी के खिलाफ माहौल चल रहा था।चुनाव आते आते ह्यकट्टर ईमानदारह्न केजरीवाल के कल तक जो कट्टर समर्थक थे और इसके जबरदस्त विरोधी हो गये थे।ठीक वैसे ही जैसे पाँच वर्ष पूर्व पहले से ही दबी जुबान में भी डंका केजरीवाल का ही बोल रहा था।दिल्ली की जनता जर्नादन का संदेश साफ साफ था कि केजरीवाल जी तुम्हारीह्य गुमराहगीरी अब नहीं चलेगी।तुम अपने झूठ के सहारे एक बार नही बल्कि दो दो बार सता पा सकते हैं लेकिन बार बार नहीं,दिल्ली की जनता अब समझ चुकी थी कि अरविन्द केजरीवाल अपने विरोधी भाजपा व काँग्रेस पर जो आरोपों के सहारे तस्वीर बना रहे हैं।उनसे उनकी व आप की हार की लहर इन तस्वीरों में झलक रही थी।अरविंद केजरीवाल व उनकी पार्टी की हार पर निश्चित तौर पर भाजपाई में खुशी है कि भारतीय राजनीति में केजरीवाल की मौकापरस्त व उनकी मूल्यविहीन राजनीति की हार है। उनका कहना है कि जिस अन्ना आंदोलन से लेकर अरविंद केजरीवाल ने अपना राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी। सर्वविदित रहे कि अन्ना आंदोलन में सबसे पहले मंच पर भारत माता की बड़ी तस्वीर लगाई गई थी।लेकिन केजरीवाल और कंपनी ने जब देखा कि उससे इतना ज्यादा आकर्षण नहीं आ रहा है तो तुरंत उन्होंने अन्ना हजारे के पीछे महात्मा गांधी का बड़ा चित्र लगा दिया।परिणान स्वरूप अरविंद केजरीवाल रातों-रात त्याग तपस्या की मूर्ति व ईमानदारी का चोला ओढ़कर सबसे बड़े गाँधीवादी बन गए।कई बार उन्होंने राजघाट पर बापू की समाधि पर मौन व्रत और शांतिपूर्ण धरना भी दिया।लेकिन पहला मौका पाते ही उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यालय और फिर पंजाब में बनी सरकार के मुख्यमंत्री के कार्यालय से भी महात्मा धी की तस्वीर गायब कर दी।केजरीवाल की मौका परस्ती का यह बहुत बड़ा उदाहरण है। यहाँ पर मै स्पष्ट कर दूँ कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(आरएसएस)हमेशा से गाँधी की विचारधारा का विरोधी रहा है लेकिन आरएसएस की पार्टी भाजपा के नेताओं ने भी कभी महात्मा गांधी की तस्वीर हटाने की हिम्मत नहीं की।जहाँ तक दिल्ली के मुसलमान के प्रशन है,तो दिल्ली के मुस्लीम मतदाताओं ने तीन चुनाव से आम आदमी पार्टी को वोट दे रहा है लेकिन शाहीनबाग में महिलाओं के धरने प्रदर्शन में मुख्यमंत्री केजरीवाल या उनका कोई व्यक्ति नहीं गया।दिल्ली के दंगों में उनकी भूमिका मुस्लिम विरोधी रही।सी ए ए(उअअ)व एन आर सी(ठफ्ह)के मुद्दे पर वे खामोश रहे।भारत के इतिहास में जब पहली बार कश्मीर के रूप में किसी राज्य का पूर्ण राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया तो केजरीवाल ने सबसे पहले उसका स्वागत किया।

और राजनीति में सत्यता और ईमानदारी की बात करने वाले केजरीवाल अंततः शराब घोटाले में फंस गए।मैं नहीं जानता कि वाकई यह घोटाला हुआ या नहीं,इसमें केजरीवाल या उनके लोगों ने पैसा खाया या नहीं,लेकिन इतना तो सब लोग जानते हैं कि उन्होंने दिल्ली के घर-घर में शराब आसानी से उपलब्ध कराने की नीति बनाई थी।कम से कम यह नीति उस नैतिकता के बिल्कुल उलट है,जिसका स्वांग केजरीवाल भरा करते थे।उनके आलीशान सरकारी बंगले की नुमाइश भी उनके सादगी के अभिनय पर भारी पड़ी।जब इन सब बातों को एक साथ मिलकर देखते हैं तो सोचना पड़ता है कि अगरभाजपा की जगह केजरीवाल जीत जाते तो आखिर भारत के संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कोई फायदा होने वाला तो नहीं था।

*दबी जुबान से राजनीति पण्डितओं का मानना है कि अरविन्द केजरीवाल व आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव में आप को अंहकार ले डुबी जहाँ तक मत के प्रतिशत का सवाल है तो दिल्ली कांग्रेस पार्टी ने अच्छा ही किया जो अपने दम पर चुनाव लड़ा 6.4 % से अधिक वोट पाए वहीकेजरीवाल की पार्टी करीब 2.4 प्रतिशत वोट से भाजपा से हार गई। उनका मानना है कि दिल्ली,पंजाब, गोवा,गुजरात,हरियाणा व उत्तराखंड में केजरीवाल व उनकी पार्टी ने कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाया।इतना नुकसान खाने के बाद कम से कम कांग्रेस की यह नैतिक या रणनीतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वह भाजपा की बी टीम केजरीवाल की पालकी अपने कंधे पर ढोएते हुए काँग्रेस की पराजय को अपने गले मे हार बनाकर घुमते रहें।

वैश्विकी: म्यूनिख में अमेरिका-यूरोप टकराव

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फामूर्ला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेड़ी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एड़ीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है।

यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैश्विक तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए। एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विश्वव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार' मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

विनीत कुमार सिंह ने बताया कवि कलश के रूप में एक योद्धा की भूमिका के लिए कैसे तैयारी की

छावा रिलीज हो गई है। इस ऐतिहासिक फिल्म में हैरान करने वाला तत्व अभिनेता विनीत कुमार सिंह हैं, जिन्होंने राजे के करीबी विश्वासपात्र चंदोगामात्य कवि कलश की भूमिका निभाई है। चंदोगामात्य, जैसा कि संभाजी महाराज ने भी पूरी फिल्म में उन्हें प्यार से संबोधित किया है, उन्होंने हर कदम पर साबित किया कि वे स्वराज के प्रति वफादार थे। जहां तक यह भूमिका निभाने वाले विनीत की बात है, तो उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने और बाकी कलाकारों ने फिल्म में प्रतिष्ठित मराठा योद्धाओं की भूमिका निभाने के लिए कितनी कठिन मेहनत की थी।

विनीत ने खुलासा किया, मैंने छावा के लिए व्यापक तैयारी की। और यह लगभग 11 महीने तक चली। उस समय, हमें पूरी तरह से प्रशिक्षित किया गया था कि मराठा योद्धा की बारीकियों को कैसे अपनाया जाए। मैंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, लाठी चलाना और भाला चलाना आदि सीखा और ये प्रशिक्षण अवधि भी फिल्म की शूटिंग के साथ मेल खाती थी। अब आप कह सकते हैं कि मैं शास्त्र विद्या में थोड़ा प्रशिक्षित हूं। मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। मुझे ये अवसर देने के लिए फिल्मों को धन्यवाद। लक्ष्मण उतेकर सर और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद। काम के मोर्चे पर, विनीत जल्द ही सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में नज़र आएंगे, जहां वह एक भावुक लेखक की भूमिका निभाएंगे। 28 फरवरी को रिलीज होने के लिए तैयार, रीमा कागती निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इसके बाद उनके पास जाट है, जिसके लिए वह फिलहाल शूटिंग कर रहे हैं।

मुझे भी डिंपल मैम जैसा कुछ शानदार करना है

निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' के पोस्टर में सुट्ठा मारती नजर आईं अभिनेत्री कृति सेनन का अभिनय फिल्म दर फिल्म निखरा है। वह मानती हैं कि उन्हें हिंदी सिनेमा की दमदार अभिनेत्रियों से काफी कुछ सीखने को मिला है। हाल ही में कृति सेनन से साझा कि उन्होंने बॉलीवुड की कुछ नामी, टैलेंटेड एक्ट्रेसेस से काफी कुछ सीखा है। वह इन्हें अपना आइडल मानती हैं। इन एक्ट्रेसेस में काजोल, तब्बू, डिंपल कपाड़िया और करीना कपूर शामिल हैं।

डिंपल मैम के रंग बिरंगे चश्मे

मुझे पता है कि ये इतना आसान नहीं होता लेकिन अभिनय मैंने दूसरों को देखकर ही सीखा है। अक्सर कहा जाता है कि अभिनेत्रियों के बीच सहज संवाद कम ही होता है पर मैंने जितनी भी हीरोइन के साथ काम किया, उनमें डिंपल (कपाड़िया) मैम का रुतबा सबसे अलग दिखा है। उनका क्या ही तो स्टाइल है, कमाल कॉन्फीडेंस और उनके रंग बिरंगे धूप के चश्मे, उफ़! एक दिन मैं भी उनके जैसे किरदार करना चाहूंगी।

करीना का करिश्मा

करीना कपूर को वैसे देखिए तो वह बहुत ही मस्तमौला टाइप की इंसान लगती है। लेकिन, सेट पर आते ही वह एकदम से बदल जाती हैं। कैमरे की नजरों में वह अलग ही दिखती हैं। हर सीन से पहले हर संवाद को तरह तरह से बोलकर याद करती हैं।

तब्बू मैम का ताव

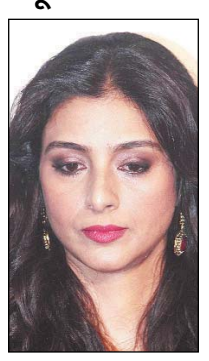

तब्बू मैम का ताव हिंदी सिनेमा में सबसे अनोखा है। उनके किरदारों की पूरी एक फेहरिस्त मेरे पास है जिनको मौका मिले तो मैं तुरंत करना चाहूंगी। वह अपने अभिनय की आशुकवि हैं। उनके दिमाग में न जाने कहां से वह सब कैमरा ऑन होते ही आ जाता है। उनके चेहरे की एक मुस्कुराहट पूरे सीन का भाव बदल देती है।

काजोल की कलाकारी

काजोल मैम के साथ मैंने पहले फिल्म 'दिलवाले' की थी और फिर 'दो पत्ती'। इतने साल अभिनय करने के बाद भी वह हर बार कुछ नया, कुछ बेहतर करने के लिए एक न्यूकमर की तरह लालायित दिखती हैं। अभिनय के प्रति उनका ये समर्पण अक्सर मुझे शाहरुख (खान) सर की याद दिलाता है।

स्टार किड्स से बेहतर काम कर रहे हैं बाहरी कलाकार

साल 2016 में आई फिल्म सनम तेरी कसम को सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर आई नई फिल्मों से ज्यादा फैंस का प्यार मिल रहा है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म को देख फैंस की मांग बढ़ गई है कि अभिनेता को बड़ी फिल्मों में कास्ट किया जाए। हर्षवर्धन राणे इन दिनों इंडस्ट्री में स्ट्रगल कर रहे हैं।

चर्चा से ज्यादा है काम पर विश्वास

बातचीत में हर्षवर्धन ने बताया कि कैसे उन्हें इंडस्ट्री में चल रहे भाई-भतीजावाद से परेशानी है। हर्षवर्धन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं उन लोगों में से हूं जो अपने आस-पास चल रही आवाजों से ज्यादा काम करने में विश्वास करता हूं। कहा जाता है कि स्टार किड्स को बेहतर काम मिला है, लेकिन जब मैं लिस्ट देखता हूं, तो इसमें से कुछ लोग पहले ही अपने काम से हट चुके हैं।

बाहर से आए लोग कर रहे बेहतर काम

हर्षवर्धन राणे ने कहा कि स्टार किड्स से ज्यादा इंडस्ट्री के लोग बेहतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उनकी सफलता पर नजर क्यों नहीं डालते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से ही नहीं अगर हमें किसी भी चीज पर संशय हो तो हमें उसके नोट्स बनाकर रख लेने चाहिए, इसमें कोई बुराई नहीं है।

बाहरी कलाकार कर रहे हैं अच्छा काम

हर्षवर्धन ने कहा, मैं कहता हूं कि स्टार किड्स से ज्यादा बाहर से आए लोग बेहतर काम कर रहे हैं। स्टार किड्स को इंडस्ट्री बाहर से आए कलाकारों से कम ही काम मिल रहा है। इंडस्ट्री से कोई ताल्लुक न रखने वाले कलाकार ही बेहतर काम कर रहे हैं।

प्रोड्यूसर का मिला प्यार

अभिनेता ने इस बातचीत में कहा कि मैं चाहता हूं कि इंडस्ट्री मुझ पर विश्वास करे। सनम तेरी कसम फिल्म को लेकर हर्षवर्धन ने कहा, मुझे उन्होंने एक बेहतर कहानी दी, जिसे मैंने बहुत अच्छे तरीके से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। मैं आखिरी में प्रोड्यूसर को खुश देखना चाहता हूं। उन्होंने मुझे जोर से गले लगा लिया था, जब ये फिल्म रिलीज हुई थी। मुझे फिल्म के कारण बहुत सारे फैंस का प्यार भी मिला है, जो मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।

कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का गाना खुद गाया और लिखा है?

बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी कावेरी कपूर के लिए हमेशा खास रहेगी। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है, बल्कि इसलिए कि उन्होंने फिल्म के लिए एक खूबसूरत गाना गाया और कंपोज किया। फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने एक खूबसूरत धुन है, जो जीवन के उस उथल-पुथल में खुद को खोजने के बारे में है, जो कभी-कभी जीवन बन जाता है। यह इस के बारे में है कि जीवन के घटित होने के बाद जीवन का क्या अर्थ है। यह आगे बढ़ने के बारे में है चाहे कुछ भी हो। और जो चीज़ गाने के पीछे के अर्थ की सुंदरता में जान डाल देती है, वह है कावेरी की भावपूर्ण आवाज़।

यह गाना कैसे बना, इस बारे में बात करते हुए कावेरी ने बताया कि जब वह केवल 15 साल की थीं, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। यह उन्होंने एक याद के रूप में लिखा था। लेकिन जैसे गाने में बताया गया है, कावेरी का जीवन और उनके प्लान उस समय बदल गए जब उन्हें बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का प्रस्ताव मिला और कुछ बदलावों के बाद इसे फिल्म के साउंडट्रैक में इस गाने को शामिल किया गया। कावेरी ने कहा, यह गाना कभी भी हिंदी गाना नहीं था और मेरी इसे किसी फिल्म में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी। जब मैं 15 साल की थी तब मैंने यह गाना बनाया और लिखा था। लेकिन जब फिल्म बनी और कुणाल कोहली और निर्माता मोहन नादर ने इसे सुना, तो उन्हें यह इतना पसंद आया कि उन्होंने मुझसे इसे शामिल करने के लिए कहा। गाना, जिसे दरअसल पहले ए.आर. रहमान और कावेरी ने अंग्रेज़ी में रिकॉर्ड किया था। गीतकार प्रसून जोशी द्वारा केवल दो दिनों में हिंदी में फिर से तैयार की गई और ए. आर. रहमान द्वारा निर्मित की गई, जिसमें मूल रचना और गायन का श्रेय स्वयं कावेरी को दिया गया।

स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती

पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार इन दिनों अपने नए गाने 'कह दो ना' को लेकर चर्चा में हैं। ये गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने में उनके साथ मनप्रीत कौर भी हैं। अब जीतेंद्र ने गाने और अपने इंडस्ट्री के सफर के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि फिल्ममेकिंग में राइटिंग सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती है।

गाने की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

जब मैंने पहली बार गाना सुना, तो मुझे यह नहीं पता था कि इसे किसने बनाया है। लेकिन रेखा मैम (रेखा भारद्वाज) की आवाज ने मुझे आकर्षित किया। जब मैं क्रिएटिव टीम से मिला और उन्होंने जिस तरीके से ब्रीफ किया मुझे बहुत अच्छा लगा। शूटिंग के दौरान, जब भी मस्ती और मजाक का मौका मिलता, हम इसका आनंद लेते थे और इस दौरान कुछ नई दोस्तियां भी बनीं।

आप अपनी जर्नी को किस तरह से देखते हैं?

मेरी जर्नी काफी रोचक रही है। मुझे बहुत अच्छे मौके मिले और मैं कई दिलचस्प किरदारों का हिस्सा बना। मुझे खुशी है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बना जो अलग और यूनिक थीं। मैं चाहता हूं कि मैं और भी नई कहानियां और किरदार करूं, जो लोगों ने पहले नहीं देखे हों।

अब राइटिंग के काम को किस तरफ से देखते हैं?

फिल्ममेकिंग में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राइटिंग है। वही लोग जो फिल्म बना रहे हैं, उन्हें पता होता है कि क्या होने वाला है, कौन से किरदार होंगे और स्क्रीन पर क्या दिखाई देगा। राइटर और डायरेक्टर की कल्पना बहुत जरूरी है। अब एक्टर्स भी अच्छे राइटर्स के साथ काम करना चाहते हैं क्योंकि अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो बाकी सारी चीजें सेकेंडरी हो जाती हैं। इसलिए राइटिंग को सबसे ज्यादा महत्व दिया जा रहा है।

ओटीटी कैसा प्लेटफॉर्म है?

7-8 साल पहले जो साधारण कंटेंट था, वह अब बदल चुका है। अब लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बहुत तरह के कंटेंट देख रहे हैं, जो रोमांटिक, थ्रिलर और फैंटेसी जैसी शैलियों में होते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने फिल्म मेकर्स को ज्यादा स्वतंत्रता दी है, जिससे वे अपना कंटेंट ज्यादा प्रयोगात्मक तरीके से बना सकते हैं। अगर कंटेंट अच्छा होता है, तो लोग उसे पसंद करते हैं और यह हिट हो जाता है।

डिसएग्रीमेंट्स को कैसे हैंडल करते हैं?

ऐसी स्थितियां आती हैं जब डिसएग्रीमेंट्स होते हैं और उस समय लगता है कि सबसे बुरा हो गया है। कई बार यह निगेटिव एनर्जी देती है और आगे बढ़ने में रुकावट डालती है। मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में हमें कुछ भी दिल पर नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है। किसी के साथ बिना कुछ कहे अगर आप कुछ रखते हैं, तो वह सिर्फ आपका नुकसान है। इसलिए, हमेशा खुलकर अपनी बात कहनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

बजट की वजह से ऋतिक की कृष 4 में हो रही देरी

तिक रोशन की फिल्म ऋकृष भारतीय सिनेमा की सबसे सफल फ्रेंचाइज फिल्मों में से एक है। अब इसका चौथा पार्ट आने वाला है। राकेश रोशन ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने फिल्म स्केल और बजट को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा... मुझे पता है कि लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब तक किसी तरह फिल्म के बजट को सही तरीके से तय नहीं कर पाए हैं। यह फिल्म लार्ज स्केल पर बननी है। अब अगर मैं बजट को कम करने के लिए इसके स्केल को कम करता हूं, तो यह एक साधारण फिल्म की तरह लगती है। अब दुनिया छोटी हो गई है। इन दिनों, बच्चों को कई तरह की सुपरहीरो फिल्में दिखाई जा रही हैं। ऐसे में छोटी से छोटी गलती भी पकड़ में आ जाएगी और उसकी आलोचना होगी।

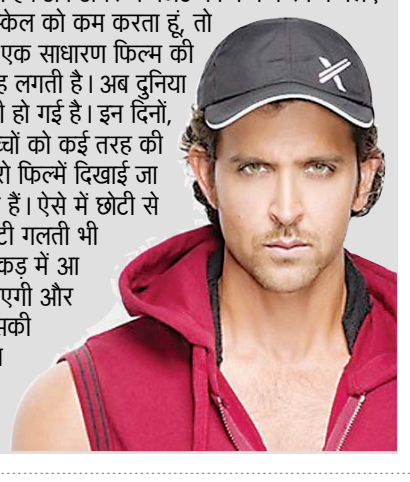

विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा (एजेंसी)। अपने पहले मैच में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की।

अच्छी शुरुआत से दोनों टीम का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन आरसीबी की टीम विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक संतुलित नजर आ रही है और इसलिए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। आरसीबी की बल्लेबाजी इकाई की मजबूती का पता इससे चलता है कि उसने 200 से अधिक रन के लक्ष्य को बड़ी आसानी से हासिल किया।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम अपना यह प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। आरसीबी को राघवी बिष्ट और कनिका आहूजा जैसी युवा खिलाड़ियों के कारण मजबूती मिली है जो मंधाना, एलिसे पेरी, ऋचा घोष और डैनी व्याट के साथ सहजता से घुल-मिल गई हैं। राघवी और कनिका ने पहले मैच में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी के गेंदबाजों को हालांकि कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजी ने उसे पेरी की कमी महसूस हो रही है। ऑस्ट्रेलिया की यह स्टार ऑलराउंडर चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगी।

दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आरसीबी के गेंदबाजों को उन पर लगाम लगाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान मेग लैनिंग, एनाबेल सदरलैंड, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एलिस कैप्सी और सारा ब्राइस जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह के

आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकती हैं। तेज गेंदबाज शिखा पांडे की अगुवाई वाली दिल्ली की गेंदबाजी इकाई ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 164 रन पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखने की कोशिश करेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स : मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मारिज़ैन कैप, राधा यादव, टिटास साधु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, किम गर्थ, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, हीथर ग्राहम, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, चार्ली डीन।

रणजी टीम से भी बाहर हुए यशस्वी

मुम्बई (एजेंसी)। युवा सलामी बल्लेबाज जायसवाल को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में यशस्वी रणजी ट्रॉफी में खेलने जा रहे थे पर अब वह भी संभवन नहीं है। यशस्वी चोटिल होने के कारण रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल से भी बाहर हो गए हैं। रणजी सेमीफाइनल नागपुर के जामठा में सोमवार से मुंबई और विदर्भ के बीच शुरु होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यशस्वी के बाएं टखने में दर्द है और उनको जांच के लिए बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ले जाया जाएगा। आज रविवार को नागपुर में मुंबई के अभ्यास सत्र में फील्डिंग पर नेट्स में बल्लेबाजी करते समय उन्हें दर्द उभरने लगा। कहा जा रहा है कि उनकी पुरानी चोट फिर से उभर आई है। अब उनकी रिकवरी प्रक्रिया बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगी।÷

यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है और दोनो को ही नॉन ट्रैवलिंग सब्स्टीट्यूट के तौर पर रखा गया है। इससे साफ है कि जब कोई खिलाड़ी चोटिल होता है तो विकल्प के तौर पर इन्हें शामिल किया जाएगा। यशस्वी ने इस सत्र कमात्र रणजी ट्रॉफी मैच जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेला था।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं विराट

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास एक अहम रिकार्ड बनाने का अवसर है। विराट इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष खिलाड़ी बन सकते हैं। भारतीय टीम 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत करेगी और दौरान सभी की नजरें विराट कोहली पर रहेंगी। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाकर फार्म हासिल कर लिया है। ऐसे में सभी को उनसे अधिक से अधिक रन बनाने की उम्मीदें रहेंगी। विराट अपनी चौथी चैंपियंस ट्रॉफी खेल रहे हैं। विराट ने अब तक 13 मैचों में 529 रन बनाए हैं और इस प्रकार वह भारतीय टीम के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के सफल बल्लेबाज बनने के लिए केव 173 रन चाहिये।

अभी शिखर धवन के नाम चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक रन हैं, जिन्होंने 2013 और 2017 की चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 701 रन बनाए थे। धवन दोनों चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। भारत ने 2013 में ट्रॉफी जीती थी जबकि 2017 में टीम फाइनल तक पहुंची थी। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली 665 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2000 और 2002 में चैंपियंस ट्रॉफी खेले थे। विराट ने चैंपियंस ट्रॉफी में 12 पारियों में 529 रन बनाए हैं, जिसमें पांच अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका औसत 88.16 का है और उन्होंने 53 चौके लगाए हैं। भारत को इस टूर्नामेंट में कम से कम तीन मैच खेलने हैं, और कोहली के पास रन बनाकर इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने का सुनहरा अवसर होगा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में केवल एक अनुभवी तेज गेंदबाज के साथ उतर रही भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम को 19 फरवरी से होने वाली आईसीस चैम्पियंस ट्रॉफी में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। कप्तान रोहित शर्मा भी पिछले कुछ समय से लगातार असफल रहे है। ऐसे में उनका लक्ष्य भी इस ट्रॉफी का जीतकर प्रशंसकों को खुश करना रहेगा। हालांकि ये इतना आसान भी नहीं है। इसका कारया मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नहीं होना है। बुमराह ने पिछले कुछ समय में हर सीरीज में अबसे अधिक विकेट लिए हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास मोहम्मद शमी के अलाव कोई भी अनुभवी तेज गेंदबाज नहीं है। टीम के पास अन्य तेज गेंदबाजों में युवा हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह है। वहीं टीम पांच स्पिनरों के साथ जा रही है।

टीम के साथ रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर रहेंगे। भारत के मैच दुबई में होने हैं जहां तेज गेंदबाजों को अधिक सफलता मिलती रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर 2009 के बाद से 58 एकदिवसीय खेले गये हैं जिसमें तेज गेंदबाजों को पांच से कम की इकॉनामी दर से 466 विकेट मिले हैं। वहीं स्पिनरों को 334 विकेट मिले हैं और उनकी किफायत दर 4.2 रही है। वहीं भारतीय टीम 5 स्पिनर लेकर जा रही है और उसे ये रणनीति भारी पड़ सकती है। उसके पास स्पिन ऑलराउंडर के रूप में रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं जबकि विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव हैं।

पांच स्पिनरों को लेकर जाने पर भी सवाल उठ रहे है क्योंकि दुबई की पिचों पर स्पिनरों को अधिक सहायता

नहीं मिलती है। टीम में शामिल रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें हैं और अब देखना है कि वह क्या करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में लीग चरण में भारत को बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है और इनमें से किसी ने भी वरुण का पहले सामना नहीं किया है। जडेजा और अक्षर का खेलना लगभग तय है और वरुण के खेलने पर कुलदीप यादव को बाहर रहना पड़ सकता है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा, दुबई में पिच से गेंदबाजों को शारजाह की तुलना में अधिक मदद मिलती है। तेज गेंदबाजों को यहां सफलता मिलती रही है जिसकी वजह से पाकिस्तान ने टीम में अधिक तेज गेंदबाज चुने हैं हालांकि उन्हें यहां ज्यादा मैच नहीं खेलने हैं। बुमराह के बाहर होने पर सिराज की जगह राणा को चुनने पर भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि ऐसे टूर्नामेंटों में अनुभव खिलाड़ी की जरुरत रहती है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या है मोहम्मद शमी और अर्शदीप या राणा के साथ तीसरे तेज गेंदबाज होंगे पर उनके साथ कई बार फिटनेस की समस्या आज जाती है।वहीं कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि पुरानी गेंद से अधिक प्रभावी नहीं होने के कारण ही सिराज को बाहर रखा गया। राणा ने टी20 में पदार्पण करके छठे गेंदबाज के तौर पर 33 रन देकर तीन विकेट लिए थे। भारतीय टीम की जीत के लिए कप्तान रोहित शर्मा औ अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

पाकिस्तान का तेज गेंदबाज चोट से उबरा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए होगा उपलब्ध

करांची - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ चोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। सूत्र ने कहा, 'हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है।% सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है। टीम को चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में हार का बदला चुकता करने का मौका मिलेगा जिसमें वे गत विजेता भी हैं।

श्रेयंका डब्ल्यूपीएल से बाहर हुई

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की श्रेयंका पाटिल फिट नहीं होने के कारण महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के तीसरे सत्र से बाहर हो गयी हैं। आरसीबी के अनुसार श्रेयंका अपनी चोट से नहीं उबर पायी हैं। इसी कारण उनकी जगह पर ऑलराउंडर स्नेह राणा को शामिल किया गया है। फ्रेंचाइजी ने उनके बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अपनी पिंडली की चोट से परेशान हैं जिसका वह अभी इलाज करायेंगी। श्रेयंका ने आरसीबी की ओर से पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 8 मैचों में 13 विकेट लिए थे। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करारा झटका है। लीग में श्रेयंका के अलावा आशा शोभना और सोफी मोलिनक्स की चोटिल होकर बाहर हो गयी हैं। श्रेयंका की जगह पर शामिल राणा ने गुजरात जायंट्स के लिए डब्ल्यूपीएल के दो सत्रों के 12 मैचों में भाग लिया है। उसने दो मैचों में टीम की कप्तानी भी की थी।

चैंपियंस ट्रॉफी में स्मिथ पारी शुरु करें : गिलक्रिस्ट

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के करिश्माई विकेटकीपर बल्लेबाज रहे क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा कि 19 फरवरी से होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में कप्तानी कर स्टीव स्मिथ पारी की शुरुआत करें। गिलक्रिस्ट के अनुसार इससे स्मिथ को अधिक से अधिक गेंदें खेलने के लिए मिलेंगी। इससे पहले हुए श्रीलंका दौरे में स्मिथ ने मध्यक्रम के बल्लेबाज के तौर पर काफी कम रन बनाये थे। गिलक्रिस्ट के अनुसार युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क अभी रन नहीं बना पा रहे हैं। ऐसे में स्मिथ को पारी शुरु करनी चाहिए। गिलक्रिस्ट के अनुसार मैट शॉर्ट को भी शीर्ष क्रम में ट्रैविस हेड के साथ उतारा जा सकता है पर अभी स्मिथ को पारी शुरु करनी चाहिए क्योंकि शॉर्ट के पास अधिक अनभव नहीं है।

उन्होंने कहा,मुझे मैट को बल्लेबाजी में हैड

के साथ उतारना भी अच्छा प्रयोग लग रहा है। इससे बाएं हाथ और दाएं हाथ का अच्छा संयोजन बनेगा। वहीं स्मिथ भी पारी शुरु कर कर सकते हैं, टी20 में हमने उन्हें 20 ओवर के क्रिकेट में ऐसा करते हुए देखा है। वह मध्यक्रम में काफी अच्छे बल्लेबाजी है पर पारी की शुरुआत में भी वह सफल रहेंगे। इससे उन्हें ज्यादा गेंदों का सामना करने का अवसर मिलेगा। टीम चैंपियंस ट्रॉफी में मिशेल स्टार्क, जोश हेज़लवुड और पैट कमिंस जैसे शीर्ष तेज गेंदबाजों के बिना उतरेगी। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और मिशेल मार्श भी उसके साथ नहीं हैं, ऐसे में युवा खिलाड़ियों पर अधिक जम्मेदारी है। ऑस्ट्रेलिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लीग चरण के मैचों में इंग्लैंड, अफ़गानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला करना है। गिलक्रिस्ट को लगता है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनकी सीमित तैयारी के कारण टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि इस प्रारूप के संबंध में सीमित तैयारी हुई है।

चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में पहुंचने लीग के सभी तीन मैच जीतने होंगे

मुम्बई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरु हो रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है हालांकि इसमें भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं हालांकि मेजबान पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका भी प्रबल दावेदारों में शामिल हैं। इसमें भाग ले रही सभी आठ टीमों को चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है और इन सभी टीमों को तीन-तीन लीग मुकाबले खेलने होंगे और सेमीफाइनल में पहुंचने ये तीनों ही मैच जीतने होंगे। एक भी हार टीम को खिताब की दौड़ से बाहर कर सकती है। इसमें शीर्ष पर रही दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को नॉकआउट टूर्नामेंट माना जाता है। यहां एक भी मैच हारना टीम की उम्मीदों को समाप्त कर सकता है। भारतीय टीम को ग्रुप ए में मेजबान पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम इंडिया पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को खेलेगी। इसके बाद 23 फरवरी को उसका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। वहीं भारतीय टीम को अपना अंतिम लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सीधे जगह बनाने के लिए सभी तीनों मैच जीतने होंगे। वहीं अगर तीन में से 1 मैच भी टीम हारती है तो उसे अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़ेगा। चार टीमों के ग्रुप में दो ऐसी टीमें जिन्होंने 2-2 मुकाबला जीते होने पर सेमीफाइनल में जाने वाली टीम का फैसला नेट रन रेट के आधार पर किया जाएगा।

यानिक सिनर और वाडा के बीच समझौता, टेनिस खिलाड़ी बोले- अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं

लंदन । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर पर डोपिंग मामले में तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के समझौते की टेनिस खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। सिनर और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के बीच निलंबन को लेकर समझौता हो गया है जिसका मतलब है कि इटली का यह खिलाड़ी पांच मई से फिर से खेल सकता है। इससे उनकी विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा तथा वह सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे। पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाए जाने वाले सिनर को कोई खिताब या पुरस्कार राशि भी नहीं गंवानी पड़ेगी। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका ने एक्स पर लिखा, 'मैं अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं करता।' विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने एक्स पर कहा, 'टेनिस में निष्पक्षता मौजूद नहीं है। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। कोई खिताब नहीं खोया, कोई पुरस्कार राशि नहीं खोई। दोषी है या नहीं? टेनिस के लिए दुखद दिन।' विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मार्सिले ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हर कोई वाडा के साथ चर्चा कर सकता है और अब से यानिक सिनर की तरह खुद का बचाव कर सकता है।' विश्व के पूर्व नंबर एक ब्रिटिश खिलाड़ी टिम हेनमैन ने कहा, 'उसने अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता है और वह अगले तीन महीने तक एटीपी टूर में नहीं खेल पाएगा लेकिन फ्रेंच ओपन में खेलने का पात्र होगा। सिनर के लिए प्रतिबंध झेलने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था लेकिन यह इस खेल के लिए कड़वे घूंट की तरह है।' नोवाक जोकोविच और वासेक पोस्पिसिल द्वारा स्थापित प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल पार्टियों की आलोचना करते हुए एक्स पर जारी बयान में कहा, 'प्रणाली कोई प्रणाली नहीं है। यह एक क्लब है। यह केवल अनुरूप सौदों, अनुचित व्यवहार और असंगत निर्णयों के लिए कवर है। इसमें पारदर्शिता की कमी और प्रक्रिया का अभाव है।'

चैंपियंस ट्रॉफी के वह एतिहासिक क्षण जिन्हें भूला पाना है मुश्किल

दुबई (यूएई) (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 19 फरवरी से शुरू हो रही है जो पाकिस्तान और यूएई में खेली जाएगी। भारत अपने मैच यूएई में हाईब्रिड मॉडल के तहत खेलेगा जबकि बाकी का टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा। टूर्नामेंट से पहले आइए इसके पिछले संस्करणों के पांच सबसे प्रतिष्ठित क्षणों पर एक नजर डालते हैं जिन्हें भुला पाना मुश्किल है।

वीरेंद्र सहवाग ने गेंद से जीत दिलाने में की मदद

स्टार बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने अपनी ऑफ-स्पिन से खेल को बदल दिया क्योंकि भारत ने कोलंबो में दक्षिण अफ्रीका पर रोमांचक जीत के साथ 2002 के संस्करण के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। सहवाग ने पहले ही शानदार अर्धशतक का योगदान दिया था, जिसमें भारत ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में 261/9 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया था, लेकिन रन चेज के दौरान

प्रोटियाज नियंत्रण में दिखाई दिए और उन्होंने सात विकेट और नौ ओवर शेष रहते स्कोर 200 तक पहुंचा दिया। सहवाग ने मार्क बाउचर, जैक्स कैलिस और लांस क्लूजनर के महत्वपूर्ण विकेट लिए और भारत के लिए रोमांचक जीत सुनिश्चित की और श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

वेस्टइंडीज की शानदार जीत

2004 में लंदन के ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले में जब मुख्य बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल आउट हो गए और कैरेबियाई टीम को जीत के लिए 81 रन की जरूरत थी, तब वेस्टइंडीज के लिए चीजें निराशाजनक लग रही थीं, लेकिन कोर्टनी ब्राउन और इयान ब्रैडशॉ के बीच 9वें विकेट की अविश्वसनीय साझेदारी ने एक शानदार रन चेज का मार्ग प्रशस्त किया। ब्राउन और ब्रैडशॉ ने नाबाद 71 रनों की पारी खेली जिससे वेस्टइंडीज ने सात गेंद शेष रहते इंग्लैंड के 217 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया और कैरेबियाई टीम ने अपना पहला खिताब जीता।

इंग्लैंड ने घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका को हराया

2009 में सेंचुरियन में हुए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में इंग्लैंड ने मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका पर शानदार जीत के साथ नॉकआउट चरण में अपनी जगह पक्की की। ओवैस शाह ने बल्ले से हीरो बनकर 98 रनों की पारी खेली जिसमें उन्होंने छह छक्के लगाए जबकि तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने तीन-तीन विकेट चटकाए जिससे प्रोटियाज टीम जवाब में बुरी तरह से पिछड़ गई। ग्रीम स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार 141 रन की पारी खेली लेकिन यह काफी नहीं था क्योंकि इंग्लैंड ने काफी तेजी के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लसिथ मलिंगा का कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में शानदार प्रदर्शन

कम स्कोर वाले मुकाबलों में अक्सर रोमांचक अंत होता है और 2013 में कार्डिफ में ऐसा ही हुआ जब न्यूजीलैंड ने श्रीलंका पर एक विकेट से शानदार जीत दर्ज की। बहुत से लोगों ने उम्मीद नहीं की होगी कि श्रीलंका का 138 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी होगा, लेकिन तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के इरादे कुछ और ही थे, उन्होंने ब्लैक कैप्स के मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया और न्यूजीलैंड को जवाब में 122/8 पर रोक दिया। टिम साउथी और मिशेल मैक्लेनाघन को न्यूजीलैंड को जीत दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन इससे पहले श्रीलंका ने बड़ा उलटफेर कर दिया था।

फखर जमान ने पाकिस्तान को भारत पर जीत दिलाई

लंदन के ओवल में एक यादगार दिन था, जब पाकिस्तान ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत पर जोरदार जीत के साथ अपना पहला चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने शानदार शतक के साथ पाकिस्तान को 338/4 का स्कोर बनाने में मदद की और मोहम्मद आमिर के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि यह स्कोर पर्याप्त से अधिक हो। आमिर ने रोहित शर्मा और विराट कोहली को जल्दी-जल्दी आउट करके भारत के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया और भारत कभी भी उबर नहीं सका और जवाब में सिर्फ 158 रन पर ढेर हो गया।

चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर और बाबर से रहना होगा भारतीय टीम को सावधान

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरु हो रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंच गयी है। यहां भारतीय टीम को 23 फरवरी को पाकिस्तान से अहम मुकाबला खेलना है। ऐसे में भारतीय टीम पिछली बार हुए चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की यादों को भूलना चाहेगी। तब पाक टीम के फखर जमां और बाबर आजम के कारण भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी ये दोनों ही खिलाड़ी पाक टीम में हैं जिनसे भारतीय टीम को निपटना होगा। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि ये इस बार अपने पहले वाले फार्म में नजर नहीं आ रहे। ऐसे में विराट कोहली की कप्तानी में मिली हार का हिसाब रोहित शर्मा की टीम लेना चाहेगी। पिछली बार बाबर आजम, फखर जमां और फहीम अशरफ ने पाक टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी ये तीनो ही पाक टीम में शामिल हैं। बाबर आजम ने 2017 के फाइनल में 52 बॉल पर 46 रन की अहम पारी खेली थी। तब पाक टीम ने 338 रन बनाये थे। वहीं फखर जमां ने शतकीय पारी खेली थी। जिससे पाक टीम 338 रन बनाने में सफल रही थी।

संक्षिप्त समाचार

पोप फ्रांसिस अस्पताल में भर्ती

वेटिकन सिटी, एजेंसी। पोप फ्रांसिस (88) को सांस संबंधी तकलीफ और हल्के बुखार के कारण रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वेटिकन ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें ब्रोंकाइटिस की शिकायत थी। पिछले एक सप्ताह से समस्या लगातार बढ़ रही थी। पोप का उपचार किया जा रहा है और उनकी हालत संतोषजनक है। वेटिकन ने शुक्रवार शाम जारी बुलेटिन में कहा कि पोप को 6 फरवरी को ब्रोंकाइटिस का पता चला था, लेकिन वे अपने दैनिक कार्यक्रम जारी रखे हुए थे। हालांकि, उनका भाषणों उनके सहायक पढ़ रहे थे, क्योंकि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। पोप फ्रांसिस को युवावस्था में फेफड़े का एक हिस्सा निकालना पड़ा था, और वे लंबे समय से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझते रहे थे। उन्हें सर्दियों में अक्सर ब्रोंकाइटिस की शिकायत होती है। पिछले साल जून में भी उन्हें जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी आंतों की सर्जरी हुई थी। इससे पहले मार्च 2023 में भी उन्हें निमोनिया के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

क्रोएशिया में अवैध रूप से खतरनाक कचरे का निपटान करने के आरोप में 13 लोग गिरफ्तार

ज़ाग्रेब, एजेंसी। यूरोपीय संघ की कानून प्रवर्तन एजेंसी ने क्रोएशिया में खतरनाक कचरे के अवैध आयात और निपटान के आरोप में संदिग्ध तेरह लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने इस बारे में बयान भी जारी किया है। इसमें कंपनी ने कहा कि मुख्य संदिग्ध और दो क्रोएशियाई नागरिकों ने इटली, स्लोवेनिया और जर्मनी से क्रोएशिया तक अवैध खतरनाक अपशिष्ट को आयात किया था। इन लोगों ने उचित तरीके से कचरे का निपटान करने के बजाय उसे बस फेंक दिया। बयान में यह भी कहा गया है कि कम से कम 35,000 टन (38,580 अमेरिकी टन) कचरे का अवैध रूप से निपटान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 4 मिलियन यूरो (4.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का लाभ हुआ।

ट्रंप प्रशासन ने 2,000 से अधिक कर्मियों को नौकरी से निकाला : सूत्र

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशासन ने सरकारी नौकरियों में कटौती के तहत अमेरिका के गृह विभाग में कार्यरत करीब लगभग 2,300 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। सूत्रों के अनुसार गृह विभाग अमेरिकी की करीब 50 करोड़ एकड़ सार्वजनिक भूमि का प्रबंधन करता है। इसमें इसके राष्ट्रीय उद्यान भी शामिल हैं। यह देश के तटवर्ती और अपतटीय तेल और गैस पट्टे कार्यक्रमों का भी प्रबंधन करता है। सूत्र ने बताया कि छंटनी में भूमि प्रबंधन ब्यूरो के करीब 800 कर्मी भी शामिल हैं। बता दें कि ट्रंप ने अरबपति उद्यमी एलन मस्क को सरकारी खर्च और नौकरशाही में कटौती करने का जिम्मा सौंपा है। इसी के चलते एजेंसियों और विभागों में बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू हो गई है।

ब्रिटेन ने टाटा समूह के चेयरमैन को दी नाइटहुड की मानद उपाधि

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को नाइटहुड की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया। उन्हें यह उपाधि ब्रिटेन-भारत व्यापार संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए दी गई है, समूह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए लिखा, चंद्रशेखरन को ब्रिटिश साम्राज्य के द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (सिविल डिवीजन) - मानद डीबीई/केबीई से सम्मानित किया गया। यह उत्कृष्ट योगदान के लिए यूके सरकार की तरफ से दिया वाला एक खास सम्मान है। सम्मान मिलने पर चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा ग्रुप को यूके के साथ अपने मजबूत और दीर्घकालिक साझेदारी पर बहुत गर्व है। हमारा व्यवसाय यूके में तकनीक, उपभोक्ता उत्पाद, आतिथ्य, इस्पात, रसायन और ऑटोमोटिव जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। उन्होंने आगे कहा, हमें जगुआर लैंड रोवर और टेटली जैसे अपने प्रतिष्ठित ब्रिटिश ब्रांडों पर अविश्वसनीय तौर से बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में हमारी कंपनी 70,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है। उन्होंने आगे कहा कि टाटा समूह का यूनाइटेड किंगडम (यूके) के शीर्ष विश्वविद्यालयों के साथ मजबूत और सफल शोध व शैक्षणिक साझेदारी है। इनमें यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक और यूनिवर्सिटी ऑफ स्वानसी शामिल हैं। चंद्रशेखरन ने यूके सरकार को टाटा समूह को समर्थन देने के लिए शुक्रिया कगा। उन्होंने इस संबंध को मजबूत और लंबे समय तक टिकने वाला बताते हुए कहा कि वे यूके में टाटा की मौजूदगी को और बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

ओपनएआई बोर्ड ने मस्क को दिया झटका

वाशिंगटन, एजेंसी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के बाद अब ओपनएआई के बोर्ड ने भी मस्क को झटका दे दिया है। दरअसल ओपनएआई के बोर्ड ने एकमत होकर एलन मस्क के 97 अरब डॉलर में ओपनएआई का अधिग्रहण करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ओपनएआई बोर्ड के अध्यक्ष ब्रेट टेलर ने एक बयान में कहा कि ओपनएआई बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है और बोर्ड एकमत होकर मस्क द्वारा प्रतिस्पर्धा को खत्म करने की उनकी कोशिश को खारिज करता है। बता दें कि मस्क और निवेशकों के एक समूह ने ओपनएआई का 97 अरब डॉलर में अधिग्रहण करने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन सैम ऑल्टमैन ने मस्क के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और उल्टा 9.7 अरब डॉलर में एक्स को खरीदने का प्रस्ताव दे दिया था।

अमेरिका बोला- हम यूक्रेन में टिकाऊ शांति चाहते हैं : यूरोप से कहा- अपनी सुरक्षा मजबूत करो, ताकि हम दूसरे खतरों पर फोकस करें

म्यूनिख, एजेंसी। जर्मनी के म्यूनिख में जारी सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक की। वेंस ने कहा कि अमेरिका यूक्रेन में टिकाऊ और स्थायी शांति चाहता है। हम ऐसी शांति नहीं चाहते जिससे आने वाले सालों में पूर्वी यूरोप में संघर्ष शुरू हो जाए। जेडी वेंस ने यूरोप से कहा कि वह अपनी रक्षा को मजबूत करने के लिए कदम बढ़ाए ताकि अमेरिका दुनिया में अन्य जगहों पर मौजूद खतरों पर भी फोकस कर सके। बैठक से पहले वेंस ने कहा था कि यूरोप को भी इस बैठक में शामिल होना चाहिए। अमेरिका रूस पर दबाव बनाने के लिए तैयार है। म्यूनिख में 14 फरवरी से 16 फरवरी तक 3 दिन की सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस जारी है।

जेलेंस्की का सुरक्षा गारंटी पर जोर : जेलेंस्की ने वेंस के साथ मुलाकात के बाद कहा कि हमारी बीच अच्छी बातचीत हुई। भले ही ये हमारे बीच पहली मुलाकात थी, लेकिन ये आखिरी नहीं है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने ङ्क पर लिखा- हम जल्द से जल्द सुरक्षा गारंटी के साथ शांति समझौते के लिए तैयार हैं। बैठक से पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अमेरिका और रूस बिना यूक्रेन को शामिल किए डील करते हैं, तो सफल नहीं होगी। जेलेंस्की का कहना था कि यूक्रेन तभी बातचीत के लिए तैयार होगा, जब सुरक्षा गारंटी मिलेगी। मैं कातिल (पुतिन) के साथ बैठने के लिए भी तैयार हूं, लेकिन सुरक्षा गारंटी के बिना सब बेकार है।

अप्रवासियों के मुद्दे पर यूरोप को आड़े हाथ लिया : अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने अप्रवासियों के मुद्दे पर भी यूरोपीय सरकारों को आड़े हाथ लिया। हाल ही में जर्मनी में एक अफगान व्यक्ति ने लोगों को कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें 36 लोग घायल हो गए थे। इसे लेकर उन्होंने कहा कि हमें कितनी बार इस तरह के भयानक झटकों का सामना करना पड़ेगा। यह एक डरावनी कहानी है, जिसे हमने यूरोप और अमेरिका में भी बहुत बार सुना है। ट्रम्प ने वेंस का सपोर्ट करते हुए कहा कि मैंने उनका भाषण सुना। उन्होंने अप्रवासियों के बारे में बात की, जो यूरोप में एक बड़ी दिक्कत है।

यूक्रेन की नाटो में सदस्यता को अमेरिका का सपोर्ट नहीं : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी बुधवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर जंग खत्म करने को लेकर बातचीत की थी। ट्रम्प की पुतिन से लगभग डेढ़ घंटे बातचीत हुई। दोनों नेता एक-दूसरे के देशों का दौरा करने पर सहमत हुए। दूसरी तरफ अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने साफ कर दिया कि अमेरिका अब युक्रेन को पहले की तरह बड़ी आर्थिक और सैन्य सहायता नहीं देगा। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प यूक्रेन की नाटो में सदस्यता का समर्थन नहीं करते हैं। हेगसेथ ने कहा कि यूक्रेन के लिए 2014 से पहले की सीमाओं पर लौटना अब असंभव है। अमेरिका रूस के साथ किसी भी शांति समझौते के लिए यूक्रेन में सैनिक नहीं भेजेगा।

ट्रम्प 100 दिन के भीतर जंग रोकने की कोशिश में जुटे : अमेरिका में ट्रम्प के शपथ लेने के बाद रूस-यूक्रेन जंग के समाप्त होने को लेकर चर्चा बढ़ गई है। चुनाव के दौड़ान ट्रम्प ने यह दावा किया था कि वे शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर जंग रोक देंगे। पिछले महीने यूक्रेन में ट्रम्प के विशेष शांति दूत कीथ केलॉग ने कहा था कि उनका मकसद ट्रम्प प्रशासन के 100 दिन के भीतर जंग रोकना है।

एलन मस्क का 13वां सीक्रेट बच्चा ? महिला का दावा- 5 महीने पहले बेटे को दिया जन्म

वाशिंगटन, एजेंसी। टेक अरबपति एलन मस्क को लेकर एक महिला ने बड़ा दावा किया है। एमएजीए इन्फ्लुएंसर ने कहा कि उसने एक बच्चे को जन्म दिया है, जिसके पिता एलन मस्क हैं। महिला के इस दावे को लेकर सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। लोग इसे सुनकर हैरान हैं और सवाल पूछे जा रहे हैं। 31 वर्षीय एशले सेंट क्लेयर ने वैलेंटाइंस डे पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही। उन्होंने बताया कि उनका और मस्क का एक बच्चा है जो अभी 5 महीने का है। मालूम हो कि क्लेयर दक्षिणपंथी झुकाव रखती हैं और उन्हें अपने विवादास्पद विचारों के लिए जाना जाता है। एशले क्लेयर ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, 5 महीने पहले मैंने एक बच्चे का इस दुनिया में स्वागत किया। इसके पिता एलन मस्क हैं। मैं अपने बच्चे की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर चिंतित थी। इसलिए मैंने पहले इसका खुलासा नहीं किया। मगर, हाल ही में पता चला कि टैब्लॉयड मीडिया ऐसा करने का इरादा रखता है और उसे इससे होने वाले नुकसान की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं तो अपने बच्चे को सामान्य और सुरक्षित वातावरण में बड़े होते देखना चाहती हूं। इसलिए मीडिया से अपील है कि हमारे बच्चे की गोपनीयता का सम्मान करे। रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क के 12 बच्चे हैं। उनकी तीन महिला पत्नियां रही हैं। उनकी पहली पत्नी जस्टिन के साथ उनके 6 बच्चे हुए। संगीतकार ग्रिम्स से 3 और न्यूरालिंक के पूर्व संचालन निदेशक शिवोन जिलिस से तीन बच्चे हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया जाता है कि एलन मस्क की कई महिला पार्टनर्स रही हैं। साल 2000 के बाद से वह अब तक कई महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में रह चुके हैं।

न्यूयॉर्क पुलिस को मिला लापता व्यक्ति का शव, दावा- पांच लोगों ने एक महीने से अधिक समय तक किया प्रताड़ित

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क पुलिस ने शुक्रवार को एक लापता व्यक्ति की हत्या मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लापता व्यक्ति के साथ एक महीने से अधिक समय तक मारपीट की गई। साथ ही उतने समय तक ही यातना देने के बाद उसकी हत्या कर शव को खेत में फेंक दिया गया। पुलिस ने आगे बताया कि 24 वर्षीय पीड़ित सैम नॉर्डक्रिस्ट एक ट्रांसजेंडर था जो मिनसोटा का रहने वाला था।

पिछले साल सितंबर में न्यूयॉर्क आया था सैम : बता दें कि सैम नॉर्डक्रिस्ट का लापता होना 9 फरवरी को रिपोर्ट किया गया था, और वह पिछले साल सितंबर में न्यूयॉर्क आया था। इसके बाद से उसका किसी से संपर्क नहीं हुआ था। मामले में पुलिस ने बताया कि नॉर्डक्रिस्ट को जो यातना और हत्या दी गई, वह बहुत ही क्रूर और शर्मनाक थी। यह उनकी अब तक की सबसे बुरी हत्या की जांच है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान : पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें कैनडाईगुआ, न्यूयॉर्क के 38 वर्षीय प्रेशियस अर्जुगा और 30 वर्षीय पैट्रिक गुडविन, रोचेस्टर, न्यूयॉर्क के 33 वर्षीय काइल सेज, और जिनेवा, न्यूयॉर्क की 19 वर्षीय एमिली मोट्यका शामिल हैं। पुलिस ने इन आरोपियों को दूसरे दर्जे की हत्या का आरोप लगाया है और वे सभी हिरासत में हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने यूरोपीय देशों को लगाई लताड़

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को यूरोप की अप्रवासन नीति, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीति पर जमकर भड़ास निकाली। जिसकी यूरोपीय देशों ने तीखी आलोचना की। जर्मनी के राष्ट्रपति ने जेडी वेंस की आलोचना पर नाराजगी जाहिर की। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने संबोधन में जेडी वेंस ने कहा कि यूरोप को अब अपनी सुरक्षा के लिए खुद कदम उठाने चाहिए। जेडी वेंस ने कहा कि वॉशिंगटन में अब एक नई सरकार आ गई है और अब चीजें उसके हिसाब से होंगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी वेंस के बयान का समर्थन किया और कहा कि यूरोप में अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में है। साथ ही ट्रंप ने अप्रवासन के मुद्दे पर भी वेंस के बयान के प्रति समर्थन जताया। जेडी वेंस का बयान उस घटना के बाद सामने आया है, जिसमें म्यूनिख में 24 वर्षीय अफगान युवक ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी, जिसमें 36 लोग घायल हो गए। वेंस ने कहा कि हमें कितनी बार इस तरह के हमले झेलने पड़ेंगे या फिर हमें अपनी सभ्यता को नई दिशा में लेकर जाना चाहिए? यूरोप और अमेरिका में इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं, जहां शरण लेने वाले लोगों ने इस तरह के हमलों को अंजाम दिया। वेंस ने कहा कि कोई भी मतदाता इसलिए मतदान नहीं करता कि शरणार्थियों के लिए

दरवाजे खोल दिए जाएं।

ग्रेटा थनबर्ग को लेकर क्या बोले वेंस : जर्मनी ने उनकी राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप का आरोप लगाया। जर्मनी का निशाना मस्क की तरफ था, जो जर्मनी के आम चुनाव में खुलकर जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी का समर्थन कर रहे हैं। जेडी वेंस ने भी म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी की प्रमुख एलिस वीडेल से मुलाकात की। जर्मन की राजनीति में दखल के आरोपों पर वेंस ने कहा कि अगर अमेरिकी लोकतंत्र 10 साल तक पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग की डांट सुन सकता है तो वे कुछ महीने तक एलन मस्क को झेल ही सकते हैं।

जर्मनी के राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री ने जताई बयान से नाराजगी : वेंस के इस बयान से जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई। वहीं जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वॉल्टर स्टीनमीर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका और जर्मनी के रिश्तों में गिरावट आई है। स्टीनमीर ने कहा कि दुनिया को लेकर जो हमारी सोच है, अमेरिका के मौजूदा प्रशासन की सोच उससे बहुत अलग है।

जर्मन राष्ट्रपति ने यूरोपीय देशों के नेताओं से अपील करते हुए कहा कि जब अमेरिका द्वारा विध्वंसक नीतियों का एलान किया जा रहा है तो ऐसे वक्त में यूरोपीय नेताओं को शांति बनाए रखनी चाहिए और हमें डरना नहीं चाहिए। वेंस ने यूरोप की अभिव्यक्ति की आजादी को कम करके आंका है। जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कहा कि वेंस ने यूरोप की राजनीति का जिस तरह से तानाशाही सरकार के रूप में चित्रण किया है, वह गलत है और बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा कदम, ट्रांसजेंडर अब नहीं बन पाएंगे अमेरिकी सैनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने घोषणा की है कि वह अब ट्रांसजेंडर लोगों को सेना में भर्ती होने की अनुमति नहीं देगी. साथ ही जवानों को लिंग परिवर्तन से संबंधित प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी. सोशल मीडिया एक्स पर साझा किए गए एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा कि यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है. लिंग को लेकर अवसाद के इतिहास वाले लोगों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए गए हैं. एक्स पर साझा की गई पोस्ट की एक श्रृंखला में अमेरिकी सेना ने लिखा, अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगा और सेवा से जुड़े सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगा.

इसमें आगे कहा गया, तत्काल प्रभाव से लिंग डिस्फोरिया के इतिहास वाले व्यक्तियों के लिए सभी नए प्रवेश रोक दिए गए हैं. अमेरिकी सेना की यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले महीने की गई घोषणा के बाद आई है. इसमें उन्होंने चार कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं जो

सेना को नया रूप देंगे. इसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सशस्त्र बलों में सेवा देने पर प्रतिबंध लगाना भी शामिल है. एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में अमेरिकी सेना ने कहा, लिंग संबंधी अवसाद वाले व्यक्तियों ने हमारे देश की सेवा करने के लिए स्वेच्छा से काम किया है और उनके साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाएगा. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार 27 जनवरी को ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने चार कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं जो सेना को नया स्वरूप देंगे. इसमें ट्रांसजेंडर सेवा सदस्यों को अमेरिकी सेना में सेवा देने पर प्रतिबंध लगाना और कोविड-19 के खिलाफ टीका लगवाने से इनकार करने के कारण बर्खास्त किए गए सैनिकों को पिछले वेतन के साथ बहाल करना शामिल है.

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने फ्लोरिडा से वाशिंगटन जाते समय एयर फोर्स वन विमान में सवार होकर कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए थे. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अपने पहले कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने 2017 में ट्रांसजेंडर अमेरिकियों को सशस्त्र बलों में सेवा देने से प्रतिबंधित कर दिया था. हालांकि, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में प्रतिबंध को निरस्त करने का आदेश जारी किया था. 20 जनवरी को 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटों बाद ट्रंप ने ट्रांसजेंडर सदस्यों को सेवा करने की अनुमति देने के बाइडेन प्रशासन के 2021 के कदम को रद्द करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका तक पहुंचने वाली मिसाइल का जल्द उत्पादन शुरू कर सकता है उत्तर कोरिया : अमेरिकी जनरल

सोल , एजेंसी। उत्तर कोरिया जल्द ही अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) का निर्माण शुरू कर सकता है। अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य कमांडर ने शुक्रवार को यह चेतावनी दी। जनरल ग्रेगरी गुइलोट ने सीनेट सशस्त्र सेवा समिति से कथित तौर पर कहा कि उत्तर कोरिया पूरे उत्तरी अमेरिका में अपने लक्ष्यों पर परमाणु बम गिरा सकता है। गुइलोट अमेरिकी उत्तरी कमान और उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस रक्षा कमान के प्रमुख हैं। समिति के समक्ष लिखित गवाही में गिलोट ने पिछले अक्टूबर में ह्वासोंग-19 (एचएस-19) आईसीबीएम के प्रारंभिक उड़ान परीक्षण का विवरण दिया। इसके बारे में विश्लेषकों का मानना ??है कि यह अधिक लम्बे समय तक और ज्यादा ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। यह बयान खासा अहम है क्योंकि डोनाल्ड्र ट्रंप पिछली बार प्योंयांग को लेकर काफी सकारात्मक बातें कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 जनवरी को कहा कि वे किम जोंग उन से फिर से संपर्क करेंगे। उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता को स्मार्ट शख्स बताया जिनसे वह तीन बार पहले मिल चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह किम से दोबारा संपर्क करेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया : हां, मैं करूंगा। वह मुझे पसंद करते हैं। इससे पहले वाशिंगटन में अपने शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत

बाद संवाददाताओं बातचीत के दौरान उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति बताया। वह यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि उनके और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के बीच बहुत अच्छा तालमेल है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने 7 फरवरी को उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की। आमने-सामने की शिखर वार्ता के बाद ट्रंप और इशिबा ने एक संयुक्त बयान जारी किया। दोनों पक्षों ने दक्षिण कोरिया के साथ त्रिपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। संयुक्त बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की और डीपीआरके के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

वियतनाम में मलेरिया के मामले 2024 में 21 प्रतिशत कम हुए

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में 2024 में मलेरिया के मामलों में गिरावट जारी रही। इस दौरान कुल 353 मामले सामने आए, जो पिछले साल की तुलना में 21 प्रतिशत कम है। वियतनाम न्यूज के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इन मामलों में से एक तिहाई बाहर से आए हुए थे। राहत की बात यह रही कि किसी की मृत्यु नहीं हुई और न ही कोई बड़ा संक्रमण फैला। यह वियतनाम की मलेरिया खत्म करने की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है।

राष्ट्रीय मलेरिया संस्थान के निदेशक होआंग दिन्ह काह ने बताया कि देश ने मलेरिया उन्मूलन में महत्वपूर्ण सफलता पाई है। वियतनाम के 48 प्रांतों और शहरों को आधिकारिक रूप से मलेरिया मुक्त घोषित किया जा चुका है। वियतनाम ने मलेरिया को समाप्त करने के लिए एक रणनीति बनाई है, जिसका लक्ष्य 2030 तक मलेरिया खत्म करना है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 2027 तक वियतनाम को यह सुनिश्चित करना होगा कि वहां मलेरिया के कोई स्थानीय मामले न हों। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो कुछ खास मच्छरों के काटने से फैलती है। यह आमतौर पर गर्म और नम जलवायु वाले देशों में पाई जाती है। यह बीमारी रोकी और ठीक की जा सकती है। मलेरिया एक परजीवी के कारण होता है और यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे नहीं फैलता। इसके लक्षण हल्के भी हो सकते हैं और गंभीर भी। हल्के लक्षणों में बुखार, ठंड लगना और सिरदर्द शामिल हैं, जबकि गंभीर लक्षणों में कमजोरी, भ्रम की स्थिति, दौरे पड़ना और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। नवजात और 5 साल से छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, वे लोग जो

मलेरिया प्रभावित क्षेत्र में यात्रा कर रहे हैं, एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोग मलेरिया के प्रति अधिक जोखिम वाले हैं। मलेरिया से बचने के लिए मच्छरों के काटने से बचाव करना जरूरी है। इसके लिए मच्छरदानी और दवाओं का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि समय पर इलाज न किया जाए, तो हल्के मामले गंभीर हो सकते हैं। मलेरिया मुख्य रूप से संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। संक्रमित खून चढ़ाने या दूषित सुई के इस्तेमाल से भी यह फैल सकता है। संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में इसकी सटीक पहचान मुश्किल हो सकती है। यदि पीड़ित व्यक्ति का इलाज न किया जाए, तो मलेरिया गंभीर रूप ले सकता है और 24 घंटे के भीतर जानलेवा हो सकता है। इसलिए शुरुआती जांच करवाना बहुत जरूरी है। विश्व मलेरिया रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में मलेरिया के 26.3 करोड़ मामले सामने आए, जबकि 2022 में यह संख्या 25.2 करोड़ थी। 2023 में अनुमानित 5,97,000 मौतें हुईं, जो 2022 में 6,00,000 थीं।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सुवेंदु के भाई दिब्येंदु और भारती घोष, तक पहुंची सीबीआई की जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई की जांच बीजेपी के दो बड़े नेताओं तक पहुंच गई है। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस घोटाले में अब पूर्व सांसद दिब्येंदु अधिकारी और पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष पर शक जताया जा रहा है। दिब्येंदु, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के भाई हैं और घोष अब बीजेपी में हैं। सीबीआई ने हाल ही में एक विस्तृत रिपोर्ट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें इन दोनों के अलावा तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर और अन्य प्रभावशाली लोगों के नाम भी शामिल हैं।सीबीआई के अनुसार, दिव्येंदु अधिकारी और ममता बाला ठाकुर ने 20-20 उम्मीदवारों की सिफारिश की थी, जबकि भारती घोष ने चार उम्मीदवारों को शिक्षक पद के लिए सिफारिश की। जांच एजेंसी को इस घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शिक्षा विभाग से मिले थे, जिनमें इन नेताओं द्वारा भेजी गई सिफारिशी चिट्ठियां शामिल थीं। इस मामले में जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं, उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। भारती घोष ने कहा कि उन्होंने सिर्फ एक उम्मीदवार के परीक्षा केंद्र बदलने की सिफारिश की थी, लेकिन घोटाले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है अगर उनका नाम इस मामले से जोड़ा जाता है। ममता बाला ठाकुर ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि वह निर्दोष हैं। दिब्येंदु अधिकारी ने बयान दिया कि वह सिर्फ अदालत या जांच एजेंसी के सामने ही अपना पक्ष रखेंगे।

एक्ट्रेस शीबा बोलीं-ममता साध्वी बन गईं तो इसमें गलत क्या है वह एंजॉय कर रही है

मुंबई,। बॉलीवुड अभिनेत्री शीबा आकाशदीप 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। शीबा ने अपने करियर में कई फिल्मों में लीड रोल के अलावा सपोर्टिंग एक्ट्रेस के तौर पर भी काम किया है। शीबा आज एक्टिंग छोड़ चुकी हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। शीबा ने एक इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान शीबा से ममता कुलकर्णी के साध्वी बनने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने जब ममता के बारे में सुना तो वह हैरान थी। शीबा ने कहा कि ममता कहीं-कहीं पर लगती है कि बहुत स्वीट सी है डम सी है। मतलब उसको शायद समझ नहीं आ रहा कि वह क्या बोल रही है। या फिर ये उसकी वास्तविकता होगी। मुझे उसके बारे में ज्यादा नहीं पता, लेकिन वह वास्तव में बहुत एंजॉय कर रही हैं। ममता से मिलने के सवाल पर शीबा ने कहा कि हां हम मिल चुके हैं। 90 के दशक की लड़कियां पार्टीज में कहीं न कहीं मिली ही हैं। मैंने जब से सुना है कि ममता साध्वी बन है तो तब से याद करने की कोशिश कर रही हूं कि ममता से कहां मिली लेकिन याद नहीं आ रहा कहां मिली थी लेकिन सौ फीसदी मिली हूं। लेकिन ममता आज भी कितनी सुंदर है, लेकिन कुछ गलत तो हो रहा है। अपने समय में वह बहुत खूबसूरत थीं। मेरे से कई लोगों ने पूछा कि वह साध्वी बन गई हैं आप क्या कहना चाहेंगी। मैंने कहा अगर वह एंजॉय कर रही हैं तो अच्छी बात है।

सचखंड गुरुद्वारा के पास गोलीबारी की जांच अब महाराष्ट्र एटीएस करेगी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में गोलीबारी की घटना की जांच अब एटीएस को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हुआ था। यह घटना 10 फरवरी को नांदेड़ के शाहिदपुरा में सचखंड गुरुद्वारा के पास हुई थी। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने गुरमीत सिंह सेवादार और उसके रिश्तेदार रविंद्र सिंह राठौर पर जब गोली चलाई थी जब दोनों स्कूटर पर जा रहे थे। सेवादार नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और पैरोल पर था। उन्होंने बताया कि राठौर की मौत हो गई, जबकि सेवादार गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंप दी गई है। मामले में दो लोगों ने हमलावर की मदद की थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना दस्तावेजों के रहने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं और निजी फर्मों में काम कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान पता चला कि 15 लोग निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सभी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी काम करते हैं।

14 मार्च को चांद हो जाएगा लाल, अमेरिका में दिखेगा नजारा, भारत पर असर नहीं

नई दिल्ली। 13 मार्च 2025 की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन मून ब्लड रेड तो होगा साथ ही पूर्ण चंद्रग्रहण भी होगा। अमेरिका में यह नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा, सूर्य और धरती सीधे एक ही रेखा में होंगे। चंद्रमा से लाल लंबी वेवलेंग्थ का प्रकाश धरती पर पड़ेगा।

अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों का दर्द, बोले-हथकड़ी-बेड़ी लगाकर भेजा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार रात अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें से कुछ ने अपना दर्द बयां किया और कहा कि उन्हें हथकड़ियां पहनाकर यहां लाया गया है। यही नहीं पैरों में जंजीरें भी डाली गई थीं।

बता दें कि पहली बार जब 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है।

इन भारतीय प्रवासियों से कुछ ने अपना दर्द मीडिया के सामने रखा और कहा कि हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी। ये लोग 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'डंकी' मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। इनके परिजनों का भी आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। पहले तो एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ।

बता दें अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा 5 फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल है। अधिकतर निर्वासित लोग 18 से 30 साल के हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 157 निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के 16 फरवरी को भारत आएगा।

मैं और मेरे परिवार को मारना चाहते हैं लोग : रणवीर इलाहाबादिया का पोस्ट

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में विवादास्पद टिप्पणी के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें उन्होंने बताया, मैं और मेरी टीम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और एजेंसियों के लिए मौजूद रहूंगा। माता-पिता को लेकर मेरी टिप्पणी बहुत ही असंवेदनशील और अपमानजनक थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर करूं और मैं सच में आपसे माफी मांगता हूं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम जांच में पुलिस का साथ दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। रणवीर ने कहा कि कुछ लोग उनकी मां की क्लीनिक में मरीज बनकर पहुंच गए थे और वो बहुत डरे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं देख रहा हूं कि लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, कह रहे हैं वो मुझे मारना चाहते हैं। लोग मेरी मां के क्लीनिक में मरीज बनकर घुस आए। मैं बहुत डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता मैं क्या करूं। मैं भाग नहीं रहा हूं। मुझे पुलिस और भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। बता दें, रणवीर इलाहाबादिया का बयान दर्ज करने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची थी, लेकिन पुलिस को उनके घर पर ताला लटका मिला। वहीं, उनका फोन भी बंद आ रहा था। पुलिस इस मामले में अभी तक रणवीर का बयान दर्ज नहीं कर पाई है।

काशी में भक्तों का सैलाब: लंबा इंतजार, दर्शन के लिए 5 किमी लंबी लाइन

वाराणसी (एजेंसी)। काशी और अयोध्या में वीकेंड पर श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ा है। वाराणसी में करीब 20 लाख लोग पहुंचे, जिससे मंदिर और रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है, वहीं गंगा आरती को 26 फरवरी तक रोक दिया गया है। इसके अलावा, शाम 6 बजे के बाद गंगा में नाव संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रविवार तड़के 2:45 बजे बाबा विश्वनाथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के बाहर 5 किलोमीटर तक लंबी कतारें लगी रहीं, और भक्तों को दर्शन करने में 5-6 घंटे का समय लगा है। भीड़ के चलते रेलवे स्टेशन पर भी हालात खराब रहे हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्री स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि वो 24 घंटे से ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ट्रेन उनके गंतव्य को जाने वाली नहीं आई।

अयोध्या में भी श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

अयोध्या में भी 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। हनुमान गढ़ी में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह तक नहीं बची। रामलला के दर्शन के लिए 2 किलोमीटर लंबी लाइन लगी। पुलिस द्वारा गाड़ियों को सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को 10 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य से काम लेने की अपील

काशी और अयोध्या में भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है। इसके साथ ही किसी अनहोनी से बचने प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि सभी सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

अगर कोई बैंक बैन या बंद हो जाए तो क्या होगा, आपको कितना पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।हाल ही में मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस प्रतिबंध के तहत बैंक के ग्राहक अगले छह महीनों तक अपनी जमा राशि नहीं निकाल सकेंगे और न ही कोई अन्य लेन-देन कर पाएंगे। यह फैसला बैंक में वित्तीय अनियमितताओं और खराब प्रबंधन को देखते हुए लिया गया है। इस घोषणा के बाद बैंक की शाखाओं के बाहर परेशान ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित हैं। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होने के बाद ही प्रतिबंध हटाए जाएंगे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी बैंक पर इस तरह की पाबंदी लगी हो। इससे पहले पीएमसी बैंक, यस बैंक और शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। बैंक में अपना पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बैंक दिवालिया हो जाता है तो उनकी जमा राशि का क्या होगा।

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार, यदि कोई बैंक डूब जाता है या उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है, तो ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपए तक की राशि वापस मिल सकती है। यह सुरक्षा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत आती है, जो बचत खाता, चालू खाता और एफडी जैसी सभी जमाओं को मिलाकर अधिकतम 5 लाख रुपए की गारंटी देती है। यदि किसी ग्राहक के एक ही बैंक में 7 लाख रुपए जमा हैं, तो भी उसे अधिकतम 5 लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। लेकिन अगर उसने अपनी जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में वितरित कर रखा है, तो प्रत्येक बैंक से उसे 5 लाख तक की राशि प्राप्त हो सकती है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पूरी जमा राशि एक ही बैंक में रखने के बजाय अलग-अलग बैंकों में वितरित करनी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बड़े निजी बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा में धन जमा करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति कई बार अस्थिर हो सकती है, इसलिए उनमें बड़ी मात्रा में धन रखने से बचना चाहिए। आरबीआई ने साफ किया है

कि न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की स्थिति सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बैंक की हालत बेहतर होती है, तो प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। लेकिन फिलहाल ग्राहकों को धैर्य बनाए रखने और अपने निवेश को सोच-समझकर करने की सलाह दी गई है।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण

है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें।

पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने की वजह से अब अगले माह भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। यह दायित्व संभाले हुए उन्हे करीब 6 साल हो गए हैं। कई बार नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा चली लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आने के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इस बार भी कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है।

इससे पहले नड्डा लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा,

लेकिन यह फिर से टल गया है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फरवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब 6 महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा। भाजपा के अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता है, लेकिन जेपी नड्डा को इस बार विस्तार मिला। जेपी नड्डा भले ही पीएम नरेंद्र मोदी की छाया में रहे हैं, लेकिन उनके कार्यकाल को कई राज्यों में शानदार जीत और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के लिए याद किया जाएगा।

अमेरिका से 157 भारतीयों को लेकर आ रहा तीसरा विमान, यह भी अमृतसर में उतरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिका से तीसरा विमान आ रहा है। कितने बजे तक लैंड करेगा इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ये तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा।

अमेरिका से 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर सैन्य विमान सी-17 ए ग्लोबमास्टर-3 शनिवार रात 11:30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। पहले 119 अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के खबरें थीं, लेकिन बाद में लिस्ट अपडेट की गई। इस विमान में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल थे।

एयरपोर्ट के अंदर पहले सभी के दस्तावेजों की चेकिंग की गई। इसके साथ यह भी देखा गया कि किसी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। सारी

औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अमेरिका तीसरे बैच में 157 अवैध प्रवासी भारतीयों को रविवार यानी आज सुबह अमृतसर भेजेगा। अभी यह पता नहीं चल सका है कि विमान कितने बजे यहां लैंड करेगा।

अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर भारतीय प्रवासियों को ला रहे अमेरिकी विमानों की लैंडिंग को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पवित्र शहर अमृतसर को बदनाम किया जा रहा है। हम अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतारना केंद्र सरकार की साजिश है। यह जहाज दिल्ली या अहमदाबाद अथवा देश के किसी भी एयरबेस पर उतारा जा सकता है। अमेरिका से आने वाले जहाज के लिए पहले दिल्ली एयरपोर्ट आता है।

स्पीड में चीन के बाहुबली फाइटर जेट का मुकाबला नहीं कर सकता अमेरिका का एफ 35

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भी 5वीं जेनरेशन का एयरक्राफ्ट डेवलप किया है। यह एयरक्राफ्ट अमेरिका के एफ 35 से कई गुना ज्यादा गति वाला है। चीन ने हाल में ही 5वीं जेनरेशन फाइटर जेट जे-35ए को दुनिया के सामने पेश किया था। बताया जाता है कि बीजिंग ने एफ-35 से प्रेरित होकर जे-35ए फाइटर जेट बनाया है। हालांकि, चीनी लड़ाकू विमान स्पीड और टेक्नोलॉजी के मामले में अमेरिका के एफ-35 एयरक्राफ्ट से अपग्रेड है।

बता दें कि चीन पिछले कुछ साल में अपने डिफेंस पर खर्च में बेतहाशा वृद्धि की है। खासकर एयरफोर्स और नेवी को अपग्रेड किया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। इसे देखते हुए भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना पड़ रहा है। भारत भी एयरफोर्स को अपग्रेड कर रहा है। राफेल के बाद अब अमेरिका से एफ-35 एयरक्राफ्ट को खरीदने का फैसला किया गया है। दूसरी तरफ नेवी को भी मॉडर्न बनाया जा रहा है। राफेल-एम की खरीद उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अलावा मिसाइल और अन्य आधुनिक वेपन को डेवलप किया जा रहा है। सबसे पहले चीन की पांचवीं पीढ़ी के विमान जे-35ए की बात करते हैं। बीजिंग ने बदलते सामरिक माहौल के बीच पांचवीं पीढ़ी के विमान का निर्माण शुरू किया है। इसी क्रम में डेवलप किया गया है। यह फाइटर जेट स्टील्थ होने के कारण रडार की पकड़ से बाहर है। मतलब इसे रडार पकड़ नहीं सकते हैं।

अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट भी पांचवीं पीढ़ी का विमान है। यह एयरक्राफ्ट मैक-1.6 की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। फिफ्थ जेनरेशन का विमान होने की वजह से यह रडार की पकड़ से दूर है। मतलब इसे रडार नहीं पकड़ सकता है। इसमें एडवांस्ड सेंसर लगे हुए हैं, ताकि टारगेट को हासिल करने में आसानी रहे। इसके अलावा इस विमान में रडार को जाम करने की भी क्षमता है। साथी मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी यह फाइटर जेट लैस है।